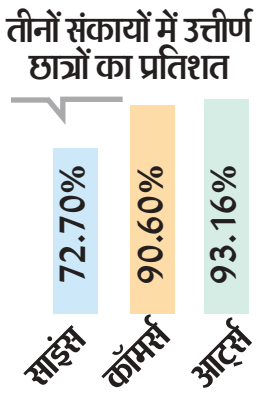

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

बुधवार 01 मई 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 08 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 23 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

जैक 12वीं बोर्ड का रिजल्ट जारी

85.48%

छात्र-छात्राएं पास

साइंस, आर्ट्स व कॉमर्स के तीनों संकायों में लड़कियों ने मारी बाजी

शुभम किशोर। रांची

- पिछले साल के मुकाबले इस साल तीन फीसदी कम रहा रिजल्ट

झारखंड अकादमी परिषद (जेएसी) ने मंगलवार को 12वीं कक्षा के तीनों संकाय विज्ञान, वाणिज्य और कला की परीक्षाओं के नतीजे घोषित कर दिए. इनमें 85.48 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं. जेएसी अध्यक्ष अनिल महतो ने राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह की उपस्थिति में नतीजे घोषित किए. महतो ने बताया कि विज्ञान संकाय के 72.70 प्रतिशत, वाणिज्य संकाय के 90.60 प्रतिशत और कला संकाय के सबसे अधिक 93.16 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए हैं. हालांकि, पिछले साल उत्तीर्ण विद्यार्थियों के मुकाबले इस साल उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों की संख्या में करीब तीन प्रतिशत की गिरावट आई है. पिछले साल 12वीं कक्षा के तीनों संकाय के कुल 88.67 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए थे. महतो के मुताबिक कला और वाणिज्य संकाय में लड़कियों ने लड़कों को पीछे छोड़ दिया है और इन दोनों संकायों में परीक्षा देने वाली छात्राओं में से क्रमशः 94.22 प्रतिशत और 93.46 प्रतिशत उत्तीर्ण हुई हैं, जबकि लड़कों में यह प्रतिशत क्रमशः 91.68 प्रतिशत और 88.40 प्रतिशत है. विज्ञान संकाय में 72.72 प्रतिशत लड़के उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि उत्तीर्ण हुई लड़कियों का प्रतिशत 72.67 है. सिंह ने कहा, विज्ञान संकाय में भौतिकशास्त्र और रसायनशास्त्र के नतीजे संतोषजनक नहीं है. हमें भविष्य में इन विषयों के नतीजों में सुधार करने के लिए कार्य करना होगा. उन्होंने कुल नतीजों में गिरावट के बारे में कहा कि परीक्षा के तरीके में बदलाव किया गया था, जिसका असर नतीजों में दिख रहा है. इस साल 3 लाख 44 हजार परीक्षार्थी 12वीं बोर्ड की परीक्षा में बैठे थे. इनमें साइंस के 94,433, कॉमर्स के 25,907 और आर्ट्स के 2,24,502 परीक्षार्थी शामिल हुए थे.

साइंस टॉपर

प्रतिभा साहा, उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची

कॉमर्स टॉपर

स्नेहा लक्ष्मी, उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची

आर्ट्स टॉपर

जीनत परवीण, गवर्नमेंट हाई स्कूल कांके, रांची

तीनों सकाय में लड़कियों ने लहराया परचम

साइंस में 94433 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था. इनमें से 93805 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे. लेकिन सिर्फ 68203 स्टूडेंट ही परीक्षा में पास हुए हैं. इसमें 72.2 फीसदी लड़के और 72.67 फीसदी लड़कियां शामिल हैं. 72.70 फीसदी छात्र फर्स्ट डिवीजन से उत्तीर्ण हुए हैं. वोकेशनल की बात करें तो 508 परीक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था. इनमें से केवल 493 छात्र ही परीक्षा में बैठे थे. 493 में से 439 छात्र यानी 89.22 परसेंट स्टूडेंट पास हुए हैं. कॉमर्स स्ट्रीम की बात करें तो 23235 (90.06 प्रतिशत) छात्र पास हुए हैं. इसमें 93 % लड़कियां हैं. 61% परीक्षार्थी फर्स्ट डिवीजन से पास हुए हैं. कॉमर्स में कुल 25907 स्टूडेंट ने रजिस्ट्रेशन कराया था. इसमें से 25644 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हुए थे. आर्ट्स में 93.7 फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुए हैं. इसमें 83404 छात्र फर्स्ट डिवीजन हुए हैं. आर्ट्स में कुल 2 लाख 24 हजार 502 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था. इनमें से 2 लाख 6 हजार 685 छात्र ही परीक्षा में पास हुए. आर्ट्स में भी लड़कियों ने ही बाजी मारी है.

सभी टॉपर राजधानी रांची के

जैक इंटर के सभी संकाय के रिजल्ट जारी कर दिए गए है. साइंस संकाय में टॉप 10 में 20 छात्र, कॉमर्स में 12 और आर्ट्स में 16 छात्रों ने स्थान प्राप्त किया है. जिसमें साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स में उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची की 23 छात्राओं ने टॉप 10 में स्थान बनाया है. वहीं साइंस और कॉमर्स की झारखंड टॉपर भी उर्सुलाइन की ही है. आर्ट्स की टॉपर रांची के गवर्न्मेंट 2 हाईस्कूल कांके की छात्रा है. उर्सलीन इंटर कॉलेज की छात्रा स्नेहा ने राज्य में विज्ञान संकाय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, उन्हें 500 पूर्णांक में 491 अंक प्राप्त हुए हैं. इसी कॉलेज की प्रतिभा साहा ने वाणिज्य संकाय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है और उन्हें 500 में से 474 अंक मिले हैं कला संकाय में कांके स्थित राजकीय प्लस-2 हाईस्कूल की छात्रा जीनत प्रवीण राज्य में शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 500 पूर्णांक में से 472 अंक हासिल किए हैं.

12वीं के साइंस स्ट्रीम के टॉप 10

रैंक	नाम	स्कूल का नाम	मार्क्स
1	प्रतिभा साहा	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	474
2	रिया कुमारी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	472
3	सृष्टि कुमारी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	470
4	श्रेया कश्यप	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	468
5	आंचल कुमारी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	466
5	सना परवीन	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	466
6	शिवानी कुमारी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	465
7	उजाला कुमारी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	464
8	सृष्टि कुमारी	आरएलएसवाई कॉलेज झुमरी तेलैया	463
8	परिषी कुमारी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	463
9	आकांक्षा	एस.टी. जेवियर्स कॉलेज	462
10	भावना सिन्हा,	देवघर कॉलेज देवघर	461

12वीं कॉमर्स स्ट्रीम के टॉप 10

रैंक	नाम	स्कूल का नाम	मार्क्स
1	स्नेहा लक्ष्मी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	491
2	रितिका कुमारी	इंटर कॉलेज हजारीबाग	482
3	पंकज साहू	बैजनाथ जालान कॉलेज सिसई	480
4	अमित मेहता	बीएस इंटर कॉलेज पाटन	477
4	आस्था प्रियदर्शिनी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	477
5	श्रेष्ठा कुमारी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	474
5	तस्किन कौशर	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	474
6	सना परवीन	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची,	473
7	हर्षिता कुमारी झा	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	472
8	अतिका तनसीम	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	471
8	कात्यायनी केसरी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	471
8	पलक कुमारी	+2 आरके हाईस्कूल, दुमका	471
9	माही कुमारी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची,	470
9	रेशम रानी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची,	470
9	राहुल गुप्ता	सेंट जेवियर्स केंदुआदेवीपुर,	470
9	सूरज कुमार	+2 उत्क्रमित हाईस्कूल केंदुआदेवीपुर	470
10	कोमल कुमारी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	469
10	दीपक महतो	एसएस प्लस टू हाईस्कूल,रांची	469
10	अंबिका कुमारी	एसएस प्लस टू हाईस्कूल,रांची	469
10	सोमी रॉय	बीरेंद्र अयान एच एस डोरंडा गिरिडीह	469

12वीं आर्ट्स स्ट्रीम के टॉप 10

रैंक	नाम	स्कूल का नाम	मार्क्स
1	जीनत परवीण	गवर्नमेंट हाई स्कूल कांके	472
2	बहमनी धनन	प्लस टू हाई स्कूल खूंटी	466
3	दीपाली कुमारी	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	458
4	राहत परवीन	गवर्नमेंट हाई स्कूल कांके	456
5	खुशनुमान परवीन	गवर्नमेंट हाई स्कूल कांके	455
5	खुशी वर्मा	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	455
6	श्रुति कुमारी,	आदिवासी +2 हाईस्कूल, सीतारामडेरा	454
7	परवीन बैता	सेंट मेरी इंटर कॉलेज, सिमडेगा	453
8	अंजली कुमारी	प्लस टू हाईस्कूल, राधानगर	452
8	शुभोदीप दास	प्लस टू जिला स्कूल दुमका	452
9	बबीता सिरका	एसएस+2 हाई स्कूल मंझारी	451
9	निकिता कुमारी	प्लस टू हाईस्कूल कर्रा	451
9	अकस्मिका	उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची	451
10	रवि कुमार	इंटर प्लस टू स्कूल गोड्डा	450
10	कशिश कुमारी	प्लस टू हाईस्कूल, गिरिडीह	450
10	दोना चंद्र	आरके +2 हाईस्कूल , शिकारीपारा	450

छुट्टी की सूचना

1 मई को मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को दैनिक शुभम संदेश और लगातार .इन का कार्यालय बंद रहेगा. अत: अखबार का अगला अंक 3 मई को आएगा. इस मौके पर शुभम संदेश और लगातार .इन परिवार की तरफ से दुनिया भर के मजदूरों को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं. – संपादक

ब्रीफ खबरें

टी20 विश्व कप टीम घोषित- सैमसन, चहल, पंत शामिल

अहमदाबाद। संजू सैमसन और युजवेंद्र चहल को आईपीएल में उनके शानदार प्रदर्शन के दम पर टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है, लेकिन शुभमन गिल और रिंकू सिंह को रिजर्व में रखा गया है. कप्तान रोहित शर्मा और उपकप्तान हार्दिक पंड्या की टीम में केएल राहुल जगह नहीं बना पाये हैं.

-पूरी खबर पेज 10 पर

हम तो डोजियर नहीं भेजते, घुसकर मारते हैं

लातूर। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आतंकवाद से निपटने के भारत सरकार के रुख में कांग्रेस शासन के दौरान अपनाए गए दृष्टिकोण की तुलना में बहुत बड़ा बदलाव देखा गया है. हम आतंकवाद पर पूर्व सरकारों की तरह डोजियर नहीं भेजते, हम घर में घुस कर मारते हैं.

छग में मुठभेड़, 10 नक्सली हुए ढेर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर और कांकेर जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत 10 नक्सलियों को मार गिराया है. पेज 12 भी देखें

10.50 लाख प्रवासी श्रमिकों की सरकार को ही जानकारी नहीं

कैसे बढ़ेगा वोट प्रतिशत

प्रवीण कुमार। रांची

इस बार आम चुनाव में राज्य चुनाव आयोग ने झारखंड के प्रवासी मजदूरों से संपर्क कर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करने का मन बनाया है. इसे लेकर आयोग ने उच्चस्तरीय बैठक भी की थी. लेकिन दुखद स्थिति यह है कि राज्य सरकार को पता ही नहीं है कि झारखंड के 10 लाख से अधिक मजदूर दूसरे राज्यों में काम करके अपना घर-परिवार चला रहे हैं. राज्य में 25 अप्रैल 2024 तक कुल एक लाख 70 हजार 832 श्रमिकों ने ही प्रवासी श्रमिक के रूप में निबंधन कराया है. बाकियों का कोई लेखा-जोखा राज्य सरकार के पास उपलब्ध नहीं है. बता दें कि कोरोना काल में (वर्ष 2020-21) विभिन्न राज्यों में काम करनेवाले झारखंड लौटे श्रमिकों की संख्या करीब 10.50 लाख से अधिक थी. जिनका निंबधन लेबर कांट्रोल रूम के जरिए झारखंड सरकार ने कराया था. हालांकि ये संख्या और ज्यादा होती, लेकिन श्रम विभाग सभी प्रवासी श्रमिकों का निबंधन ही नहीं करा पाया. यही वजह विभाग की लापरवाही के कारण प्रवासी श्रमिकों को सरकार से मिलने वाली सुविधाओं से भी वंचित रहना पड़ता है. प्रवासी श्रमिक कंट्रोल रूम के पुराने आंकड़े बताते हैं कि लाखों श्रमिक बाहर काम कर रहे हैं, पर उन लोगों ने निबंधन नहीं कराया है. हालांकि कोरोना के समय यह आंकड़ा सामने आया था. ऐसे में सोचने वाली बात है कि चुनाव आयोग किस तरह इन मजदूरों से संपर्क करके उनको मतदान करने के लिए वापस बुला सकेगा. और बाहर रहने वाले लाखों मजदूर जब बाहर से आ नहीं पाएंगे, तो झारखंड में कैसे बढ़ पाएगा मतदान प्रतिशत.

मजदूर दिवस पर खास खबर

पलायन करने वाले मजदूरों की संख्या 15 लाख से अधिक: बलराम

खाद्यान्न मामले में सुप्रीम कोर्ट के सलाहकार रहे बलराम कहते हैं कि झारखंड के प्रवासी मजदूरों की संख्या 15 लाख से अधिक है. चुनाव महापर्व में प्रवासी श्रमिकों के मतदान नहीं करने से वोटिंग प्रतिशत में कमी आएगी. बलराम बताते हैं कि हाल के दिनों में आदिवासी इलाके में ज्यादा जा रहा हूं. आदिवासी गांवों में हर दूसरे घर से काम के लिए लोग दूसरे राज्य गये हैं. आदिवासी क्षेत्र से पलायन साइलेंटली होता है. गांव जाकर ही सही स्थिति देखी जा सकती है और पलायन का पता लगाया जा सकता है.

इन लोकसभा क्षेत्रों के सबसे अधिक श्रमिक प्रवासी: जॉनसन टोप्नो

फिया फाउंडेशन के जॉनसन टोप्नो कहते हैं कि कोरोना के समय 10 लाख से अधिक प्रवासी मजदूरों का लेबर कंट्रोल रूम ने रजिस्ट्रेशन किया था. महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, पंजाब, तेलंगाना और केरल में राज्य के सबसे अधिक प्रवासी मजदूर थे. वहीं मौजूदा समय में गिरिडीह, पलामू,गढ़वा, गोड्डा, दुमका जिला के सबसे ज्यादा प्रवासी श्रमिक दूसरे राज्यों में काम कर रहे हैं.

राज्य सरकार ने क्या तय किया था

कोरोना के समय राज्य सरकार ने तय किया था कि अब से जो भी श्रमिक राज्य के बाहर जाएंगे, उनका प्रवासी श्रमिक के रूप में निबंधन कराया जाएगा. साथ ही अन्य सभी प्रकार के श्रमिक भी जो राज्य में ही रहते हैं, उनका भी निबंधन कराएंगे. इसके लिए ई-श्रम निबंधन पोर्टल लाया गया था. राज्य सरकार ने वापस लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों के लिए निबंधन की व्यवस्था की थी, लेकिन यह काम आगे नहीं बढ़ाया जा सका.

निबंधन पर मिलता है कई तरह का लाभ

निबंधन कराने वाले श्रमिकों की मृत्यु होने या दुर्घटना में घायल होने पर आश्रितों को दो लाख रुपए देने का भी प्रावधान है. वहीं बगैर निबंधन वाले मजदूरों को डेढ़ लाख रुपए देने का प्रावधान है. दुर्घटना में एक अंग या एक आंख का नुकसान होने पर एक लाख रुपए देने का प्रावधान है. वहीं मौत होने पर मजदूर के शव व उसके परिवार को पैतृक आवास तक पहुंचाने का संपूर्ण खर्च राज्य सरकार वहन करती है.

किस जिले से कितने प्रवासी श्रमिकों ने कराया निबंधन

(कोरोना के समय का आंकड़ा)

जिला	निबंधित श्रमिकों की संख्या	कोरोना के समय श्रमिकों की संख्या
गिरिडीह	19059	208975
गोड्डा	16531	69597
पाकुड़	14716	10756
प. सिंहभूम	13794	13655
गुमला	13256	9393
दुमका	12937	28764
साहिबगंज	12588	33664
बोकारो	9519	49615
हजारीबाग	9143	46815
पलामू	8064	117291
गढ़वा	7373	117715
सिमडेगा	6995	4045
लातेहार	5166	31071
धनबाद	5112	23518
पूर्वी सिंहभूम	2584	13655
रामगढ़	2452	8206
देवघर	2119	48911
रांची	1990	18611
चतरा	1870	46891
कोडरमा	1848	21031
खरसावां	1518	4701
खूंटी	1150	5121
लोहरदगा	933	2827
जामताड़ा	115	16457
कुल	1,70,832	10,47,711

झामुमो ने अर्जुन मुंडा पर लगाया बड़ा आरोप, कहा

बजाज के जरिए बुंडू में 1400 एकड़ जमीन की हेराफेरी

कौशल आनंद। रांची

झामुमो ने भाजपा और अर्जुन मुंडा पर बड़ा हमला बोला है. पार्टी ने अर्जुन मुंडा पर पवन बजाज के साथ गहरे रिश्ते का जिक्र करते हुए बुंडू अंचल में 1400 एकड़ मुंडा खुटकट्टी जमीन हड़पने का आरोप लगाया है. कहा कि यह बहुत गंभीर मसला है. इस पूरे मामले की राज्य सरकार जांच करवा रही है. जब इन सवालों को हमारे तमाड़ विधायक विकास सिंह मुंडा ने उठाया, तो इन्हें जवाब देते नहीं बन रहा है. उक्त बातें पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान की.

खुटकट्टी जमीन का हस्तांतरण नहीं हो सकता है, एसआईटी की रिपोर्ट का इंतजार : विधायक : इस मौके पर विधायक विकास सिंह मुंडा ने विस्तार से बताते हुए कहा कि यह जमीन का मामला जब प्रकाश में आया, तो तत्कालीन सीएम हेमंत सोरेन के निर्देश पर इसे हथियाने पर रोक लगी. इस जमीन पर कहीं न कहीं पीछे के दरवाजे से भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की संलिप्तता समान रूप से इसलिए दिखाई देती है कि इस विषय पर आज तक उन्होंने एक शब्द भी नहीं बोला है. उन गांवों में अर्जुन मुंडा जा भी नहीं सकते. जाएंगे तो भी उनसे इतने सवाल होंगे कि उनका जवाब अर्जुन मुंडा दे नहीं पाएंगे. ये जमीन उड़दा और उसके पास के एदलहातू के चार-पांच गांव की है. इस मामले को लेकर एसआईटी बनी है, जिसकी रिपोर्ट अभी आनी है. चूंकि अभी आचार संहिता लागू है. इसकी समाप्ति के बाद रिपोर्ट सार्वजनिक हो जाएगी. भारत आजाद होने के बाद जितने भी जमींदार थे, उनकी लैंड रिफोर्मरी खत्म हो गयी. इसके बाद रैयतों को मूल रैयत मानकर जमीन उन्हें मिल गयी. पुराने जमींदार से पुराने खतियान के आधार पर उस जमीन का कारोबार हुआ. उस जमीन की डीड अभी जिंदा है, उस डीड को लेकर अंचल में, एसडीएम के यहां मामले चल रहे हैं. अंचल ने अपनी जांच करके रिपोर्ट भी समिट कर दी है. सीओ ने कहा कि जितने भी मूल रैयत हैं, ये उनकी जमीन है. जब लैंड रिफॉर्म हो गया, तो पुराने जमींदार का अस्तित्व ही नहीं है. इसके बाद भी इतनी बड़ी जमीन का खेल हुआ. यह चरित्र है इनलोगों का. ये लोग भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर आकर बड़ी-बड़ी बात तो बोलते हैं, मगर सारी बातें सिर्फ जुमले हैं. ये लोग पीछे के दरवाजे से गंदा और घिनौना काम करना चाहते हैं.

बड़ी-बड़ी बातें करने वाले करते हैं घिनौने काम

- पूरे मामले की सरकार करवा रही जांच, चुनाव के बाद रिपोर्ट आएगी सबके सामने
- कारोबारी पवन बजाज के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा से हैं बेहद करीबी रिश्ते

कोविशील्ड पर कबूलनामा

आपकी जिंदगी खतरे में डालने का जिम्मेदार कौन!

सुरजीत सिंह

कोविशील्ड. यह नाम आपको याद है. कोराना काल का टीका. वही टीका जिसके लगाने पर आपको एक सर्टिफिकेट मिलता था. उस सर्टिफिकेट पर प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर होती थी. वही टीका जिसे लेकर हमें गर्व करना सिखाया गया कि इसे भारत ने बनाया. जबकि इसका फार्मूला एस्ट्राजेनेका ने बनाया था. आदर पूनावाला ने बस अपने लैब में बनाया था. उसी कोविशील्ड को लेकर देश भर में थैंक्यू मोदी के हॉर्डिंग लगाये गये थे. यूके की एक अदालत में उसी कोविशील्ड का कबूलनामा सामने आया है. उसने कहा है कि कोविशील्ड टीटीएस बीमारी का कारण बन सकता है. इसकी वजह से खून गाढ़ा हो जाता है. थक्के जम जाते हैं और ब्रेन स्ट्रोक व हार्ट अटैक हो सकता है. विपक्ष इसे एक बड़ा मुद्दा बनाने को लेकर सक्रिय हो गया है.

विपक्ष इसे मुद्दा बनाता है या नहीं, वह जाने. लेकिन कोविशील्ड का कबूलनामा उन लोगों के लिए डराने वाला है, जिन्होंने टीका लिया था. आप कोराना के बाद के हालात पर गौर करें. क्या आपने अपने आसपास हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी. हां देखी. तो एक और खबर, जिसे छिपा लिया गया, उसे जानना जरूरी है. गूगल में आप भी सर्च कर सकते हैं. वैक्सीन लगवाने से हुई मौतों के लिए सरकार जिम्मेदार नहीं, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा. 29 नवंबर 2022 की यह खबर आपको दिखेगी. दरअसल, वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण दो बेटियो की मौत के बाद एक व्यक्ति ने कोर्ट में याचिका दाखिल की थी. सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा था- मृतकों के परिजनों के प्रति उसकी संवेदनाएं हैं, लेकिन टीके के किसी भी प्रतिकूल प्रभाव के लिए सरकार जिम्मेदार नहीं है. मतलब, सर्टिफिकेट में अपने नेता की तसवीर लगाएंगे, लेकिन जिम्मेदारी लेते वक्त खुद को अलग कर लेंगे.

एक और खबर जो आम लोगों तक पहुंची ही नहीं. गूगल में सर्च करके आप भी जान सकते हैं. खबर यह है कि सरकार ने वैक्सीन की दो डोज मुफ्त में लोगों को लगवायी थी. मतलब सीरम इंस्टीच्यूट से सरकार ने खरीद कर लोगों को मुफ्त मुहैया कराया था. बूस्टर डोज लोगों को खरीद करके लगवानी थी. लेकिन लोगों ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखायी. वैक्सीन का एक्सपायरी डेट करीब आने लगी थी. तब केंद्र सरकार ने बूस्टर डोज को भी खरीद लिया और लोगों को मुफ्त लगाने के लिए उपलब्ध कराया. हालांकि इन सबके बाद भी लोगों ने बूस्टर डोज में दिलचस्पी नहीं दिखायी थी. हम देख रहे हैं कि हमारे आसपास ऐसी घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है, जिसमें चलता-फिरता, नाचता-गाता कोई इंसान अचानक से मर जाता है. देश भर में ऐसी हजारों घटनाएं सामने आयीं. लेकिन सरकार ने इस पर कभी बात नहीं की. जांच की बात तो दूर है.

अपने देश में 18 से 45 वर्ष की उम्र के लोगों में तेजी से बढ़ रहे हार्ट अटैक के मामलों पर शोर शुरू हुआ, तो इंडियान काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने एक स्टडी शुरू की. दिसतंबर 2023 में आईसीएमआर ने अपनी स्टडी में बताया कि कोविड वैक्सीन का हार्ट अटैक से कोई संबंध नहीं है. इसी रिपोर्ट का हवाला देकर स्वास्थ्य मंत्री ने मीडिया में बयान दिया कि कोविशील्ड वैक्सीन से हार्ट अटैक का कोई संबंध नहीं है. -शेष पेज 7 पर

कोविशील्ड बनाने वाली एस्ट्राजेनेका का यूके हाईकोर्ट में कबूलनामा

कोविड वैक्सीन से साइड इफेक्ट्स संभव

एजेंसी। लंदन

भारत में सीरम इंस्टीट्यूट के साथ मिल कर बनाई वैक्सीन

बता दें कि एस्ट्राजेनेका ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के साथ मिलकर भारत के पुणे में भी कोविशील्ड वैक्सीन तैयार की थी. कोरोना के बाद से ही देशभर में अचानक से लोगों के दम तोड़ देने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं. ऐसे में कोरोना वैक्सीन को लेकर लोगों में संदेह पैदा होने लगा. इन संदेहों के बीच यूके कोर्ट में एस्ट्राजेनेका के कबूलनामे के बाद कोर्ट क्या करता है, इस पर लोगों की नजरें बनी हुई है. दिलचस्प बात यह है कि भारत में यह खबर आने के बाद सोशल मीडिया पर हड़कंप मच गया है. हजारों लोगों ने अलग-अलग प्लेटफार्म पर इसको लेकर चिंता जतायी है. कोरोना काल में भारत में लाखों लोगों की मौत की बात सामने आई थी.

पूरी दुनिया के लिए एक बहुत डराने वाली खबर सामने आई है. ब्रिटेन की फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका कंपनी जिसने कोरोना की दवा बनायी है, उसने पहली बार ब्रिटिश हाईकोर्ट में स्वीकार किया कि कोविड-19 वैक्सीन से थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम जैसे साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं. कंपनी इस वैक्सीन को पूरी दुनिया में कोविशील्ड और वैक्सजेवरिया नाम से बेचती है.

थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम से शरीर में खून के थक्के जमने लगते हैं या बॉडी में प्लेटलेट्स तेजी से गिरने लगते हैं. बॉडी में ब्लड क्लॉट की वजह से ब्रेन स्ट्रोक या हार्ट अटैक की आशंकाएं बलवती हो जाती हैं. कंपनी ने इसी साल फरवरी में हाईकोर्ट के समक्ष वैक्सीन के साइड इफेक्टस के आरोप स्वीकार किये हैं. हालांकि कंपनी ने वैक्सीन के पक्ष में कई तर्क भी प्रस्तुत किये हैं.

एस्ट्राजेनेका पर कई लोगों ने किया है केस : ब्रिटेन के जेमी स्कॉट नाम के शख्स ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ केस दर्ज कराया है. स्कॉट ने कहा कि कंपनी की कोरोना वैक्सीन के कारण वह थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम की समस्या से जूझ रहे हैं. वह ब्रेन डैमेज के शिकार हो गये. सिर्फ स्कॉट ही नहीं, कंपनी की कोरोना वैक्सीन के खिलाफ दर्जनभर से ज्यादा लोगों ने कोर्ट में गुहार लगाई है. इन सभी का आरोप है कि वैक्सीन लेने के बाद उन्हें साइड इफेक्ट्स का सामना करना पड़ा है. इन सभी ने कोर्ट से मुआवजे की मांग की है.

-शेष पेज 7 पर

लोकसभा चुनाव 2024 : झारखंड की पांच लोकसभा सीटों पर निर्दलीय के आने से त्रिकोणीय हुआ मुकाबला, मुख्य दलों का बिगड़ सकता है खेल

लोहरदगा, राजमहल, चतरा, गिरिडीह व कोडरमा में निर्दलीय प्रत्याशियों ने बढ़ाई टेंशन

सत्य शरण मिश्रा। रांची

झारखंड के पांच लोकसभा सीटों पर निर्दलीय के आने से 'इंडिया' और एनडीए की टेंशन बढ़ गई है. लोहरदगा, चतरा, राजमहल, कोडरमा और गिरिडीह लोकसभा सीट पर निर्दलीय प्रत्याशियों के उतरने से त्रिकोणीय मुकाबले के आसार हैं. ये निर्दलीय इन लोकसभा सीटों पर खेल बिगाड़ सकते हैं. इनमें से तीन नेता झामुमो और एक नेता राजद से बगावत कर चुनाव लड़ने वाले हैं.

झामुमो के विधायक चमरा लिंडा लोहरदगा लोकसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर चुके हैं. राजमहल सीट से झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं. वहीं गांडेय के पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा

खास बातें

- तीन नेताओं ने झामुमो और एक ने राजद से की बगावत
- जेबीकेएसस के जयराम महतो निर्दलीय ठोंक रहे ताल

झामुमो से बगावत कर चुके हैं और कोडरमा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाले हैं. पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह राजद से बगावत कर चतरा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. वहीं गिरिडीह से खतियानी मोर्चा के जयराम महतो निर्दलीय ताल ठोंकने वाले हैं. ये पांचों नेता दम-खम वाले हैं. जननेता के रूप में इन्होंने अपनी पहचान बनाई है. इनका अपना अलग वोट बैंक है. ऐसे में पांचों निर्दलीय प्रत्याशी लोकसभा चुनाव में संबंधित पांचों सीटों पर खेल बिगाड़ सकते हैं.

राजमहल में लोबिन करेंगे भारी उलटफेर

राजमहल लोकसभा सीट से झामुमो ने सीटिंग सांसद विजय हांसदा को उतारा है. वहीं भाजपा ने ताला मरांडी को टिकट दिया है. बोरियो से झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम राजमहल से टिकट की दावेदारी कर रहे थे, लेकिन जब टिकट नहीं मिला, तो उन्होंने भी बगावत करते हुए निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. 2005 में झामुमो ने विधानसभा चुनाव में लोबिन का टिकट काटा था. उस वक्त भी लोबिन निर्दलीय चुनाव में उतर गये थे और चुनाव जीत भी गए. अब राजमहल लोकसभा सीट से लोबिन के उतरने से झामुमो की टेंशन बढ़ गई है.

लोहरदगा में चमरा ने बढ़ाई कांग्रेस-भाजपा की धड़कन

चमरा लिंडा वर्ष 2004, 2009 और 2014 में लोहरदगा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं. हालांकि, वो कभी जीत नहीं पाये, लेकिन उन्हें अच्छे वोट मिले. 2004 में वे तीसरे नंबर पर थे. 2009 में दूसरे स्थान और 2014 में तीसरे स्थान पर थे. तीनों चुनाव में मिले वोट से यह साफ है कि चमरा लिंडा का लोहरदगा में अपना जनाधार है. 'इंडिया' गठबंधन में सीट शेयरिंग के तहत लोहरदगा सीट कांग्रेस के खाते में चली गई. ऐसे में चमरा लिंडा झामुमो से बगावत कर निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर गये. उनके उतरने से लोहरदगा में अब कांग्रेस-भाजपा और उनमें त्रिकोणीय मुकाबला हो गया है.

गिरिडीह में जयराम के आने से कांटे की टक्कर

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के अध्यक्ष व चर्चित युवा नेता जयराम महतो गिरिडीह लोकसभा सीट में बतौर निर्दलीय मैदान में हैं. गिरिडीह में एनडीए की सीट शेयरिंग के तहत आजसू पार्टी के चंद्रप्रकाश चौधरी चुनाव लड़ रहे हैं. वहीं, गठबंधन में झामुमो से मथुरा महतो चुनाव मैदान में हैं. जयराम के आने से यहां का मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है. जयराम की युवा वोटरों पर अच्छी पकड़ है. झारखंड की भाषा, खतियान और स्थानीय युवाओं की नौकरी के सवाल पर जोरदार आंदोलन कर उन्होंने पिछले कुछ सालों में जनता के बीच अपनी गहरी पैठ बनाई है.

चतरा में कांग्रेस-भाजपा की टेंशन बढ़ायेंगे गिरिनाथ

पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह चतरा लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट के दावेदार थे, लेकिन भाजपा ने कालीचरण सिंह को टिकट दे दिया. इससे नाराज गिरिनाथ टिकट की उम्मीद में वापस अपने पुराने घर राजद पहुंच गये, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन की सीट शेयरिंग में यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई. कांग्रेस ने वहां से केएन त्रिपाठी को उतार दिया है. अब गिरिनाथ सिंह चतरा से निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं. पूर्व स्पीकर इंदर सिंह नामधारी चतरा सीट से निर्दलीय चुनाव जीत चुके हैं. गिरिनाथ के चुनाव मैदान में आने से कांग्रेस और भाजपा दोनों को परेशानी हो सकती है.

जयप्रकाश के आने से कोडरमा में त्रिकोणीय संघर्ष

कोडरमा में प्रो. जयप्रकाश वर्मा ने भाजपा और भाकपा माले की टेंशन बढ़ा दी है. कोडरमा सीट पर गांडेय विधानसभा के पूर्व विधायक और झामुमो नेता प्रो. जयप्रकाश वर्मा ने भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ताल ठोंक दी है. टिकट की उम्मीद में जयप्रकाश झामुमो में शामिल हुए थे, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन में सीट शेयरिंग के तहत कोडरमा सीट भाकपा माले के खाते में चली गयी. बगोदर से माले विधायक बिनोद सिंह यहां से चुनाव लड़ रहे हैं. वहीं भाजपा से केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी दोबारा चुनाव मैदान में है. जयप्रकाश के आने से यहां भी त्रिकोणीय मुकाबला होगा.

ब्रीफ खबरें

पत्नी के हत्यारे पति को आजीवन कारावास

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने प्रेम प्रसंग में रोड़ा बन रही पत्नी की हत्या करने के दोषी पति ललित सिंह पूर्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनायी है. साथ ही कोर्ट ने 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है. इससे पहले शुक्रवार को अपर न्यायायुक्त एमसी झा की कोर्ट ने ललित को दोषी करार दिया था. जिसके बाद मंगलवार को उसकी सजा की बिंदु पर सुनवाई हुई. बता दें कि यह मामला गोंदा थाना क्षेत्र का था, जहां ललित सिंह पूर्ति ने 7 मार्च 2019 को अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी. दरअसल आरोपी पति का किसी और महिला के साथ अवैध संबंध था. इसको लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था. 7 मार्च 2019 को दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी.

महावीर रुंगटा की डिस्चार्ज पिटीशन खारिज

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी महावीर प्रसाद रूंगटा की डिस्चार्ज पिटीशन ईडी कोर्ट ने खारिज कर दी है. महावीर प्रसाद रूंगटा रामगढ़ स्पंज आयरन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक हैं. उन पर लौह अयस्क की तस्करी करने, फर्जी चालान और ट्रांसपोर्टेशन कर 4.33 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग करने का आरोप है. इसी मामले में मेसर्स बालाजी तिरुपति और मेसर्स एपिकल एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक राकेश कुमार सिंघानिया भी आरोपी हैं. महावीर प्रसाद रूंगटा को हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत पूर्व में मिल चुकी है.

सैकड़ों कर्मियों को सता रहा बेरोजगारी का डर

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय समेत 24 जिलों में झारखंड पुलिस के लिए काम कर रही तीन कंपनियों के सैकड़ों कर्मियों को बेरोजगार होने का डर सता रहा है. मेसर्स वायम टेक लिमिटेड, कोफोर्ज लिमिटेड और ई कनेक्ट लिमिटेड नाम की तीन कंपनियां अनुबंध के आधार पर 13 साल से अधिक समय से झारखंड पुलिस के लिए डाटा सेंटर का कार्य कर रही हैं. तीनों कंपनियां के द्वारा झारखंड पुलिस के डाटा सेंटर, नेटवर्क मैनेजमेंट, झारखंड पुलिस वेब पोर्टल, एसपी ऑफिस सर्वर समेत कई अन्य कार्य किये जाते हैं. वायम टेक लिमिटेड का अनुबंध 30 अप्रैल को खत्म हो गया, जबकि दो अन्य कंपनियों का अनुबंध अगले दो महीने में खत्म हो जायेगा. इन तीनों कंपनियों के करीब 100 कर्मियों को बेरोजगारी का डर सता रहा है.

सूरते हालः मनरेगा योजना में न्यूनतम से भी कम मिलती है मजदूरी

मनरेगा में बिचौलिया हावी

प्रवीण कुमार। रांची

मनरेगा नहीं होती, तो संभवतः ग्रामीण झारखंड में ज्यादा तेजी से पलायन देखने को मिलता. झारखंड के गांव अभी से कहीं ज्यादा दुखद स्थिति में होते. सामाजिक आंदोलनों और जनपक्षीय राजनीति के दबाव के कारण भारत सरकार ने सभी ग्रामीण परिवारों को 100 दिन के काम का वैधानिक अधिकार मनरेगा योजना से प्रदान किया है. 2005 में बनी यह योजना एक कानून के तहत संचालित होती है. इसके बाद भी राज्य में मनरेगा योजना का सही तरीके से संचालन नहीं होने के कारण इस योजना पर बिचौलिये हावी होते जा रहे हैं. मनरेगा योजना जो ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों का हक है वह भी उन्हें नहीं मिल पता. औसतन प्रति मजदूर को मनरेगा महरेगा योजना में 40 से 60 दिन का ही रोजगार हासिल हो पाता है, बहुल काम मजदूर ऐसे है जिनको साल में 100 दिन का रोजगार मिल पाता है.

न्यूनतम से भी कम मजदूरी मिलती है मजदूरों को : झारखंड में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) श्रमिकों को एक अप्रैल 2025 से प्रतिदिन 245 रुपये की मजदूरी दी जा रही है. केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मनरेगा के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राज्यवार प्रतिदिन मजदूरी की दर राजपत्र में प्रकाशित कर दी गयी है. मनरेगा के तहत काम करने वाले अकुशल हस्त कर्मकारों के लिए झारखंड के लिए 245 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी तय की गई है. यह मजदूरी राज्य में न्यूनतम मजदूरी से भी कम है.

क्या है राज्य में न्यनतम मजदूरी

श्रम विभाग ने न्यूनतम मजदूरी दर पुनरीक्षित को लेकर जनवरी 2024 में सुझाव मांगे थे. हालांकि, दो महीने के बाद भी किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा कोई आपत्ति या सुझाव नहीं दिया गया. इसके बाद राज्य सरकार ने मजदूरी दर में वृद्धि करने का निर्णय लेते हुए अधिसूचना जारी कर दी.

झारखंड में न्यूनतम दैनिक मजदूरी दर (रुपये में)

क्षेत्र	अकुशल	अर्द्धकुशल	कुशल व लिपिकीय	अति कुशल
ए	468	491	647	746
बी	446	468	617	712
सी	425	446	588	678

पूर्व में लागू दैनिक न्यूनतम मजदूरी दर (रुपये में)

अकुशल	352.38
अर्द्धकुशल	369.17
कुशल	486.64
अति कुशल	562.14

जारी किये गये जॉबकार्डों की कुल संख्या
69.45 लाख

सक्रिय जॉब कार्डों की कुल संख्या
32.09 लाख

सक्रिय श्रमिकों की कुल संख्या
38.63 लाख

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता का गंभीर आरोप, कहा-

झामुमो को ट्रांसफर-पोस्टिंग मोर्चा भी खोल लेना चाहिए

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने आरोप लगाया है कि झामुमो का हाथ जमीन दलालों के साथ है. उन्होंने कहा कि पीएमएलए कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों ने साफ कर दिया है कि झामुमो नेता अंतू तिर्की, सद्दाम हुसैन, अफसर अली समेत तमाम लोगों ने यह स्वीकार लिया है कि हेमंत सोरेन की 8.86 एकड़ जमीन के फर्जी कागजात को उन्हीं लोगों ने तैयार किया था. इन अभियुक्तों ने यह भी स्वीकार किया है कि वे ट्रांसफर-पोस्टिंग और जमीन के फर्जीवाड़ा का बहुत बड़ा रैकेट चलाते हैं.

प्रतुल ने कहा कि झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य और अंतू तिर्की के बीच के व्हाट्सएप चैट से भी बहुत चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं. इस चैट से स्पष्ट है कि अंतू तिर्की खूंटी डीसीएलआर के पद पर कार्यरत प्रवीण मुंडा की पोस्टिंग रांची में जिला लैंड एक्विजिशन अफसर के रूप में करने की सुप्रियो भट्टाचार्य से पैरवी कर रहा था. दस्तावेजों से स्पष्ट है कि कमीशन लेकर अंतू तिर्की अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग कराता था. भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने यह भी कहा कि झामुमो को महिला मोर्चा, युवा मोर्चा के तर्ज पर एक 'ट्रांसफर पोस्टिंग मोर्चा' भी खोल लेना चाहिए.

सीएम स्पष्ट करें, जमीन दलालों का झामुमो और सरकार से क्या रिश्ता है : प्रतुल ने कहा कि जमीन के गोरखधंधे से जुड़े दलाल तक फाइल की जानकारी पहुंचना आश्चर्यजनक है. यह दिखाता है कि या तो सीएमओ में भी इनसे कोई सीएमओ तक पकड़ थी. उन्होंने कहा कि सुप्रियो भट्टाचार्य ने गलत बयानी करके हेमंत सोरेन का कई बार बचाव किया. नवीनतम बचाव तब था, जब हेमंत सोरेन के दिल्ली वाले घर से 36 लाख रुपये बरामद हुए थे. उस समय सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा था कि यह पैसा ईडी ने प्लांट किया है. बाद में हेमंत ने हाईकोर्ट में अपनी याचिका में स्पष्ट किया किया पैसा उन्हें पार्टी फंड से माता-पिता के इलाज के लिए पैसा मिला था. प्रतुल ने कहा कि अब सुप्रियो भट्टाचार्य को गलत बयानियों का दौर छोड़कर सच्चाई बतानी चाहिए. भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से भी जानना चाहा है कि उनकी सरकार, झामुमो, जमीन दलाल और ट्रांसफर-पोस्टिंग के रैकेट में शामिल लोगों के बीच का रिश्ता क्या कहलाता है?

झामुमो का हाथ जमीन दलालों के साथ : प्रतुल

साधा निशाना

- कमीशन लेकर ट्रांसफर-पोस्टिंग कराता था अंतू तिर्की
- हेमंत की 8.86 एकड़ जमीन का फर्जी कागजात बनवाया

दूसरे राज्य पलायन कर रहे झारखंड के छात्र

- 23 साल में सिर्फ दो बार निकली विवि शिक्षकों की वैकेंसी
- वर्ष 2018 से चल रही नियुक्ति प्रक्रिया बीच में ही रोक दी

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड के विश्वविद्यालय अजब-गजब ढर्रे पर चल रहे हैं. यहां अव्यवस्थाओं की दास्तां अंतहीन और समस्याओं की लंबी फेहरिस्त है. भ्रष्टाचार का आलम यह कि खुद राज्यपाल और कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि यहां कुलपतियों की नियुक्ति पैसे लेकर की जाती रही है. राज्य के विश्वविद्यालय में कुलपति, उपकुलपति, रजिस्ट्रार, वित्त पदाधिकारी एवं महाविद्यालय में प्राचार्य इत्यादि के 90% पद रिक्त हैं. वहीं, नॉन टीचिंग कैटेगरी में भी 60 प्रतिशत से ज्यादा पद खाली हैं, जिसके कारण राज्य के छात्र-छात्राएं अन्य राज्यों में पलायन कर रहे हैं.

16 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद भी प्रोन्नति नहीं : राज्य गठन के बाद पिछले 23 सालों में सिर्फ दो बार वर्ष 2008 और 2018 में विश्वविद्यालय शिक्षकों की नियुक्ति के लिए वैकेंसी आई है. लेकिन, सरकारी संवेदनहीनता के कारण वर्ष 2008 बैच के शिक्षकों की प्रोन्नति 16 वर्ष की सेवा पूरा करने के बावजूद नहीं हो पाई है. इसी प्रकार स्टेज चार से पांच में और स्टेज पांच से आगे प्रोन्नति हेतु सैकड़ों मामले जेपीएससी में लंबित हैं.

शिक्षक नियुक्ति से लेकर प्रोन्नति तक सैकड़ों मामले जेपीएससी में लंबित

कुलसचिव और सहायक कुलसचिव के 12 पद खाली

राज्य के छह विश्वविद्यालयों में कुलसचिव और सहायक कुलसचिव के एक दर्जन पद रिक्त हैं. सात विश्वविद्यालयों में वित्त पदाधिकारी के पद भी खाली है. हालांकि इनमें से कई पदों पर नियुक्ति के लिए हाल में विज्ञापन प्रकाशित कर आवेदन मंगाए गये हैं, लेकिन अब तक नियुक्ति नहीं हुई है. वहीं तीन विश्वविद्यालयों प्रोफेसर रैंक के एक भी शिक्षक नहीं हैं.

16 विषयों के शिक्षकों का साक्षात्कार होना बाकी

झारखंड के विश्वविद्यालयों के लिए जेपीएससी द्वारा शिक्षक नियुक्ति प्रकिया वर्ष 2018 में शुरू की गयी थी. लेकिन 18 विषयों के शिक्षकों की नियुक्ति के लिए चल रही साक्षात्कार प्रक्रिया विगत साल दिसंबर माह से रोक दी गयी और लगभग 16 विषयों के शिक्षकों का साक्षात्कार होना बाकी है. आखिर किन कारणों से नियुक्ति प्रक्रिया रोकी गई है, इसको लेकर कोई कुछ कहने को तैयार नहीं है. यह प्रक्रिया पूरी हो जाती, तो राज्य के विश्वविद्यालयों को कुछ और शिक्षक मिलते.

अमन साहू गिरोह के गिरफ्तार दो गुर्गों ने किया अहम खुलासा

नए लोगों को गिरोह में जोड़ रहा अमन साहू

- एटीएस ने अमन साहू गिरोह के नये सदस्यों को किया चिह्नित
- गिरोह के दो गुर्गे रामगढ़ जिले के पतरातू से किये गये गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

जेल में बंद अपराधी अमन साहू अपने गिरोह में नए लोगों को जोड़ रहा हैं. यह खुलासा अमन साहू गिरोह के राजा अंसारी और मलिंदर सिंह ने गिरफ्त में आने के बाद एटीएस के समक्ष किया है. एटीएस मुख्यालय में मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस कर एटीएस एसपी ऋषभ कुमार झा ने बताया कि राजा अंसारी और मलिंदर कुमार को रामगढ़ जिले के पतरातू से गिरफ्तार किया गया हैं. मलिंदर के पास एक रिवाल्वर और 51 कारतूस बरामद किया गया है.

गिरोह के लिए हथियार व कारतूस रखता था मलिंदर : मलिंदर ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि वह अमन साहू गिरोह के द्वारा अपराध में उपयोग होने वाले हथियार और कारतूसों को जमा करता था. जेल में बंद अपराधी चंदन साव और अमन साहू के कहने पर मलिंदर चिह्नित अपराधियों को हथियार देता था और घटना को अंजाम देने के बाद हथियार वापस ले लेता था. वहीं राजा अंसारी अमन साहू के गिरोह का कुख्यात अपराधी है. वह पिछले दिनों ओरमांझी में ठेकेदार पर गोलीबारी से संबंधित कई घटनाओं में शामिल रहा है. उसके द्वारा पूर्व में भी कई घटनाओं को अंजाम दिया गया है.उसके खिलाफ रांची, हजारीबाग और रामगढ़ जिले के अलग-अलग थानों में कुल 11 मामले दर्ज हैं. वह पूर्व में जेल भी जा चुका है.

गैंग के सुनील मीणा की भी जल्द होगी गिरफ्तारी : एटीएस एसपी ऋषभ झा ने बताया कि अमन साहू गिरोह का सुनील सिंह मीणा मलेशिया में छिपा हुआ है. उसे केंद्रीय एजेंसी की मदद से जल्द गिरफ्तार कर दिया जाएगा. बीते दिनों उसके घर पर इश्तेहार चिपकाया गया था और जल्द ही उसके घर की कुर्की भी की जाएगी. एटीएस एसपी ने यह भी बताया कि जहां-जहां सुनील मीणा की संपत्ति है और जिस कारोबार में उसने इन्वेस्ट किया है, एटीएस की टीम सारी जानकारी हासिल कर रही है.

अपराधी अमन साहू गिरोह का सदस्य मलिंदर सिंह गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

पलामू जेल में बंद अपराधी अमन साहू गिरोह के सक्रिय सदस्य मलिंदर सिंह को रांची पुलिस द्वारा गठित एसआईटी की टीम ने सोमवार की रात पतरातू थाना क्षेत्र के किरीगढ़ा स्थित उसके आवास से गिर फ्त ार किया है.

अमन साहू गिरोह पर सबसे ज्यादा कार्रवाई, लेकिन कम नहीं हुआ उत्पात : झारखंड में सात बड़े आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं. इनमें अमन साहू गिरोह के खिलाफ झारखंड पुलिस ने सबसे अधिक कार्रवाई की है. इसके बाद भी इस गिरोह का उत्पात कम नहीं हो रहा है. बीते एक साल की बात करें तो पुलिस ने राज्य के अलग-अलग जिलों से इस आपराधिक गिरोह से जुड़े करीब 30 से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है. इसके बावजूद गिरोह के सदस्य कोल परियोजना में लगे वाहनों में आगजनी, हत्या और कारोबारियों से रंगदारी मांगकर पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं.

गिरोह से जुड़े इन अपराधियों की हाल के दिनों में हुई है गिरफ्तारी

राजा अंसारी, जगत साहू, राहुल दुबे, प्रमोद सिंह, कल्लू, अमजद खान, चंदन साव, बॉबी साव, वारिस अंसारी और सोनू कुमार.

झारखंड के एफएसएल विभाग में डेढ़ साल से निदेशक का पद रिक्त, ढाई साल से बिना एडीजी के ही चल रहा स्पेशल ब्रांच

आपराधिक घटनाओं के साक्ष्य जुटाने वाला विभाग नेतृत्व विहीन

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में आपराधिक घटनाओं के साक्ष्य और सूचनाएं जुटाने वाला विभाग लंबे समय से नेतृत्व विहीन चल रहा है. जिस स्पेशल ब्रांच के पास राज्यभर की खुफिया सूचनाएं जुटाने की जिम्मेवारी है, वो विभाग पिछले ढाई साल से बिना एडीजी के है. दूसरी तरफ आपराधिक समेत अन्य मामलों में साक्ष्य जुटानेवाले झारखंड एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) विभाग में डेढ़ साल से निदेशक का पद खाली है. बता दें कि किसी भी आपराधिक समेत अन्य घटनाक्रमों के अनुसंधान में एफएसएल रिपोर्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. एफएसएल से मिलने वाली वैज्ञानिक तथ्यों वाली रिपोर्ट को झुठलाया नहीं जा सकता है. इसी रिपोर्ट के आधार पर केस मजबूत होता है.

एफएसएल में 150 पद स्वीकृत, 56 रिक्त : एफएसएल के निदेशक का पद फिलहाल रिक्त है. 15 सितंबर 2022 तक पूर्व निदेशक एके बापुली का कार्यकाल था. उनकी कार्यावधि विस्तार के लिए भी फाइल सरकार के पास बढ़ी है, लेकिन अब तक उक्त फाइल पर विचार नहीं हो सका. इसके अलावा एफएसएल में कुल 150 पद स्वीकृत हैं. इनमें 57 सहायक वैज्ञानिक और 37 सहायक निदेशक ही कार्यरत हैं. यानी एफएसएल में अभी भी कुल 35 फीसदी पद खाली हैं.

जेपीएससी ने लौटा दी थी बहाली संबंधित फाइल

एसएफएसएल के निदेशक पद पर सीधी भर्ती से बहाली संबंधित फाइल को जेपीएससी ने 28 सितंबर 2022 को गृह विभाग को वापस कर दिया था. राज्य सरकार ने एफएसएल के निदेशक पद पर सीधी भर्ती से बहाली के लिए जेपीएससी को पत्राचार भी किया था. जेपीएससी ने कुछ बिंदुओं पर आपत्ति जताते हुए गृह विभाग को फाइल वापस कर दी थी. साथ ही तर्क दिया गया था कि इस पद के लिए संबंधित नियमावली में उम्र सीमा व चयन की प्रक्रिया का उल्लेख नहीं है. त्रुटि निराकरण के बाद ही जेपीएससी इस दिशा में आगे बढ़ेगा.

जानें क्या है स्पेशल ब्रांच का काम

स्पेशल ब्रांच, झारखंड पुलिस की आंख और कान मानी जाती है. इसका काम धरना और प्रदर्शन की सही रिपोर्ट जुटाना है. इसके अलावा यह ब्रांच पॉलिटिकल, नक्सल और आपराधिक गतिविधियों पर भी खुफिया नजर रखती है. इतना ही नहीं इसका काम लोकल पुलिस को रणनीति के लिए अलर्ट करने का भी है.

एफएसएल का काम

एफएसएल आपराधिक मामलों की जांच करता है. यह विभाग अपराधों के खुलासों में अहम भूमिका निभाता है. एफएसएल में अपराध के साक्ष्यों की जांच की जाती है. क्राइम बायोलॉजिकल साक्ष्यों को भी परखा जाता है. इसके तहत ब्लड, विसरा और अन्य सैंपल लिये जाते हैं. सेरोजिकल जांच से भी अपराध के सबूत को पुख्ता किया जाता है. इसमें घटनास्थल से जुटाये साक्ष्य जैसे बाल, कपड़े या अन्य चीजों की जांच की जाती है. एफएसएल में अपराध के इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस पर भी काम किया जाता है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | बुधवार 01 मई 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 08 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 23 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

धनबाद से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने नामांकन भरा, रोड शो में जुटे हजारों समर्थक

संवाददाता। धनबाद

धनबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने मंगलवार को नामांकन भरा. समाहरणालय स्थित कार्यालय में जिला निर्वाचन पदाधिकारी माधवी मिश्रा के समक्ष उन्होंने अपना पर्चा दाखिल किया. इस दौरान ढुल्लू महतो के साथ पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, धनबाद के वर्तमान सांसद पीएन सिंह व धनबाद विधायक राज सिन्हा मौजूद रहे.

भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू के नामांकन के बाद भव्य रोड शो का आयोजन किया गया. इसमें हजारों की संख्या में समर्थक हाथों में भाजपा का झंडा लिए नारे लगाते हुए चलते रहे. यह रोड शो मेमको मोड़ से सिटी सेंटर तक किया गया. इस दौरान करीब दो से तीन घंटे यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा. ढुल्लू महतो के हजारों समर्थक भीषण गर्मी में पैदल चल कर सिटी सेंटर पहुंचे थे, जिसके बाद गोल्फ ग्राउंड में आयोजित जनसभा में शामिल हो गए. जय श्रीराम, भाजपा जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, ढुल्लू महतो जिंदाबाद के नारों से पूरा इलाका गूंज रहा था. रोड शो में ज्यादातर बाघमारा और कतरास क्षेत्र में समर्थक थे.

धनबाद से खत्म होगी गुंडागर्दी: बाबूलाल

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनेगी, तो धनबाद से गुंडागर्दी पूरी तरह खत्म कर दी जाएगी. झामुमो की सरकार में धनबाद के लोगों की हत्या हो रही है. रंगदारी के लिए धमकी भरे फोन आ रहे हैं. मरांडी ने आम लोगों से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के पक्ष में वोट देकर 2019 के रिकॉर्ड को तोड़ने की अपील की. उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में देश और राज्य का विकास होता है, जबकि 'इंडिया' गठबंधन की सरकार में उनके नेताओं का विकास होता है.

गठबंधन में बिना दूल्हा के नाच रहे बाराती: सुदेश

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि गठबंधन में बिना दूल्हा के ही बराती नाच रहे हैं. 'इंडिया' गठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि गठबंधन में कोई भी प्रधानमंत्री का चेहरा नहीं है. जिस प्रधानमंत्री पर जनता ने पिछले 10 वर्षों से विश्वास जताया है, उसी को फिर चुनना है. सुदेश ने ढुल्लू महतो के पक्ष में वोट देने की अपील करते हुए कहा कि जिस तरह साधारण तरीके से मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं, उसी तरह ढुल्लू महतो भी साधारण तरीके से धनबाद का नेतृत्व करेंगे. उन्होंने अपील की कि धनबाद में पुन: रिकॉर्ड तोड़ना है.

मोदी को 13 फूल व एक फल अर्पित करें: भजनलाल

▪ भाजपा की जनसभा में राजस्थान के सीएम ने ढुल्लू महतो के पक्ष में की वोट देने की अपील

धनबाद। लोकसभा चुनाव में झारखंड से नरेंद्र मोदी को 13 फूल और एक फल अर्पित करें. यह आह्वान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में आयोजित भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के नामांकन सभा में किया. बतौर मुख्यमंत्री जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा 13 सीट पर और सहयोगी आजसू पार्टी एक सीट पर जीत दर्ज करेगी.उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से देश में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है. 2014 से पहले अखबार में पहली खबर भ्रष्टाचार की और दूसरी खबर आतंकवाद की रहती थी. वहीं 2014 के बाद से अखबारों में विकास की खबरें रहती हैं. पिछले 10 वर्षों में रेलवे में ऐतिहासिक विकास हुआ है. देश में अस्पताल और कॉलेजों की संख्या पांच गुनी हो गई है. नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की इज्जत का ध्यान रखते हुए घर-घर शौचालय बनवा दिया. चूल्हे के धुएं से निजात दिलाने के लिए मुफ्त गैस सिलेंडर दिया. दुनिया भर में भारत का गौरव बढ़ा है. भजन लाल ने कहा कि इस भीषण गर्मी में भी धनबाद के लोगों का जोश और उत्साह देख कर विश्वास हो गया कि झारखंड में सभी 14 सीटों पर एनडीए की जीत होगी. उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि कमल का बटन दबा कर ढुल्लू महतो को जीत दिलाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करें.जनसभा में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, धनबाद सांसद पीएन सिंह, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, बोकारो विधायक विरंची नारायण, धनबाद विधायक राज सिन्हा, निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, गुमला विधायक लंबोदर महतो आदि मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

गांडेय में घर-घर कैंपेन कर रहीं कल्पना सोरेन

रांची। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी कल्पना मुर्मू सोरेन गांडेय में कैंप कर रही हैं. कल्पना सोरेन सुबह से लेकर देर शाम तक घर-घर, मुहल्ला-मुहल्ला कैंपेन करने में जुट गयी हैं. वोटरों से मिल रही हैं. इस दौरान वो वोटरों और समर्थकों से बात कर रही हैं और हेमंत सोरेन को कैसे साजिश के तहत जेल भेजा गया, उन्होंने चार साल में क्या-क्या योजनाएं चलायीं, उसकी विस्तृत जानकारी दे रही हैं. उन्होंने कहा कि गांडेय विधानसभा को प्रगति की ओर ले जाना है.

खनन टीम ने हार्डकोर भट्ठा में की छापेमारी

कतरास। थाना क्षेत्र के लिलोरी मंदिर के समीप संचालित मोडर्न कोक कॉरपोरेशन इंटरप्राइजेज (हार्डकोर भट्ठा) में कोयले की स्टॉक व हेराफेरी को लेकर मंगलवार को जिला खनन विभाग की टीम ने दबिश दी. जिला खनन पदाधिकारी मिहिर सलकर सहित अन्य अधिकारियों ने घंटों भट्ठा परिसर में कोयले के स्टॉक सहित अन्य कागजातों की जांच पड़ताल की. साथ ही टीम ने कई कागजात अपने साथ ले गई. छापेमारी में शामिल बाघमारा सीओ रवि भूषण प्रसाद ने बताया कि स्टॉक सहित अन्य कागजातों का मिलान किया गया है.

दुमका में लू लगने से दो लोगों की मौत

दुमका। गर्मी का कहर जारी है. तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. इस बीच दुमका में बस स्टैंड के पास लू लगने से दो लोगों की मौत हो गई है. हालांकि, मौत के कारणों की पुष्टि नहीं हुई है. दोनों के शवों को देखने के बाद पुलिस को सूचना दी गई है. फिलहाल उनकी पहचान करने में पुलिस जुटी है. बता दें कि स्वास्थ्य विभाग ने हीट वेव को लेकर अलर्ट जारी किया है. एडवाइजरी भी जारी की गई है, जिसमें दिन के 11 बजे से शाम चार बजे तक लोगों से घरों में रहने की अपील की गई है.

शोषित मजबूर बिना दिहाड़ी भुगतान के ही आज मनाएंगे मजदूर दिवस का उत्सव

शोषण के कुरुक्षेत्र में खदानों के अभिमन्यु

पाताल का सीना चीर देश को उर्जा देने वाले श्रमिकों की दुर्दशा

स्थायी और असंगठित मजदूर, दोनों का किया जाता है शोषण

रणजीत कुमार सिंह। धनबाद

कोयला राजधानी धनबाद, जहां से पूरे देश को उर्जा मिलती है. ये उर्जा धरती के कोख को चीर कर पाताल की सुरंगों से कोयले के रूप में निकाली जाती है. जान जोखिम में डाल कर खदानों में उतरने वाले मजदूर हर साल की तरह इस बार भी मई दिवस का उत्सव मनाएंगे. बीसीसीएल कर्मियों की छुट्टी रहेगी, तो असंगठित मजदूरों को उत्सव का जश्न मनाने की कीमत अपने एक दिन की दिहाड़ी से महरूम होकर चुकानी होगी. आइये जानते हैं मजदूर दिवस पर धन से आबाद... धनबाद में शोषण के कुरुक्षेत्र में फंसे खदानों के अभिमन्यु के उत्सव कैसा होता है?

कोयला क्षेत्र होने के कारण धनबाद में सबसे अधिक कोयला मजदूर हैं, जो बीसीसीएल, सीसीएल, सेल, टिस्को जैसी बड़ी कंपनियों के अलावा आउट सोर्सिंग कंपनियों में भी काम करते हैं. कुछ मजदूर इन कंपनियों में स्थायी हैं तो अधिकांश असंगठित मजदूर हैं, जो दिहाड़ी पर काम करते हैं. इन्हें सप्ताह में या फिर प्रतिदिन भुगतान किया जाता है. वैसे तो इन दोनों कैटेगरी के मजदूर शोषित श्रेणी में हैं, लेकिन अस्थायी और असंगठितों के ऊपर होने वाले शोषण की तो कोई सीमा ही नहीं है. जो मालिक जितना ज्यादा मजबूत होगा, उसके मजदूरों का उतना अधिक शोषण होना भी तय माना जाता है.

5, 810342 असंगठित मजदूर ई-श्रम पोर्टल में पंजीकृत हैं.

1,39196 मजदूर असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा योजना में पंजीकृत हैं.

109631 मजदूर भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत हैं.

स्वास्थ्य का हाल
... तो फिर भगवान ही इन मजदूरों के मालिक

कोलियरियों के राष्ट्रीकरण से पहले ही कोयला मजदूरों को खान मालिकों द्वारा गुड़ उपलब्ध कराया जाता था. वजह थी कि खदान में काम करनेवाले मजदूर इसे खाएं और सांस और पेट संबंधी गंभीर बीमारियों से बच सकें. गुड़ देने की प्रथा तो राष्ट्रीयकरण के बाद भी चली, लेकिन अब बंद हो चुकी है. बात यहां प्रथा की नहीं, बल्कि सोच की है. खदान मरीजों के लिए अब संबंधित कंपनी अस्पताल खोल कर रखे हुए हैं. जैसे टाटा कंपनी का जामाडोबा में अस्पताल है, बीसीसीएल का केंद्रीय अस्पताल आदि. लेकिन अब ये अस्पताल रेफर सेंटर से अधिक कुछ नहीं हैं. ऐसा नहीं है कि यहां मरीज नहीं आते.

हर दिन इन अस्पतालों में सैकड़ों मरीज पहुंचते हैं, लेकिन इलाज की सुविधा का स्तर बेहतर नहीं है. यहां इलाज कराने का सीधा मतलब मुफ्त में इलाज और दवाइयों की कीमत का भी भुगतान पाना होता है. बता दें कि धनबाद केंद्रीय अस्पताल में न्यूरोलॉजी और हार्ट से संबंधित बीमारियों के डाक्टर सालों से नहीं हैं. इतनी गंभीर बीमारियों के समुचित जांच तक की व्यवस्था नहीं है. प्राथमिक उपचार के बाद यदि जान बच गई और आपके पास बेहतर सेटिंग है, तो हाइयर सेंटर भेजे जाएंगे, नहीं तो फिर भगवान ही मालिक. टिस्को के अस्पताल में भी बेहतर डाक्टरों की कमी पुरानी बात हो गई है. अब ये भी जान लें कि किसी भी अस्थायी मजदूरों के लिए इन अस्पतालों में इलाज की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है. उन्हें निजी तौर पर इलाज करवाना होता है, जो इनकी कमाई से मुमकिन ही नहीं है.

भुगतान का हाल
मजदूरों की मेहनत से नेताओं की जेब गर्म

स्थायी कोल मजदूरों का भुगतान तो बेहतर है, लेकिन अस्थायी मजदूरों की कमाई, उनकी मेहनत के अनुसार बिलकुल नहीं है. यहां इनके भुगतान पर छुटभैया नेताओं से लेकर बड़े-बड़े जनप्रतिनिधियों की भी जेब गर्म होती है. अस्थायी मजदूरों के भुगतान संबंधित इकरारनामा में रकम कुछ और होती है और भुगतान 40 से 50 प्रतिशत तक काट कर किया जाता है. खासकर आउटसोर्सिंग कंपनियों में काम करनेवाले मजदूरों का इसी प्रकार शोषण किया जाता है. शिकायत या आवाज उठाने पर इन्हें काम से निकाल दिया जाता है. इनका काम स्थायी मजदूरों से कहीं ज्यादा और खतरनाक होता है. दुर्घटना में मौत होने पर कुछ हजार या लाख रुपये तक मुआवजा देकर कंपनी पीछा छुड़ा लेती है.

पानी, बिजली, शिक्षा का हाल
बड़ा सा शून्य के अलावा कुछ नहीं दिखता

पानी, बिजली और शिक्षा जैसी मूलभुत सुविधाओं का जायजा लिया जाये, तो यकीनन यहां भी मायूसी ही हाथ लगेगी. क्योंकि इनके बच्चों की शिक्षा का पूरा दारोमदार सरकारी व्यवस्था पर ही टिका हुआ है. किसी भी कंपनी या संस्थान के द्वारा इनके बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए कोई योजना नहीं है. हां बीसीसीएल की जमीन पर बनी कुछ प्राइवेट स्कूलों में फीस कम ली जाती है, लेकिन यहां एडमिशन कराने के लिए बीसीसीएल के बड़े अधिकारियों की पैरवी करानी पड़ती है. बिजली-पानी का साधन स्थायी मजदूरों के लिए कामचलाऊ स्तर तक ठीक है, लेकिन असंगठित मजदूरों की बात हो, तो फिर यहां बड़े से शून्य के अलावा कुछ नहीं दिखता.

असंगठित मजदूरों की जारी योजनाएं

योजना का नाम मिलने वाले लाभ

1. झारखंड असंगठित कर्मकार मृत्यु या दुर्घटना सहायता योजना 50 हजार से एक लाख तक का लाभ **2.** मातृत्व प्रसुविधा लाभ 15000 रुपए एकमुश्त **3.** अंत्येष्टि सहायता योजना 15000 से 25000 तक **4.** कौशल उन्नयन योजना कर्मकार या उसके बच्चों को लाभ

असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा योजना के लाभुक

(अप्रैल 2024 तक)

योजना	लाभुकों की संख्या	राशि (रुपये में)
औजार सहायता योजना	551	27,55,000
साइकिल सहायता योजना	425	29,75,000
मृत्यु या दुर्घटना सहायता योजना	49	2,49,000
प्रवासी मजदूर मृत्यु-दुर्घटना योजना	01	1,50,000
प्रवासी मजदूर शव लाना योजना	07	3,50,000
प्रसूति प्रसुविधा योजना		1305000
मृत्यु या दुर्घटना सहायता योजना		2450000

कोलियरी व आउट सोर्सिंग स्थलों पर होंगे कार्यक्रम

मजदूर दिवस को लेकर सभी कोलियरी व आउटसोर्सिंग स्थलों पर कार्यक्रम होंगे. रैलियां निकाली जाएंगी, सभाओं का आयोजन होगा और मजदूर नेताओं के लंबे चौड़े भाषण भी सुनने को मिलेंगे. लेकिन मजदूरों की हालत में सुधार पहले की तरह आगे भी नहीं ही होगा. क्योंकि, इनमें से अधिकांश नेताओं को कोलियरी व आउटसोर्सिंग स्थलों से होनी वाली कमाई से मतलब है, जिसे इन मजदूरों के कंधे पर बंदूक रख कर अर्जित की जाती है.

बिचौलियों के पास जाने की जरूरत नहीं : श्रमायुक्त

धनबाद जिला के सहायक श्रमायुक्त रंजीत कुमार ने मजदूर दिवस पर सभी मजदूरों को बधाई दी और कहा कि भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा मजदूरों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं. सरकार ने सभी मजदूर भाई-बहनों के लिए सारी प्रक्रिया ऑनलाइन कर एक अच्छी पहल की है. अब बिचौलियों के पास जाने की जरूरत नहीं है. डीबीटी के माध्यम से लाभुकों को सीधा भुगतान होगा.

मजदूरों की जुबानी

आज भी बंधुआ मजदूर जैसे हालत : गिरजा

धनसार लोडिंग प्वाइंट में कार्यरत गिरजा चौहान ने कहा कि असंगठित मजदूरों की मजबूरी सिर्फ असंगठित मजदूर ही समझ सकते हैं. इनकी मेहनत और मजदूरी की सही जानकारी सिर्फ उन्हें ही होती है. 12 घंटे से अधिक काम कराया जाता है, लेकिन पैसे आठ घंटे के काम के हिसाब से भी नहीं दिए जाते हैं. आज भी हमारे हालत बंधुआ मजदूर जैसे ही हैं.

हम मजदूरों का कोई भविष्य नहीं : गणेश

गणेश ठाकुर ने कहा कि शहर में प्रतिदिन रोजगार नहीं मिलता है. इस कारण कम पैसे में ही कोयला उठाने आते हैं. हमारा कोई भविष्य नहीं है, सिर्फ गर्मी, बरसात और ठंड में कड़ी मेहनत करना है और फिर एक दिन दुनिया से विदा हो जाना है. बस इस सफर में लोकलुभाने वादों को भी सुनते रहना है. लेकिन इनके सच होने की कल्पना भी मुखर्ता लगने लगी है.

बिना बिचौलिये के नहीं पहुंचती हैं योजनाएं: परवेज

श्रमिक नगरी धनबाद की पहचान के लिए स्टेशन चौक पर खदान मजदूर की एक बड़ी सी प्रतिमा लगाई गई है. यहां का नाम ही श्रमिक चौक पड़ चुका है. हर साल मजदूर दिवस पर इस प्रतिमा के समक्ष कई कार्यक्रम होते हैं. इसी प्रतिमा की साफ सफाई में जुटे मजदूरों में से एक मो. परवेज ने कहा कि मजदूर की मजबूरी कोई समझ नहीं पाता है. सरकार की कुछ योजनाएं हैं भी तो वह बिना बिचौलियों के मजदूरों तक नहीं पहुंचती हैं.

हौंसले की उड़ान | जैक बोर्ड की इंटरमीडिएट आर्ट्स परीक्षा में मैथन की लवली ने लहराया परचम

लिट्टी-चोखा बेचनेवाले की बेटी बनी झारखंड की फोर्थ टॉपर

संवाददाता। मैथन

बीएसके कॉलेज, मैथन की छात्रा लवली कुमारी ने जैक बोर्ड की इंटरमीडिएट (12वीं) कला संकाय की परीक्षा में 423 अंक लाकर पूरे झारखंड में चौथा स्थान हासिल किया है. लवली की इस उपलब्धि पर परिवार के साथ-साथ पूरे मैथन के लोग काफी खुश हैं. एक साधारण परिवार में जन्मी लवली कुमारी के पिता मैथन स्थित संजय चौक पर लिट्टी-चोखा व चाय दुकान की दुकान चलाते हैं.

इंटरमीडिएट परीक्षा में बेटी के झारखंड में चौथा स्थान पाने पर पिता जितेन्द्र कुमार झा व माता गीता देवी समेत पूरा परिवार खुशी से फूले नहीं समा रहा है. लवली ने बताया कि कड़ी मेहनत व लगन की बदौलत उसने यह मुकाम हासिल किया है. इसमें माता-पिता व गुरुजनों का पूरा सहयोग रहा है. लवली ने बताया कि वह आगे पढ़ाई कर अच्छे पद पर सरकारी नौकरी करना चाहती है. उसने यह भी बताया कि वह पढ़ाई के साथ-साथ घरेलू कामों में भी मां का हाथ बंटाती थी. घर की माली हालत ठीक नहीं है. विषम परिस्थितियों में भी वह कभी निराश-हताश नहीं हुई. माता-पिता व भाई सभी ने हमेशा प्रोत्साहित किया. लवली ने 10वीं की पढ़ाई डीवीसी प्लस टू हाई स्कूल, मैथन से किया है. वर्ष 2022 में 10वीं की परीक्षा में वह स्कूल टॉपर रही थी.

423 अंक लाकर पूरे झारखंड में चौथा स्थान हासिल किया है.

इंटर साइंस में खुशबू को जिले में तीसरा स्थान

पुटकी। शहीद शक्तिनाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज की छात्रा खुशबू कुमारी ने इंटर साइंस की परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक लाकर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया है. खुशबू बचपन से धोबनी, मुनिडीह स्थित अपने मामा के घर में रहती है और मूलरूप से मानतांड, तोपचांची की निवासी है. पिता की खैनी, पत्तल की दुकान है. वहीं धोबनी में मामा मनोज महतो की चाय दुकान है. कभी-कभी खुशबू भी मामा का हाथ बंटाती है. उसे अंग्रेजी में 91, फिजिक्स में 83, केमेस्ट्री में 96, मैथ में 99 व जिओलॉजी में 91 अंक मिले हैं..

इंटर कामर्स में परिणीति बनी जिला की थर्ड टॉपर

पुटकी। शहीद शक्तिनाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज के परसिया, पुटकी की परिणीति कुमारी ने इंटर कॉमर्स परीक्षा में 91.2 प्रतिशत अंक के साथ जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया है. उसे इंग्लिश में 90, अकाउंट में 91, बीएसटी में 94, इकोनॉमिक्स में 83 व ईटीपी में 98 अंक मिले हैं. परिणति ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण इंटर कॉलेज में एडमिशन लिया. निजी कंपनी के बंद होने से नौकरी चली गयी, तो पिता ने चिरुडीह में छोटी सी दुकान खोली. परिणीति ने आगे बैकिंग क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा जताई है.

विद्युत वरण महतो ने भरा नामांकन

दो केंद्रीय मंत्रियों के साथ नामांकन करने पहुंचे थे महतो

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो ने मंगलवार को अपना नामांकन दाखिल किया. इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस समेत कई समर्थक मौजूद रहे. नामांकन से पूर्व विद्युत वरण महतो ने बोधि मंदिर मैदान में एक जनसभा की. यहां से पैदल चलकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और नामांकन भरा.

इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए विद्युत वरण महतो ने कहा कि पिछली बार जनता ने उनपर भरोसा करते हुए तीन लाख से ज्यादा मतों से विजयी बनाया था. अब इस बार जनता उन्हें पांच लाख से ज्यादा मत देकर जीत दिलाएगी. इसके साथ ही जमशेदपुर लोकसभा सीट से तीसरी बार उन्हें विजयी बना कर रिकॉर्ड बनाएगी.

विद्युत वरण महतो की जीत तय: गजेंद्र सिंह शेखावत

विद्युत वरण महतो के नामांकन के बाद केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जिस तरह से पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर है उससे यह साफ है कि विद्युत वरण महतो की जीत तय है. जितना यह निश्चित है कि कल का सूर्य पूर्व से उदय होगा, उतना ही यह तय है कि विद्युत वरण महतो जमशेदपुर से चुनाव जीत रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

बच्चों ने रिजल्ट लिया, ठंडा पीया और फिर हो गयी छुट्टी

मेदिनीनगर। सदर मेदिनीनगर प्रखंड अंतर्गत रजवाडीह मध्य विद्यालय के कक्षा-छह व सात के विद्यार्थियों का वार्षिक परिणाम घोषित किया गया. बच्चों को रिपोर्ट कार्ड देने के बाद भोजन के उपरांत विद्यालय के प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी, शिक्षिका श्रीमती प्रियंका कुमारी, पूनम रानी, प्रधान सहायक रामलखन राम, जनसेवक अजित कुमार, शिक्षक अमरेन्द्र पाठक व अशोक सिंह के साथ ठंडा का आनंद लिया. इसके बाद भीषण गर्मी के मद्देनजर विभागीय आदेश के आलोक में अगले आदेश तक के लिए बच्चों को छुट्टी दे दी गयी. प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी ने उन्हें छुट्टी में पढ़ाई जारी रखने, गर्मी से बचने, साफ पानी पीने व ताजा भोजन करने की हिदायत दी.

अंडर-16 अंतर जिला क्रिकेट लीग का फाइनल मैच आज

लातेहार। लातेहार जिला क्रिकेट संघ द्वारा जिला स्टेडियम में

आयोजित अंडर-16 अंतर जिला क्रिकेट लीग का फाइनल मैच एक मई को धनबाद व देवघर के बीच खेला जायेगा. इस आशय की जानकारी लातेहार जिला क्रिकेट संघ के सचिव अमलेश कुमार सिंह ने दी. उन्होने बताया कि फाइनल मैच सुबह साढ़े सात बजे से खेला जायेगा. जबकि पुरस्कार वितरण दोपहर दो बजे किया जायेगा.

सहायक अध्यापक बिजय सिंह की सड़क हादसे में मौत

नावाबाजार/पलामू। नावाबाजार प्रखंड के रबदा पंचायत स्थित नेनुआ प्राथमिक विद्यालय में पदस्थापित सहायक अध्यापक बिजय सिंह की सोमवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मंगलवार को शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया. उनका दाह संस्कार नेनुआ गांव स्थित श्मशान घाट पर किया गया. जहां बड़े पुत्र ने मुखाग्नि दी. जानकारी के अनुसार सहायक अध्यापक बिजय सिंह अपने किसी कार्य से छत्तीसगढ़ गए थे. जहां से लौटने के क्रम में दुर्घटना के शिकार हो गए.

साले ने बहनोई को मारकर किया घायल

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के जिरहूला गांव में बीती रात्रि आपसी विवाद में हुए मारपीट में साला ने अपने बहनोई को मारपीट कर घायल कर दिया. जिसे घायलावस्था में भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया है. इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपी साला मेराल के बंका निवासी कामेश्वर मेहता के पुत्र रवि शंकर मेहता पर प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. घटना के संबंध में घायल जीतन मेहता ने बताया कि रात्रि में घर पर खाना खा रहा था.

अपराधियों ने व्यवसायी को मारी गोली , रेफर

मेदिनीनगर। छतरपुर बाजार में थाना से कुछ ही दूरी पर खाटिन रोड के पास अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने संतोष साव को कल शाम गोली मार कर जख्मी कर दिया. घटना के वक्त खैनी कारोबारी संतोष साव दुकान बंद कर अपने घर जा रहे थे. उन्हजं गंभीर हालत में छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें एमएमसीएच रेफर कर दिया. संतोष साव को दो गोली लगी है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है. चिकित्सकों ने उन्हें यहां से रांची रेफर कर दिया. फिलहाल संतोष साहू का इलाज रांची के मेडिका अस्पताल में चल रहा है.

जैक ने जारी किया इंटरमीडियट का रिजल्ट, बच्चों के चेहरे खिले, दिनभर लगा रहा बधाई का दौर

लातेहार ने वाणिज्य में प्रथम व विज्ञान में दूसरा स्थान हासिल किया

आशीष टैगोर। लातेहार

झारखंड अधिविध परिषद (जैक) ने इंटरमीडियट के कला, वाणिज्य व विज्ञान संकाय का परीक्षाफल 30 अप्रैल को जारी कर दिया है. जारी परीक्षाफल में लातेहार जिला ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है. उर्तीण छात्रों की संख्या में पूरे स्टेट में वाणिज्य में पहला (98.38%), विज्ञान में दूसरा (89.40%) और कला संकाय में छठा (95.70%) स्थान प्राप्त किया है. जिला शिक्षा पदाधिकारी, लातेहार के कार्यालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष इंटर वाणिज्य की परीक्षा में जिले के 248 छात्रों ने परीक्षा दी थी. इसमें 173 छात्रों ने प्रथम श्रेणी, 70 ने द्वितीय श्रेणी व एक ने तृतीय श्रेणी से परीक्षा उर्तीण की. जबकि विज्ञान

कला में निशी रानी ने किया टॉप

कला संकाय में राजकीय बालिका उच्च विद्यालय, लातेहार की निशी रानी ने सर्वाधिक 87.40% अंक लाकर जिला टॉप की है. जबकि

राजकीयकृत उच्च बालक विद्यालय लातेहार राजीव रंजन और राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय बरवाडीह की फातिमा खातून ने 86.40 प्रतिशत अंक ला कर दूसरा तथा राजकीय इंटर कॉलेज बालूमाथ की चिंकी कुमारी 85.60 प्रतिशत अंक ला कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है. राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय लातेहार के कोल कुमारी, मनतोष उरांव, सोनू लाल उरांव, अमित उरांव, आयुष चौधरी, राजकीय इंटर कॉलेज बालूमाथ के ऋषि कुमारी, राजकीय उच्च विद्यालय बरवाडीह की राजनंदनी कुमारी, राजकीय इंटर कॉलेज बालूमाथ की सानिया परवीन, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बालूमाथ की सुषमा कुमारी, गर्ल्स हाई स्कूल लातेहार की अराधना कुमारी और प्लस टू स्कूल की शुभा प्रिया ने क्रमशः चौथा से दसवां स्थान प्राप्त किया है.

नीतेश ने विज्ञान में जिला टॉप किया

राजकीय इंटर कॉलेज, बालूमाथ के नीतेश कुमार ने सर्वाधिक 87.60 प्रतिशत अंक लाकर जिला टॉप हुए हैं. जबकि राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय बरवाडीह के हर्ष कश्यप ने 87.40 प्रतिशत अंक ला कर दूसरा और राजकीय इंटर कॉलेज, बालूमाथ के राजेश कुमार राजू ने 86.60 प्रतिशत अंक लाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया है. जबकि संत जोसेफ प्लस टू विद्यालय महुआडांड़ के प्रिंस कुमार, राजकीय इंटर कॉलेज बालुमाथ के आदर्श कुमार सिंह, वैभव कुमार, मो फरीद हुसैन, एसओई लातेहार के विशाल कुमार, प्लस टू उच्च विद्यालय बरवाडीह के आलोक जायसवाल, उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुमंडीह के तरंग भारती व संत जोसेफ उच्च विद्यालय महुआडांड़ के आशीष गुप्ता ने क्रमशः चौथे से दसवां स्थान प्राप्त किया है.

वाणिज्य में लौकेश उरांव ने टॉप किया

वाणिज्य संकाय में संत जोसेफ प्लस टू उच्च विद्यालय महुआडांड़ के लोकेश उरांव ने 85.20 प्रतिशत व कृपा कुमार कुशवाहा ने 84.80 प्रतिशत अंक ला कर क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया .जबकि राजकीय इंटर कॉलेज बालूमाथ के पलक कुमारी, बरखा कुमारी व नमिता कुमारी ने क्रमशः दूसरा से चौथा, प्लस टू उच्च विद्यालय चंदवा की गौशिया नजर, इंटर कॉलेज बरवाडीह की मोहिनी सौम्या, इंटर कॉलेज बालूमाथ का समशेर अंसारी, संत तेरेसा बालिका विद्यालय महुआडांड़ के एनाउल कंडुलना, संत जोसेफ महुआडांड का मनीष कुमार व एसओई लातेहार के पलक कुमारी ने क्रमशः पांचवा से दसवां स्थान प्राप्त किया.

मजदूर दिवस पर खासः आज भी मजदूरों को उनका वह हक व अधिकार नहीं मिला

सरकार की गलत नीतियों के कारण मजदूरों के हालात खराबः जेम्स हेरेंज

शुभम संदेश
मजदूर दिवस

आशीष टैगोर। लातेहार

एक मई को पूरे विश्व में मजदूर दिवस (लेबर डे) मनाया जाता है. इस दिन सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के द्वारा कार्यक्रम किये जाते हैं. मजदूरों को उनका हक व अधिकार दिलाने की बातें की जाती है. मजदूर संगठन रैली व सभाएं करती हैं. लेकिन हकीकत यह है कि आज भी मजदूरों को उनका वह हक व अधिकार नहीं मिला है जिसका वे असल में हकदार हैं. सरकारी योजनाओं तक में उन्हें निर्धारित न्यूनतम मजदूरी नहीं मिल पाती है. कई-कई महीनों तक मजदूरों का मजदूरी भुगतान नहीं होता है. आज मजदूरों के क्या हालात हैं, इस पर शुभम संदेश ने मनरेगा सहायता केंद्र, मनिका के जेम्स हेरेंज से बात की.

शुभम संदेश ने मनरेगा सहायता केंद्र, मनिका के जेम्स हेरेंज से बात की.

सवाल- आज मजदूरों के क्या हालात हैं

जवाब- आज सरकार की गलत नीतियों के कारण ही

मजदूरों की हालात खराब है. खास कर मनरेगा मजदूरों की. आम बजट में मनरेगा के लिए कम बजट रखा जाता है. बजट कम रहने से मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिल पाता है. गत वर्ष अक्टूबर से पहले ही बजट कम हो गया था. इस वर्ष मार्च से भुगतान होना शुरू हुआ है. तीन-चार महीने तक मजदूरी का भुगतान नहीं होने से मजदूर कैसे जिंदा रहेगा.

सवाल- विगत दो साल झारखंड में सुखाड़ पड़ा, इसका कितना असर मजदूरों पर हुआ.

जवाब- लगातार दो वर्षों तक सुखाड़ पड़ने से हालात और खराब हुए हैं. झारखंड के कुछ जिलों को छोड़ कर शेष मे सुखाड़ की स्थिति थी. सुखाड़ में सरकार की जिम्मेवारी बनती है कि वह राहत कार्य चलाये. सुखाड़ के दौरान पहले नरेगा के तहत मजदूरों को 50 दिनों का अतिरिक्त काम मिलता था. लेकिन सरकार की ओर से इसकी कोई घोषणा नहीं की गयी.

सवाल- गांवों से लोग पलायन कर गये हैं, इसका चुनावों पर क्या असर पड़ेगा.

जवाब- सुखाड़ की स्थिति होने के कारण आज गांवों में कृषि कार्य ठप है. ऐसे मे जीवन यापन के लिए लोग अन्यत्र पलायन कर गये हैं. युवा व उम्रदराज अपने बीबी बच्चों को छोड़ कर पलायन कर गये हैं. गांवों लगभग 80 से 90 प्रतिशत लोग पलायन कर गये हैं. हालात यहां तक है कि अगर किसी का गांव में देहांत हो जाता है तो उसे कंधा देने वाला तक कोई नहीं है. आसन्न आम चुनावों में भी इसका असर देखा जायेगा. वोटिंग प्रतिशत कम होगा.

सवाल- अन्य मजदूरों की क्या स्थिति है

जवाब- अन्य मजदूरों के भी हालात खराब है. ऐसे मजदूरों के लिए कोई सामाजिक सुरक्षा की गारंटी नहीं है. अगर वे बीमार पड़ जाते हैं तो सरकार के पास उनके लिए कोई योजना नहीं है. वे अपनी बीमारी का इलाज जमीन व मवेशी बेच कर करते हैं. एक कर्जा चुकाने के लिए दूसरा कर्जा लेते हैं. कुल मिला कर हमेशा कर्ज में ही डूबे रहते हैं.

दहेज हत्या आरोपी पति को 10 वर्ष का सश्रम कारावास

मेदिनीनगर। पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के एडीजे-5 अभिमन्यु कुमार की अदालत ने दहेज हत्या के आरोपी पति तसलीम अंसारी को 10 बर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इस मामले में सूचिका सतबरवा थाना के झाबर गांव निवासी शहीदा बीबी ने मृतका के पति, ससुर,सास,गोतनी व भसुर के विरुद्ध लेस्लीगंज थाना में 17 जून 2021 को कांड संख्या 49 / 2021 आईपीसी की धारा 304 बी /34 के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी. इसमें आरोप लगाया था कि मैं अपनी पुत्री नाजिया खातून की शादी पांच बर्ष पूर्व तस्लीम अंसारी के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार की थी.

बरातियों के साथ किया मारपीट , मामला दर्ज

हुसैनाबाद/पलामू। मोहम्मदगंज थाना अंतर्गत बरडंडा पंचायत के नवकाटोला गांव के हंसराज रजवार की बेटी की शादी होना था. बरात पहुंची तो परिजनों ने बरातियों को नास्ता पानी देने लगे. इसी बीच बगल गांव पांती के कुछ असामाजिक तत्व शराब के नशे में धुत होकर बराती के साथ मारपीट करने लगे. जहां उपस्थित सभी बराती रात में ही अपना जान बचाकर भाग गए. असामाजिक तत्वों ने लड़की को शादी में देने के लिए लाए बक्शा सहित सभी सामान को बर्बाद कर दिया.सभी घायलों का इलाज हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल में किया गया. इस संबंध में लड़की के पिता हंसराज रजवार द्वारा मोहम्मद गंज थाना को सूचना दी है.

न्यूज अपडेट

डीसी ने जिला स्तरीय तकनीकी समिति के कार्यों की समीक्षा की

लातेहार। उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में कृषि, पशुपालन, गव्य एवं मत्स्य विभाग की गतिविधियों के लिए स्केल ऑफ फिनांनस निर्धारण हेतु जिला स्तरीय तकनीकी समिति की एक बैठक आयोजित की गयी. बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश सिंह के द्वारा जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र, बालूमाथ के द्वारा तैयार किये गये स्केल ऑफ फिनांनस से समिति के सभी सदस्यों को अवगत कराया गया.

400 ग्राम अफीम के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

मेदिनीनगर। पिपराटांड थाना पुलिस ने 400 ग्राम अफीम व दो किलो केमिकल (जिसका प्रयोग तरल अफीम को ठोस अफीम बनाने में किया जाता हैं) के साथ तितलंगी गांव निवासी झाबर यादव (45) पिता संघर यादव को गिरफ्तार किया है. लेस्लीगंज(पांकी) एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि झाबर यादव अपने घर में अफीम छिपाकर रखा है. छापामारी के क्रम में टीम ने झाबर यादव के मकान के अंतिम तीसरा कमरा के कोने में एक कला प्लास्टिक में तथा दो सफेद पारदर्शी प्लास्टिक में मैरुन रंग का गीला ठोस अवस्था में पदार्थ मिला जो कपड़े से ढंक कर छुपाया गया था.

महिलाओं के दम पर 400 का आंकड़ा होगा पार : लवली

पांकी/पलामू। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य लवली गुप्ता ने पांकी विधानसभा सहित चतरा लोकसभा के कई गांवों का भ्रमण किया. मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि बहनों का विश्वास मोदी जी के साथ है. अब वक्त बदल चुका है. अब महिला किसी के कहने पर वोट नहीं डालती. उज्ज्वला योजना के माध्यम से दस करोड महिलाओं को फ्री में सिलेंडर मिला है. दस करोड़ से ज्यादा महिलाओं को स्वच्छता अभियान के माध्यम से शौचालय मिला है. जनधन खाता के माध्यम से पचास करोड़ से अधिक महिलाओं के नाम से खाते खुले हैं.

उत्क्रमित उच्च विद्यालय करकट का वार्षिक परीक्षाफल जारी

लातेहार। शहर के उत्क्रमित उच्च विद्यालय, करकट में सत्र 2023-24 के वर्ग एक से सात तक का वार्षिक परीक्षाफल जारी किया गया. शैक्षिक ग्रेडिंग मापक के तहत मंगलवार को विद्यालय परिसर में प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहन प्रसाद एवं प्रबंधन समिति की अध्यक्ष मंजू देवी ने परीक्षाफल जारी किया. कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र प्रसाद एवं अतुल कुमार ने किया. कक्षा एक में खुशबून खातून, कनिका राज व रजिया खातून, कक्षा दो में सोनी कुमारी, पियूष कुमार व मो हसनैन अंसारी, कक्षा तीन में श्रृष्टि सिंह, आलिया परवीन व अन्नू कुमारी, कक्षा चार में रिया कुमारी आदि शामिल है.

सिसई कालेज का पंकज साइंस में बना स्टेट थर्ड टॉपर

गुमला। झारखंड अधिविद्य परिषद से इंटरमीडिएट की जारी परीक्षा परिणाम में सिसई बीएन जालान कालेज के पंकज कुमार साहु ने 96 अंक हासिल कर साइंस में थर्ड स्टेट टॉपर बनकर गुमला जिला का नाम रौशन किया है. विज्ञान में पंकज भले ही स्टेट थर्ड टॉपर बनकर जिला का सम्मान बढ़ाया है लेकिन ऑवर ऑल देखा जाए तो गुमला जिला का परीक्षा परिणाम विज्ञान और वाणिज्य में चिंताजनक है. कला संकाय का परिणाम को बेहतर माना जा सकता है. कला संकाय का परिणाम 96 प्रतिशत अंक हासिल कर राज्य स्तर पर चौथे रैंक पर है .

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत

लातेहार। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, लातेहार का इंटर की परीक्षा में शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा है. वार्डेन मार्सेला टोप्पो ने बताया कि वाणिज्य में इस वर्ष कुल 17 छात्राओं ने भाग लिया था. जिसमें 14 ने प्रथम श्रेणी व तीन ने द्वितीय श्रेणी से पास किया है. 68.4 प्रतिशत अंक लाकर सीमा कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है. जबकि 66.2 प्रतिशत अंक लाकर शर्मिला व अनुराधा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है. जबकि कला संकाय में कुल 41 छात्राओं ने परीक्षा दी थी. इसमें 36 ने प्रथम व पांच ने द्वितीय श्रेणी में पास की है.

पंपूकल के पास से बालू उठाव होने से पेयजल आपूर्ति प्रभावित

लातेहार। शहर के गिजनियाटांड़ में शहरी जलापूर्ति के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया गया है. यहां औरंगा नदी से पानी ले कर स्टोर किया जाता है कि ट्रीटमेंट कर पूरे शहर में आपूर्ति की जाती है. दीगर बात यह है कि जहां पर पंपू कल स्थापित है वहां से ट्रैक्टरों के द्वारा अवैध रूप से बालू का उठाव किया जाता है. नियमित बालू का उठाव किये जाने से वहां जल स्तर काफी नीचे चला गया है, ऐसे में पेयजल आपूर्ति सेवा प्रभावित हो रहा है. इस ओर न तो खनन विभाग और ना ही पुलिस प्रशासन का कोई ध्यान है. इस कारण ट्रेक्टर चालकों की मनमानी बढ़ गयी है.

बाइक की टक्कर से छह साल की बच्ची की मौत

पाटन (पलामू)। पाटन प्रखंड के लोई गा गांव में बाइक की टक्कर से छह साल की बच्ची की मौत हो गयी. बच्ची की पहचान ललहे गांव निवासी रोहित चंद्रवंशी की बेटी शिवानी कुमारी के रूप में हुई है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि शिवानी कुमारी अपने फूफा कोदन राम के घर आयी थी. सोमवार देर शाम करीब सात बजे एक बाइक ने उसको जोरदार टक्कर मारा. हादसे के बाद बच्ची बेहोश होकर गिर गयी. मुखिया रंजीत यादव उर्फ गुड्डू यादव ने आनन-फानन में बच्ची को किशुनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया. इसके बच्ची को मेदिनीनगर में भर्ती कराया गया.

झगड़ा सुलझाने गई महिला को पति-पत्नी ने उतारा मौत के घाट

संवाददाता। मझिआंव

थाना क्षेत्र के बूढ़ीखाड़ गांव के भदई टोला में पति-पत्नी का झगड़ा सुलझाने गई अधेड़ महिला की दोनों पति-पत्नी ने मिलकर हत्या कर दी. दोनां की पिटाई से महिला बेहोश हो गई. परिजनों ने आनन फानन में इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया. वहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया. मृतक महिला की पहचान रामसूरत पासवान की 55 वर्षीया पत्नी उर्मिला देवी के रूप में की गई है. घटना के संबंध में मृतका के पुत्र चंदन कुमार ने बताया कि उसका पड़ोसी बली पासवान का पुत्र आनंद पासवान एवं उसकी पत्नी प्रतिमा देवी किसी बात को लेकर आपस में झगड़ा कर रहे थे. इसी बीच मेरा मौसेरा भाई लव कुमार लड़ रहे पति-पत्नी को समझाने गया. समझाने की बात सुनते ही आपस में लड़ रहे आनंद पासवान एवं उसकी पत्नी प्रमिला देवी ने लव को पीटते हुए बोले कि तुम मेरे घर के झगड़ा सुलझाने वाले कौन होते हो. इधर लव कुमार को पिटते देख उसकी मौसी उर्मिला देवी बचाने गई. उसके बाद गुस्सा में आकर आनंद पासवान एवं उसकी पत्नी प्रतिमा देवी ने उर्मिला का हाथ मरोड़ कर जमीन पर पटक दिया. जिसके कारण वह बेहोश हो गई. अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया है.

छतरपुर विधायक व पूर्व सांसद ने की कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

मेदिनीनगर। छतरपुर नगर पंचायत क्षेत्र के करमा कला स्थित बैजनाथ प्रसाद सौंडिक उर्फ़ बैजू सेठ के गोदाम पर स्थानीय विधायक पुष्पा देवी व भाजपा नेता पूर्व सांसद मनोज कुमार ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की. भुइयां समाज के सक्रिय कार्यकर्ताओं व भाजपा कार्यकर्ताओं से विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि हमारी जनता को अब जागना होगा. बरसाती मेढक निकल गये है जो जाति और धर्म के नाम पर वोट लेने का मोहमाया करेंगे. पलामू संसदीय क्षेत्र की जनता को ऐसे लोगों से सतर्क रहना होगा. विपक्षी पार्टी के प्रत्याशी ने पूरे लोकसभा क्षेत्र मे शोर मचाया हुआ है कि मै पूर्व सांसद मनोज कुमार की साली हूं, लेकिन ऐसी कोई बात नहीं है.जनता के सारे कार्य पूरा कराने के लिए प्रयासरत रहूंगी. मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अरविन्द सिंह, छतरपुर के मंडल अध्यक्ष अजीत प्रजापति, नौडीहा बाजार मंडल अध्यक्ष बाबूलाल पाठक, रौशन सिंह, विधायक प्रतिनिधि मनोज कुमार भुइयां, शिव भुइयां, संतोष गुप्ता, कमलेश गुप्ता, सुदामा चंद्रवंशी, बीरबल भुइयां, कृष्णा भुइयां, विश्वनाथ भुइयां, छठन भुइयां, हजारी भुइयां आदि मौजूद थे.

आचार संहिता उल्लंघन मामले में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष पर प्राथमिक

संवाददाता। लातेहार

आसन्न लोकसभा चुनाव में आचार संहिता उल्लघंन मामले में पहली प्राथमिकी दर्ज की गयी है. उपायुक्त के निर्देश पर एफएसटी चंदन कुमार चंद्र ने लातेहार थाना में इसकी लिखित शिकायत कर मामला दर्ज कराया है.

जानकारी के अनुसार एफएसटी चंदन कुमार चंद्र 29 अप्रैल को अपराह्न साढ़े तीन बजे क्षेत्र भ्रमण के दौरान एनएच-75 पर जोगनाटांड (होटवाग) में सड़क किनारे पेड़ पर कांग्रेस पार्टी का बैनर लटकता हुआ पाया. एफएसटी चंदन कुमार चंद्र के द्वारा बैनर को हटवाया गया. वहां कोई व्यक्ति उपलब्ध नहीं होने के कारण किसके द्वारा और कब बैनर लगाया गया है यह ज्ञात नहीं हो सका है. इसके बाद कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए प्राथमिक की दर्ज कराई गई. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गरिमा सिंह ने कहा कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

खास बातें

- होटवाग में सड़क किनारे पेड़ पर कांग्रेस का बैनर लटकता हुआ पाया
- आदर्श आचार संहिता का पालन करना सभी की जिम्मेदारी : डीसी
- आदर्श आचार उल्लघंन मामले में पहली प्राथमिकी दर्ज की गयी

उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है. आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते पाए जाने पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 एवं आईपीसी की सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी.

तैयारी — प्रतिनियुक्त सामान्य प्रेक्षक रेम्या मोहन ने समाहरणालय में की बैठक

चुनाव प्रशिक्षण को गंभीरता से लें, खुद को रखें हाईड्रेटः सामान्य प्रेक्षक

संवाददाता। मेदिनीनगर

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रतिनियुक्त सामान्य प्रेक्षक रेम्या मोहन ने समाहरणालय में जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशि रंजन, पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन, सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारी व सभी सहायक निर्वाची पदाधिकारी संग बैठक की. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने पीपीटी के माध्यम से जिले में लोकसभा चुनाव को लेकर किये जा रहे तैयारियों से अवगत कराया जिसमें कुल वोटर, मतदान केंद्र, पुरुष व महिला मतदाताओं की संख्या, दिव्यांग मतदाता, सी विजिल ऐप से प्राप्त शिकायतें, सेक्टर ऑफिसर व माइक्रो आब्जर्वर की संख्या, उनको दिए जाने

वाला प्रशिक्षण, पोस्टल बैलेट से मतदान की तैयारी, एफएसटी, वीएसटी, मतदान केंद्रों पर सभी मूलभूत सुविधाएं आदि को रेखांकित किया गया. डीइओ ने प्रेक्षक को बताया कि पिछले लोकसभा चुनावों में जरिये वहां के स्थानीय वोटर से संवाद किया गया है. इसी तरह पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के निमित्त पुलिस के तरफ से की जा रही तैयारियों व कार्रवाईयों के बारे में बताया, जिसमें हथियार एवं मादक पदार्थों की धर पकड़, एक्सक्यूशन ऑफ नन बैलेवल वारंट, परमानेंट वारंट, लाइसेंसी एवं गैर - लाइसेंसी हथियारों को जमा कराने व जब्त करने की कार्रवाई शामिल रहा साथ ही मूवमेंट प्लान आफ फोर्सेज, एकोमोडेशन ऑफ़ सेंट्रल आर्ल्ड पुलिस फोर्स, पुलिस स्टेसन एवं ओपी आदि विषय को लेकर भी प्रेक्षक को अवगत कराया गया. विश्रामपुर विधानसभा अंतर्गत कुल्ही के बूथ पर सबसे कम मतदान हुआ था. इस बार संबंधित बूथ पर मतदान प्रतिशत बढ़े, इसे लेकर विशेष तैयारी की गयी है.

झारखंड बिहार सीमा पर चलाया वाहन चेकिंग अभियान

हुसैनाबाद/पलामू। दो राज्यों की पुलिस ने संयुक्त रूप से लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड बिहार सीमा पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया. पलामू पुलिस कप्तान रेशमा रमेशन, हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार महतो व बिहार के औरंगाबाद पुलिस कप्तान के निर्देश पर झारखंड-बिहार सीमा स्थित दंगवार ओपी प्रभारी संजय कुमार यादव व औरंगाबाद बिहार के नवीनगर थाना प्रभारी मनोज कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में सोमवार की देर रात सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया. मौके पर ओपी प्रभारी संजय कुमार यादव नवीनगर थाना प्रभारी मनोज कुमार पाण्डेय के अलावे दोनों राज्य के काफी संख्या में पुलिस के जवान मौजूद थे.

देसी कट्टा व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता। गढ़वा

लोकसभा चुनाव निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए गढ़वा पुलिस पूरी तरह से तत्पर है. इसके तहत गढ़वा पुलिस ने थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव के मुंद्रिका सिंह के पुत्र उपाध्याय सिंह के घर से छापामारी कर एक देसी कट्टा व एक जिंदा कारतूस बरामद किया है. साथ ही इस मामले में उपाध्याय सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गढ़वा एसडीपीओ नीरज कुमार ने मंगलवार को गढ़वा थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर यह जानकारी दी.

एसडीपीओ ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए एसपी दीपक कुमार पांडेय के निर्देश पर लगातार असामाजिक तत्वों के विरूद्ध छापामारी करने का निर्देश दिया है. साथ ही कुछ ऐसे असुरक्षित मतदान केंद्र को चिन्हीत

किया गया है जहां विगत लोकसभा चुनाव में भी हिंसा हुई थी. उन्होंने बताया कि उन मतदान केन्द्रों को चिन्हित कर आसपास के असामाजिक तत्वों के विरूद्ध विशेष छापामारी अभियान चलाया जा रहा है. एसडीपीओ ने बताया कि सोमवार की रात्रि पुलिस को गढ़वा थाना क्षेत्र के नवाडीह गांव निवासी उपाध्याय सिंह को अपने साथ अवैध अग्येनाशस्त्र रखने की गुप्त सूचना मिली थी. इसी निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल गठित कर उपाध्याय सिंह के घर छापामारी की गई. इस दौरान उसके पास से लोडेड देशी कट्टा बरामद किया गया. पूछताछ में उपाध्याय ने बताया कि यह हथियार दरमी गांव निवासी क्यूम खान से खरीदा है. पुलिस ने उपाध्याय सिंह व क्यूम खान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली. एसडीपीओ ने बताया कि पूर्व से दरमी व नवाडीह के बूथों को गंभीर श्रेणी में रखा गया है.

ब्रीफ खबरें

नाबालिग के अपहरण का आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के उलीडीह में 16 वर्षीय नाबालिग के अपहरण करने के मामले में आरोपी ऋतिक शर्मा को अदालत ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया. इस मामले की सुनवाई करते हुए स्पेशल कोर्ट पोस्को न्यायाधीश कवलजीत चोपड़ा ने आरोपी को बरी किया. मामले में आरोपी पक्ष की ओर से अधिवक्ता श्वेता साह ने पैरवी की थी. श्वेता ने बताया कि इस मामले में कुल 4 लोगों की गवाही हुई थी. पीड़िता ने कोर्ट को दिए अपने बयान में कई आरोप लगाए थे पर जांच के दौरान कोई साक्ष्य नहीं पाया गया. पीड़िता के पिता ने उलीडीह थाना में ऋतिक के खिलाफ अपहरण का आरोप लगाया था.

ट्रेन की चपेट में आने से छात्रा की हुई मौत

घाटशिला। घाटशिला थाना क्षेत्र के दाहीगोड़ा हनुमान मंदिर के समीप सोमवार की देर रात ट्रेन की चपेट में आने से 15 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई. मृतक छात्रा घाटशिला के सरस्वती विद्या मंदिर में कक्षा नौवीं में पढ़ाई करती थी. वह दाहीगोड़ा स्थित भाड़े के घर से सोमवार की रात 8.30 बजे बाजार जाने की बात कह कर निकली थी. जब काफी देर तक घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की, लेकिन रात भर कहीं उसका पता नहीं चला. मंगलवार अहले सुबह दाहीगोड़ा हनुमान मंदिर के समीप रेलवे ट्रैक पर उसका शव पाया गया.

98 बच्चों के बीच ओड़िया पुस्तकों का हुआ वितरण

आदित्यपुर। उत्कल सम्मेलनी की तरफ से मंगलवार को उड़िया मध्य विद्यालय आदित्यपुर के 98 बच्चों के बीच ओड़िया पुस्तक वितरित किया गया. सभी छात्र वर्ग एक से आठ तक के हैं. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्य ममता झा ने की. कार्यक्रम में उत्कल सम्मेलनी के गम्हरिया शाखा के अध्यक्ष रवि सतपति, राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित शिक्षिका व उड़िया मध्य विद्यालय आदित्यपुर के पूर्व प्रधानाध्यपिका संध्या प्रधान, उत्कल सम्मेलनी के सदस्य सौभाग्य सतपथी और अरूण आचार्य, संजय उदय सतपथी विद्यालय की ओड़िया शिक्षिका रंजीत राउत आदि मौजूद रहे.

पोक्सो एक्ट के अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा

चाईबासा। चाईबासा व्यवहार न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम के अदालत में मंगलवार को अभियुक्त सेलाय बिरूवा को धारा-06 पोक्सो एक्ट के तहत आजीवन कारावास (अंतिम सांस तक) एवं 10,000/- (दस हजार) रुपये जुर्माना की सजा दी गई है. मालूम हो कि मंझारी थाना में 29 मार्च 2020 को धारा- 376(3) / 376(2)(k) / 506 भादवि एवं 4 / 6 पोक्सो के अन्तर्गत अभियुक्त सेलाय बिरुवा गांव सोसोपी, थाना-मंझारी, जिला- पश्चिम सिंहभूम, चाईबासा के विरूद्ध नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म करने के आरोप में दर्ज किया गया था.

केवी मेघाहातुबुरु की एक से आठ तक की कक्षाएं बंद

किरीबुरु। केन्द्रीय विद्यालय मेघाहातुबुरु समेत अन्य स्कूलों ने झारखंड राज्य में अत्यधिक गर्मी पड़ने एवं लू के कारण तथा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के निर्देशानुसार कक्षा 1 से 8 तक की सभी कक्षा को अगले आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया है. केन्द्रीय विद्यालय मेघाहातुबुरु के प्राचार्य डॉ आशीष कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी कर अभिभावकों व छात्र-छात्राओं के लिये जरुरी निर्देश जारी करते हुए बताया की कक्षा 1 से 8 हेतु ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन किया जाएगा. कक्षा 9 से 12 तक की कक्षा प्रातः 7 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित की जाएगी.

बरामदगी की जानकारी तत्काल केंद्रीय टीम को दें: वीरेंद्र

संवाददाता। चांडिल

चुनाव आयोग द्वारा रांची संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए प्रतिनियुक्त व्यय पर्यवेक्षक वीरेंद्र कुमार सिंह ने मंगलवार को चांडिल अनुमंडल सभागार में चुनाव कार्य से जुड़े कई टीमों के साथ बैठक की. इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव स्वतंत्र व निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. बैठक में एआरओ सह चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, आदित्यपूर नगर निगम के प्रशासक, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, उड़नदस्ता, वीडियो निगरनी टीम, एसएसटी आदि के सदस्य उपस्थित थे. व्यय पर्यवेक्षक ने कहा कि नियमानुसार निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए बेखौफ होकर सतर्कता के साथ कार्य करना है.

तत्काल करें रिपोर्ट: चुनाव व्यय पर्यवेक्षक ने बैठक में टीम के कार्यों की जानकारी ली. वीडियोग्राफी की सीडी तैयार करते हुए उसकी रिपोर्ट तत्काल देने का निर्देश दिया. उन्होंने सभी टीमों को आपस में समन्वय बनाकर कार्य करने और सभी बरामदगी की जानकारी तत्काल केंद्रीय टीम को देने का निर्देश दिया. चेक पोस्टों पर तैनात जांच दल प्रत्येक वाहन की सघन जांच करेगा, जांच के दौरान संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जाएगी. उन्होंने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान यदि कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति को उसके मताधिकार के प्रयोग के संबंध में नकदी देता है या लेता है, उसके लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 171 के अनुसार दंड से दंडित करने का प्रावधान है. व्यय पर्यवेक्षक ने कहा कि की गई कार्रवाई की जानकारी तत्काल अपने वरीय अधिकारियों को देना है.

ईवीएम, बीयू, सीयू, और वीवीपैट को ईवीएम वेयरहाउस में रखा गया

किरीबुरु। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी की उपस्थिति में आज आत्मा कार्यालय में रखे गए प्रशिक्षण और अवेयरनेस के लिए उपयोग में ले गए ईवीएम, बीयू, सीयू, और वीवीपैट को ईवीएम वेयरहाउस में रखा गया. जिसका एफएलसी कार्य के उपरांत रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया के बाद वोटिंग प्रक्रिया हेतु प्रयोग किया जाएगा. मौके पर उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर चाईबासा, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे.

कांग्रेस भवन में आयोजित हुआ स्वागत समारोह

सन्नी सिंकु संगठन को मजबूत करने के लिए जाने जाते हैं: जोबा

संवाददाता। चाईबासा

सन्नी सिंकु अनुशासन में रहकर कुशलता पूर्वक संगठन करने के रूप में जाने जाते है. उनके और उनके साथ जिला के 18 प्रखंड और दो नगर से आए सभी जुझारू सहयोगियों को आज फिर से कांग्रेस भवन चाईबासा में देखकर अच्छा लग रहा है. सभी लोगों को जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास की अध्यक्षता में स्वागत किया जा रहा है. यह इंडिया गठबंधन के लिए शुभ संकेत है. यह बातें सिंहभूम संसदीय क्षेत्र इंडिया गठबंधन की झामुमो उम्मीदवार जोबा मांझी ने मंगलवार को कांग्रेस भवन में आयोजित स्वागत समारोह में कही है.

जोबा मांझी ने स्वागत समारोह में उपस्थित सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान की है आगामी संभवत 03 मई को देश के निवर्तमान प्रधानमंत्री चाईबासा में आने वाले है. फिर हमारे लोगों को रिझाने के लिए वह हम चाय वाले और आप लोग चाईबासा वाले है कहकर रिझाने का कोशिश करेंगें. लेकिन हमारे गांव के निर्दोष ग्रामीणों को उनके जुमले से बचना है.

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष पूर्व मंत्री देवेंद्रनाथ चंपिया ने कहा कि पूर्व अध्यक्ष सन्नी सिंकु के द्वारा बनाया कांग्रेस की संगठन से गीता कोड़ा पिछले बार चुनाव जीती थी. लेकिन सांसद बनने के बाद संगठन पर ध्यान नहीं दी. इसीलिए जिला में कांग्रेस संगठन कमजोर हो गया था. लेकिन आज जब संगठन कर्ता सन्नी सिंकू फिर से कांग्रेस पार्टी में आ गए है और उनके सभी सहयोगी पार्टी में वापस आ गए है तो निश्चित रूप से जिला कांग्रेस पार्टी फिर से मजबूत होगा. कांग्रेस भवन चाईबासा में आज सन्नी सिंकु के पार्टी में पुनर्वापसी करने पर स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया. स्वागत कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास ने की. जबकि संचालन युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सुरेश सवैया ने किया. मौके पर कांग्रेस अल्पसंख्यक कमिटी के चेयरमैन तौहीद आलम, कार्यालय सचिव सुशील दास, राधामोहन बनर्जी, अंसार अहमद, इंदुशेखर तिवारी, मनोरंजन दास,संजीव सिंहदेव, अमृत मांझी, अतिस गगराई,आशा पूर्ति, मंजू बिरुआ, काजल मांझी, अरिल सिंकु ,शंकर मिश्रा, अमित कुमार सिंकु सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

भाजपा ने हमेशा किरीबुरु-मेघाहातुबुरु के लोगों का साथ दिया : शंभू हाजरा

किरीबुरु। पूर्व जिप सदस्य सह भाजपा के वरिष्ठ नेता शंभू हाजरा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किरीबुरु स्थित करुवा बस्ती में जनसम्पर्क अभियान चलाया. इस दौरान भाजपा सांसद सह लोकसभा प्रत्याशी गीता कोड़ा के लिये वोट देने की अपील किया. शंभू हाजरा ने कहा कि करुवा बस्ती के लोगों का जब बिजली सेल प्रबंधन ने काटा था तब वह एवं भाजपा कार्यकर्ता बस्ती के लोगों के साथ खड़ा होकर प्रबंधन के साथ लडाई लड़ा. सेल प्रबंधन को लीज व फॉरेस्ट क्लियरेंस से संबंधित मामले को लेकर झारखंड सरकार ने यहां कि बस्तियों को हटाने के लिए लगातार दबाव बनाया, प्रबंधन ने भी यहां के दुकानदारों व बस्ती के लोगों को अपना घर रूपी अवैध इन्क्रोचमेंट हटाने हेतु निरंतर नोटिस जारी किया. इसके खिलाफ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोडा, सांसद गीता कोडा,व हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग सेल प्रबंधन से वार्ता व आंदोलन कर इस बड़ी समस्या से हजारों परिवारों व दुकानदारों को उजड़ने से बचाया.

कांग्रेस गारंटी कार्ड सबसे बेहतरीन घोषणा पत्रों में एक है : दीनबंधु

चाईबासा। काठभारी पंचायत में कांग्रेस गारंटी कार्ड के पांच न्याय को लेकर मंगलवार को अभियान चलाया गया. कांग्रेस गारंटी कार्ड सदी का सबसे बेहतरीन घोषणा पत्रों में से एक है. जो यह सुनिश्चित करता है कि यह एक घोषणा पत्र नहीं बल्कि यह घोषित बातों की गारंटी देता है. बहुमत की इंडिया गठबंधन सरकार बनने पर इसे हर हाल में लागू किया जाएगा. हर देशवासियों के लिए रोजमर्रे के दैनिक जीवन में उपयोग किया जाने वाला कार्यों में से लिया गया घोषणा पत्र है. ये बातें प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव सह सिंहभूम लोकसभा चुनाव संचालन समिति के सदस्य दीनबंधु बोयपाई ने कही. उन्होंने कहा कि देश 2014 से सिर्फ भाजपा और मोदी के जुमले बाजी से परेशान हैं.

आशामनी बनी विज्ञान संकाय की जिला टॉपर

आदित्यपुर। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने सत्र 2024 के इंटर के परिणाम मंगलवार को जारी किए हैं. काउंसिल की ओर से जारी परिणाम में एक बार फिर से लड़कियों ने बाजी मारी है. सरायकेला- खरसावां जिले की अगर बात करें तो यहां तीनों संकयों की टॉप श्री टॉपर लड़कियां रही हैं. जिले में साइंस संकाय में एसएस प्लस 2 हाई स्कूल गम्हरिया की छात्रा आशामनी महतो जिला टॉपर बनी है. उसे 451 अंक प्राप्त हुए हैं. इसी स्कूल की खुशी स्वर्णकार दूसरी टॉपर बनी है उसे 445 अंक मिले हैं.

संजीब कटवार 407 अंक लाकर बने विद्यालय टॉपर

किरीबुरु। 12 वीं बोर्ड की परीक्षा में प्रोजेक्ट प्लस-टू उच्च विद्यालय, किरीबुरु के 90.74 फीसदी छात्र-छात्राओं ने सफलता अर्जित किया. छात्र संजीब कटवार ने 407 अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर रहा. इस विद्यालय से कुल 54 बच्चे परीक्षा में शामिल हुये थे. इनमें से 15 प्रथम श्रेणी, 33 द्वितीय श्रेणी, एक तृतीय श्रेणी से पास हुये. चार बच्चे फेल व एक अनुपस्थित रहा. बच्चों की इस सफलता से विद्यालय प्रबंधन खुश है. कारण यह कि विद्यालय प्रारम्भ से हीं शिक्षकों की भारी कमी एवं संसाधनों का भारी अभाव की समस्या से गुजर रहा है.

शारदा कंपनी के पीछे झाड़ियों में लगी आग

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के कपाड़िया गांव में अवस्थित शारदा कंपनी के पीछे झाड़ियों में लगी भीषण आग. इस आग बुझाने के लिए स्थानीय लोग सह अग्निशमन विभाग के लोग ने कड़ी मकसद के बाद आग में काबू पाया. मिली जानकारी के अनुसार असामाजिक तत्व द्वारा झाड़ियां में आग लगा दिया गया था. जिसके कारण आग तेजी से फैल गया.वहीं समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ी दुर्घटना घट सकती थी. क्योंकि आसपास के क्षेत्र में कई सारे झोपड़ी तथा लाइन होटल और कंपनी मौजूद है.

केपीएस बर्मामाइंस में उच्च कक्षा में प्रोन्नति देने की मांग को लेकर हंगामा

छात्र-अभिभवकों ने किया प्रदर्शन

- जवाब में प्रबंधन भी दिया धरना, छात्रा की तबीयत बिगड़ी

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के केरला पब्लिक स्कूल (केपीएस) बर्मामाइंस में मंगलवार को छात्र-छात्राओं को उच्च कक्षा में प्रोन्नति देने के मामले को लेकर छात्र-अभिभवक और स्कूल प्रबंधन के लोग आमने सामने नजर आये. एक तरफ छात्र-छात्राओं समेत अभिभवकों ने नौवीं से 10वीं और 11वीं से 12वीं कक्षा में प्रमोट करने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया. वहीं, स्कूल प्रबंधन की ओर से निदेशक समेत अन्य पदाधिकारियों ने भी धरना-प्रदर्शन किया.

क्या है मामला : स्कूल में नौवीं और 11वीं कक्षा में लगभग 40-50 छात्र-छात्राओं को परीक्षा में असफल बताते हुए अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया गया है. स्कूल की ओर से बताया गया कि जिला प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद स्कूल की ओर से री-टेस्ट लिया गया. बावजूद वे विद्यार्थी सफल नहीं हुए. ऐसे में उन्हें अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया जा रहा है. इसके विरोध में और बच्चों को प्रमोट करने की मांग को लेकर अभिभावकों ने विद्यार्थियों के साथ धरना-प्रदर्शन किया.

छात्रा की तबीयत बिगड़ी

धरना के दौरान अत्यधिक गर्मी की वजह से एक छात्रा बेहोश होने लगी. इसे देखते हुए उपस्थित अभिभावकों ने पानी, जूस उपलब्ध कराया. इसके बाद उसके स्वास्थ्य में सुधार हुआ. इसके बाद भी स्कूल प्रबंधन अपनी बात पर अड़ा रहा. इस दौरान छात्र आजसू के कोल्हान प्रभारी हेमंत पाठक समेत अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे.

सीएम के कार्यक्रम को लेकर जेएमएम कार्यकर्ताओं की बैठक

संवाददाता। घाटशिला

झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधानसभा स्तरीय बैठक टाउन हॉल घाटशिला में मंगलवार को झामुमो घाटशिला प्रखंड अध्यक्ष वकील हेंब्रम की अध्यक्षता में आयोजित की गई. मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामदास सोरेन उपस्थित थे. उन्होंने सभी प्रखंड अध्यक्षों को निर्देश दिया कि आगामी 2 मई को मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन टाउन हॉल घाटशिला में आयोजित किया गया है. इस तरह पूरे विधानसभा क्षेत्र में 281 बूथ बनाए गए हैं इन सभी बूथ के कार्यकर्ताओं को उपस्थित रहना है. मुख्यमंत्री चंपई सोरेन एक-एक बूथ के कार्यकर्ता से लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर समीक्षा करेंगे. विधायक ने घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के चार प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष से लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर जानकारी लिया.

न्यूज अपडेट

निवेदिता दास मॉडल स्कूल घाटशिला की बनी टॉपर

घाटशिला। झारखंड अधिविद्या परिषद द्वारा मंगलवार को इंटरमीडिएट का परीक्षा फल जारी किया गया. घोषित किए गए परीक्षा परिणाम में मॉडल स्कूल घाटशिला से विज्ञान तथा कला संकाय में कुल 28 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए थे सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए. मॉडल स्कूल से विज्ञान एवं कला संकाय में कुल 14-14 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे.

मॉडल स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा. विज्ञान संकाय से निवेदिता दास 432 अंक प्राप्त कर विद्यालय का टॉपर बनी. दूसरे टॉपर मेघना सिंह 408 अंक, तृतीय टॉपर शुभोश्री भकत 403 अंक, चौथे टॉपर शायका परवीन 397 अंक एवं पांचवें टॉपर सानिया परवीन 392 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रौशन किया.

घाटशिला कॉलेज के 629 विद्यार्थी इंटर में प्रथम श्रेणी से हुए उत्तीर्ण

घाटशिला : झारखंड अधिविध परिषद द्वारा मंगलवार को जारी किया गया इंटरमीडिएट का परीक्षाफल में घाटशिला कॉलेज परीक्षा का परिणाम काफी अच्छा रहा है. कालेज के तीनों संकाय विज्ञान, कला एवं वाणिज्य से 629 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं. इनमें इंटरमीडिएट विज्ञान में हेमंत कस्तूरीन सोरेन ने 425 अंक प्राप्त कर विज्ञान संकाय की टॉपर बनी.

जबकि वाणिज्य संकाय में प्रतिमा शाव ने 442 अंक प्राप्त की तथा कला में अनीता मुंडा ने 401 अंक लाकर कॉलेज टॉपर बनी हैं. इस परिणाम पर प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को कालेज की ओर से आमंत्रित कर शीघ्र ही सम्मानित किया जाएगा.

उत्क्रमित उच्च विद्यालय की प्रधानाध्यापिका को दी गई विदाई

घाटशिला। उत्क्रमित उच्च विद्यालय बड़ाजुड़ी की प्रधानाध्यापिका फुलमनी मुर्मू मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गई. श्रीमती मुर्मू बड़ाजुड़ी में 31 सितम्बर 2017 को पदस्थापित हुई थी. उनकी पहली पदस्थापना बराज मध्य विद्यालय गालूडीह में हुई थी. उसके बाद कन्या मध्य विद्यालय घाटशिला में भी सेवा दी. श्रीमती मुर्मू ने माधुरी कुमारी को विद्यालय का प्रभार सौपनें के बाद आभार प्रकट करते हुए कहा कि पूरे कार्यकाल के दौरान सभी का भरपूर सहयोग मिला.

बदहाली का दंश झेल रहा बामडोल-चड़कमारा ग्रामीण सड़क

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों की अधिकांश सड़कें बदहाल हैं.वहीं इस बदहाल सड़क के चलते ग्रामीणों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. पाथरी पंचायत स्थित बामडोल जाने वाले मुख्य सड़क से मधुआबेड़ा होते हुए चड़कमारा तक जाने वाली सड़क विगत कई साल से बदहाली का दंश झेल रही है. सड़क इतनी जर्जर हो गई है कि इस पर पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं है. सड़क पर नुकीले पत्थर उभरे आए हैं.

बिष्टुपुर में 500 केएलडी सीवेज पंपिंग स्टेशन का उद्घाटन

जमशेदपुर। बिष्टुपुर में टाटा स्टील यूआईएसएल ने गुरुवार को 500 केएलडी सीवेज पंपिंग स्टेशन का उद्घाटन किया. कैप्टन धनंजय मिश्रा ने सीवेज पंपिंग स्टेशन का उद्घाटन किया. मौके पर चाणक्य चौधरी, ऋतुराज सिन्हा और प्रणय सिंन्हा के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे. मौके पर धनंजय मिश्रा ने बताया कि इस पंपिंग स्टेशन से प्रतिदिन पांच लाख लीटर पानी रखने के लिए बनाया गया है. इस तकनीक का इस्तेमाल कर प्रतिदिन पांच लाख लीटर अपशिष्ट जल का प्रबंधन कर उसे फिर से इस्तेमाल में लाया जा सेकगा.

एसपी ने किया धुरकी थाना क्षेत्र के बूथों का निरीक्षण

धुरकी। लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने को लेकर गढ़वा एसपी दीपक कुमार पांडेय ने मंगलवार को धुरकी थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव के बूथों का निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम में एसपी ने बूथों पर पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था का जांच किया. एसपी ने थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार को बाहर से आने वाले सुरक्षाबलों को ठहरने से पहले सारी समुचित सुविधाओं को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया है. एसपी ने बताया कि लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 मई को मतदान होगा. उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले पुलिस सभी संवेदनशील और अतिसंवेदशील क्षेत्रों में भयमुक्त माहौल को बनाने में प्रयासरत है.

दो लाख की नकली शराब के साथ तीन गिरफ्तार

जमशेदपुर। ग्रामीण पुलिस ने कमलपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर एक कार से 400 बोतल नकली शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में उलीडीह थाना क्षेत्र के शंकोसाई निवासी बिट्टू कुमार महतो, सिदगोड़ा के न्यू बारीडीह के रहने वाले अमित कुमार और भालूबासा के रहने वाले सचिन प्रसाद शामिल है. मंगलवार को एसएसपी किशोर कौशल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर लगातार जांच की जा रही है. इसमें अवैध शराब, पैसा, ड्रग्स या अन्य फ्रीबिज का अवैध परिवहन नहीं होने पाये इसके लिए तैनात पुलिस बल गहनतापूर्वक जांच कर रही है.

ईचा डैम पर राजनीति करना बंद करे झामुमो : सुपाई बारी

चाईबासा। ईचा खरकई बांध विरोधी संघ, कोल्हान की बैठक तांतनगर प्रखंड, ग्राम चिरचि में ग्रामीण मुंडा सुपाई बारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई . संघ के सचिव सुरेश सोय और सहसंयोजक योगेश कालुंडिया के नेतृत्व में पूर्ण एवं आंशिक रूप से डूबने वाले क्षेत्र में होने वाले प्रभावों के प्रति लोगो को जानकारी साझा की गई. जल्द ही संघ के प्रतिनिधि मंडल राज्यपाल से मिल कर 87 गांव के डूबने से बचाने के लिए फरियाद करेंगे . ग्रामीण मुंडा सुपाई बारी ने सभा को संबोधित करते हुए कहते है कि राजनीतिक पार्टियां चुनाव से समय में देते है .

बैठक

औद्योगिक क्षेत्र में टली विकास योजनाओं को लेकर उद्यमियों में रोष

औद्योगिक क्षेत्र की मूलभूत संरचना दुरुस्त नहीं होने तक टैक्स नहीं देंगे उद्यमी

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र की मूलभूत संरचना पूरी तरह से ढह चुकी है. पिछले दिनों क्षेत्र के विधायक और मुख्यमंत्री से गुहार के बाद करीब 280 करोड़ की विकास योजनाओं का टेंडर भी निकला था लेकिन किन्हीं कारणों से यह टेंडर स्थगित कर दिया गया है. इन सारी बातों को लेकर सोमवार की देर शाम उद्यमी संगठन एसिया की 10वीं कार्यकारिणी की बैठक में उद्यमियों ने रोष प्रकट करते हुए तत्काल प्रभाव से जियाडा को जमीन और स्ट्रीट लाइटों के टैक्स नहीं देने का निर्णय लिया है. बता दें कि औद्योगिक क्षेत्र की सड़कें, नालियां पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है, 99 फीसदी स्ट्रीट लाइट बंद रहते हैं, जिसके वजह से औद्योगिक क्षेत्र में माल लोडिंग अनलोडिंग को आने वाली वाहनों को परेशानी हो रही है, उनके वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं जबकि स्ट्रीट लाइटों के नहीं जलने से औद्योगिक क्षेत्र में बेतरतीब तरीके से चोरी की घटनाएं काफी बढ़ी हुई है. इन सारी बातों को लेकर एसिया के उद्यमियों ने रोष प्रकट करते हुए जियाडा को तत्काल प्रभाव से सभी प्रकार के टैक्स नहीं देने का निर्णय लिया है. आज की बैठक की अध्यक्षता एसिया अध्यक्ष इंदर अग्रवाल ने किया जबकि संचालन उपाध्यक्ष सुधीर सिंह ने किया. बैठक में संतोख सिंह, प्रवीण गुटगुटिया, अशोक गुप्ता, दिव्यांशु सिन्हा, मंदीप सिंह, रतन लाल अग्रवाल, चतुर्भुज केडिया, राजकुमार संघी, रमेश खंडेलवाल, पिंकेश माहेश्वरी, मनोज चोपड़ा, नीलेश सेठ, अनिल गुप्ता, अनिल कुमार, मनोज गुटगुटिया आदि शामिल थे.

खास बातें

- स्माल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने कार्यकारिणी की 10वीं बैठक संपन्न
- रियाडा को जमीन व स्ट्रीट लाइटों के टैक्स नहीं देने का निर्णय

प्रत्याशियों को चुनाव में खर्च के लिए खोलने होंगे करंट अकाउंट

जमशेदपुर। जमशेदपुर लोकसभा सीट पर 25 मई को चुनाव होना है. इसके लिए व्यय पर्यवेक्षक के रुप में एसपीजी मुदलियर और ईश गुप्ता जमशेदपुर पहुंच चुके है. मंगलवार को व्यय पर्यवेक्षकों ने एक बैठक की. बैठक में मुख्य रुप से उप विकास आयुक्त मनीश कुमार, आईडीटीए परियोजना निदेशक दीपांकर चौधरी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनंत कुमार समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे. बैठक में बताया गया कि चुनाव व्यय प्रक्रिया की निगरानी व अनुश्रवण संबंधी किसी भी शंका या भ्रम की स्थिति नहीं बननी चाहिए. व्यय अनुश्रवण हेतु चिन्हित सभी संस्थायें, कोषांग, टीम आपसी समन्वय के साथ कार्य करें. सभी का एकिकृत उद्देश्य हो कि धनबल या बाहुबल से किसी प्रकार निर्वाचन प्रकिया प्रभावित नहीं होने पाये.

सुदूरवर्ती गांवों से बूथों मतदाताओं को पहुंचाने के लिए वाहन की व्यवस्था हो

संवाददाता। किरीबुरु

लोकतंत्र के इस महापर्व में सारंडा के सुदूरवर्ती गांवों के तमाम मतदाताओं को अपना बहुमूल्य वोट देकर बेहतर प्रत्याशी व सांसद चुनने का पूरा अधिकार है. हम अपना शत फीसदी वोट तभी डाल पायेंगे जब हम ग्रामीणों को अपने-अपने गांवों से मतदान केन्द्रों तक जाने हेतु चुनाव आयोग वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित करायेगी. अगर वाहन की व्यवस्था उपलब्ध नहीं होता है तो काफी संख्या में संसाधन विहीन व वृद्ध मतदाता मतदान करने से वंचित हो जायेंगे, जिससे मतदान फीसदी में भारी गिरावट होगी. उक्त बातें सारंडा के कुमडीह, बालिबा, कुदलीबाद, कोलायबुरु, तिरिलपोसी, नयागांव, बिटकिलसोय आदि गांवों के मतदाताओं ने एक कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों के सामने रखी. उन्होंने बताया की सारंडा में जब नक्सल समस्या थी तब कुमडीह, तिरिलपोसी, बिटकिलसोय, आदि अनेक बूथों को हटाकर सुरक्षित स्थान पर कर दिया गया था. लेकिन बाद में पुलिस की बेहतर प्रयास व कार्यवाहियों की बदौलत आज नक्सल समस्या लगभग समाप्त होने के कगार पर है.

ब्रीफ खबरें

प्रत्याशी विनोद सिंह आज करेंगे नामांकन

बरकट्ठा। महागठबंधन के प्रत्याशी विनोद कुमार सिंह कोडरमा संसदीय क्षेत्र से मजदूर दिवस पर 1 मई को नामांकन करेंगे. नामांकन और बूथों की तैयारी की स्थिति पर चर्चा के लिए मंगलवार को महागठबंधन के प्रमुख नेताओं की बैठक बरकट्ठा बाजार के विवाह मंडप में संपन्न हुई. बैठक में भाकपा माले, झामुमो, कांग्रेस, राजद सीपीआई के नेतागण आदि शामिल हुए. इसके पूर्व बरकट्ठा बाजार रोड में महागठबंधन के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन कृषि उद्योग विभाग के सचिव सभापति शेख तैयब, मुखिया संघ के सचिव निजाम अंसारी, जेएमएम नेता वासुदेव महतो, आसीन खान, मुखिया आबास अंसारी एवं जिला सचिव पच्चू राणा ने संयुक्त रूप से किया.

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रामगढ़। जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने को लेकर जिला प्रशासन ने सोमवार को बड़े स्तर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम के तहत रामगढ़ जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में एक ही दिन में लगभग 70291 बच्चों व अभिवावकों ने मतदाता जागरूकता की शपथ ली. इस दौरान शिक्षकों सहित अन्य के द्वारा अभिभावकों को आगामी लोकसभा आम निर्वाचन दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करने को लेकर जागरूक किया गया. वहीं सभी मतदाताओं से उनके मतदान के महत्व को समझने एवं आगामी लोकसभा आम निर्वाचन में बिना किसी भय, लोभ अथवा किसी भी चीज के प्रभाव में आए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई.

शौचालय निर्माण में गड़बड़ी की शिकायत

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र में कई विद्यालयों में शौचालय का निर्माण जल पथ विभाग हज़ारीबाग द्वारा किया जा रहा है. कार्य में गुणवत्ता की कमी एवं लोकल ईंट के इस्तेमाल की शिकायत जिला परिषद सदस्य प्रेरणा प्रिया ने उपायुक्त हजारीबाग, कार्यपालक अभियंता एवं उप विकास आयुक्त से की है. प्रिया ने कहा कि क्षेत्र में सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा. इसकी जांच कार्यपालक अभियंता राहुल महतो ने की एवं लोकल ईंट को जबरन बढ़िया बताया. साथ ही जिला परिषद सदस्य को फोन किया तो जिप सदस्य के पति सीके पांडेय ने उठाया. उन्होंने धमकी भी दी कि उपायुक्त से शिकायत क्यों की. हमलोग इसी तरह कार्य करेंगे, जहां शिकायत करना है करो, लोकल ईंट से ही काम होगा. इस संदर्भ में कार्यपालक अभियंता राहुल महतो से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया.

अज्ञात शव का सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

हजारीबाग। हज़ारीबाग़ में कई वर्षों से लावारिस शवों के प्रबंधन में कार्यरत संस्थान मुक्तिधाम सेवा संस्थान हज़ारीबाग़ के संस्थापक नीरज कुमार ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग से प्राप्त अज्ञात शव का ससम्मान अंतिम संस्कार कराया. हजारीबाग गुरुद्वारा कमिटी के गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष अवतार सिंह, कोषाध्यक्ष कमलजीत सिंह एवं पुजारी करनजीत सिंह की उपस्थिति में अरदास किया गया. तत्पश्चाप मुक्तिधाम, खिरगांव के प्रांगण में अंतिम संस्कार विधिवत रूप से कर दिया गया. वहीं इस घटनाक्रम की सदर थाना को लिखित जानकारी दे दी गई है.

राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा, झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सहित कई सांसद- विधायक व एनडीए गठबंधन के दिग्गज होंगे शरीक

हजारीबाग लोस क्षेत्र के राजग प्रत्याशी मनीष जायसवाल आज करेंगे नामांकन

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के भाजपा के उम्मीदवार मनीष जायसवाल बुधवार को अपना नामांकन दाखिल करेंगे. इसको लेकर उन्होंने मंगलवार को यहां प्रधान चुनाव कार्यालय परिसर में प्रेस कांफ्रेंस की. इसमें जायसवाल ने बताया कि उनके नामांकन के मौके पर हमारे साथ विशेष रूप से राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू,

दीपक प्रकाश, जदयू नेता सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो, आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो, आजसू नेता सह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी समेत झारखंड के विधायक दल के नेता अमर कुमार बाउरी, विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, विधायक भानु प्रताप शाही, विधायक बिरंची नारायण, विधायक राज सिन्हा, विधायक नीरा यादव, विधायक समरी लाल, विधायक किसुन दास, आलोक चौरसिया, विधायक अमित मंडल आदि शामिल होंगे. इससे पूर्व ऐतिहासिक हजारीबाग स्टेडियम परिसर में नामांकन- सह- आशीर्वाद सभा का आयोजन होगा, जिसमें सभी पांचों विधानसभा क्षेत्र से हजारों कार्यकर्ताओं का जनसैलाब उमड़ेगा.

महावीर स्थान में करेंगे पूजा-अर्चना

नामांकन दाखिल करने से पूर्व मनीष जायसवाल सुबह 11:00 बजे विशेश्वर दयाल जायसवाल पथ अवस्थित अपने आवासीय परिसर से माता पिता का आशीर्वाद लेकर निकलेंगे. महावीर स्थान चौक पर महावीर मंदिर में बजरंगी बली सहित अन्य देवी-देवताओं की पूजा अर्चना करेंगे और फिर यहां से हजारों समर्थकों के साथ पदयात्रा करते हुए झंडा चौक- भगत सिंह चौक - बंशीलाल चौक- बिरसा चौक होते हुए हजारीबाग स्टेडियम (कर्जन ग्राउंड) पहुंचेंगे.

नामांकन सभा में उपस्थित होने की अपील

जायसवाल ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की विवेकशील जनता, बुद्धिजीवी-अमन पसंद नागरिकों, एनडीए में शामिल सभी राजनीतिक दलों के समर्पित कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर नामांकन सभा को सफल बनाने और लोकसभा चुनाव में अपना आशीर्वा,द स्नेह और प्यार देने की अपील की है. उन्होंने कहा कि हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र की जनता ने जिस उम्मीद और विश्वास के साथ मुझे लगातार दो बार हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र की सेवा और प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया उसका मैंने पूरी निष्ठा, ईमानदारी, लगन और तत्परता के साथ निर्वाह किया. इसी का नतीजा हुआ कि मुझे विश्व के सबसे बड़ी राजनीतिक दल भाजपा से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र का प्रत्याशी बनाया गया.

मंगा बगीचा से निकेलगा जुलूस

हजारीबाग के भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने कहा कि मनीष जायसवाल का नामांकन कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा. करीब 50 हज़ार से अधिक लोगों की भीड़ उमड़ने की संभावना है. नामांकन सभा स्थल कर्जन ग्राउंड में टेंट- पंडाल लगाया गया है ताकि धूप और गर्मी से लोगों को राहत मिले. पूरे मैदान को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि हजारीबाग क्षेत्र के लोग मंगा बगीचा में जमा होंगे और यहां से जुलूस की शक्ल में सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल के साथ जनसभा स्थल पहुंचेंगे.

प्रेस वार्ता में ये रहे उपस्थित

प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से लोकसभा प्रभारी शशि भूषण भगत, रामगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, लोकसभा सह-संयोजक रणंजय कुमार उर्फ़ कुंटु बाबु, हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के संयोजक शंकर लाल गुप्ता, हजारीबाग सदर विधानसभा प्रभारी प्रो. संजय सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य के.पी.ओझा, अनिल मिश्रा, सुदेश चंद्रवंशी, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक यादव आदि उपस्थित थे.

फॉरेस्ट विभाग ने कराया था काम, कंपनी कर चुका है भुगतान

12 माह की मजदूरी बकाया दाने-दाने को मोहताज मजदूर

शुभम संदेश विशेष

उमेश चौबे। हजारीबाग

जिले के कई मजदूर इन दिनों परेशान हैं. उनका आरोप है कि फॉरेस्ट विभाग 12 माह से उनकी मजदूरी नहीं दे रहा है. बड़कागांव प्रखंड के उरीमारी के मजदूरों का कहना है कि परिवार को पालने के लिए मजदूरी करते हैं. हमारे पास न कोई बैंक सेविंग है, न ही कोई खेती-बाड़ी. ऐसे में हम प्रत्येक दिन कमाते हैं और खाते हैं, लेकिन फॉरेस्ट विभाग काम करवा कर पैसा नहीं दे रहा है. 12 महीने की मजदूरी बकाया है. ऐसे में हम मजदूर काफी परेशान हैं और दाने-दाने के लिए मोहताज हो गए हैं. मजदूरों ने यह भी कहा कि कई बार फॉरेस्टर से लेकर डीएफओ को इसकी सूचना दी. लेकिन इसके बावजूद आज तक भुगतान नहीं किया गया. केवल आश्वासन दिया जाता है. अब डीएफओ से मिलने के लिए हजारीबाग शहर जाना पड़ेगा, जिसके लिए किराया नहीं है.

फॉरेस्ट विभाग को हो चुका है भुगतान, लेकिन मजदूरों को नहीं मिली मजदूरी : देवराज मांझी

इस संबंध में उरीमारी के मजदूर संजुल मांझी ने बताया कि सीसीएल में काम चल रहा था, जिसका कांटेक्ट फॉरेस्ट विभाग को मिला था. यह चार करोड़ रुपये की योजना थी और मजदूरों को दैनिक मजदूरी पर लगाया गया था. अब सीसीएल में काम भी खत्म हो चुका है और फॉरेस्ट विभाग को भुगतान भी हो चुका है. इसके बावजूद फॉरेस्ट विभाग हम मजदूर का भुगतान नहीं कर रहा है. वहीं मजदूर प्रमोद यादव की 18 माह की मजदूरी बाकी है, जबकि रेखा देवी, सरिता देवी, लाल धारी मुर्मू, महीना शंकर के 15 दिन, राजू उरांव के 15 दिन एवं कई मजदूर की दो दो सप्ताह की मजदूरी बकाया है. मजदूरों ने बताया कि फॉरेस्ट विभाग के पास जाते हैं तो वह चेक क्लियर नहीं होने की बात कहता है.

मनरेगा योजना के तहत बहुत कम मिलती है मजदूरी

इधर, मजदूर दिवस को लेकर मजदूरों का कहना है कि हम मजदूर हैं और रोजी-रोटी के लिए काम करते हैं. सरकार मनरेगा योजना के तहत जो राशि दे रही है वह बहुत कम है. हम मनरेगा के माध्यम से काम कम कर पाते हैं और काम भी कम मिलता है, जिसकी वजह से दूसरे राज मजदूरी के लिए जाते हैं. इस संबंध में डीएफो सबआलम के मोबाइल नंबर 89877 90206 पर पक्ष लेने के लिए पांच बार फोन लगाया गया पर उन्होंने फोन नहीं उठाया.

जय प्रकाश भाई पटेल आज करेंगे नामांकन

संवाददाता। हजारीबाग

हज़ारीबाग़ लोकसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल आज अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे. नामांकन दाखिल करने के बाद वह समाहरणालय भवन से समर्थकों के साथ जुलूस की शक्ल में जिला स्कूल मैदान पहुंचकर जनसभा करेंगे. जनसभा में झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, मंत्री सत्यानंद भोक्ता समेत कई विधायक एवं पूर्व विधायक शिरकत करेंगे. नामांकन रैली और जनसभा को लेकर इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं में उत्साह चर्म पर है. कार्यक्रम को

सफल बनाने में कार्यकर्ता ज़ोर-शोर से लगे हुए हैं. कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के सभी दलों से हज़ारों कार्यकर्ताओं के पहुंचने की उम्मीद है.

इतिहास लिखेगा हज़ारीबाग़ : जेपी भाई पटेल : नामांकन रैली से पहले जेपी भाई पटेल ने कहा कि झारखंडवासियों के खून में उलगुलान है. यहां के लोगों ने ही सबसे पहले अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान किया था. सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ टेकलाल बाबू ने लड़ाई लड़ी थी. झारखंड आंदोलन में उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए राज्यसभा में अलग राज्य का बिल पास कराया था. आगे कहा कि जिस मकसद के साथ झारखंड को हमने लड़कर अलग कराया था, आज केंद्र की भाजपा सरकार उसे पूरा नहीं होने दे रही. यहां के जल जंगल को पूंजीपतियों को सौंपा जा रहा है. सरना धर्म कोड को मोदी सरकार मंजूरी नहीं दे रही. ख़ातियानी नियोजन नीति को भाजपा के इशारे पर रोक दिया गया मगर अब वक्त आ गया है उलगुलान करने का. हज़ारीबाग़ के मतदाता इस बार कांग्रेस को वोट कर के राजनीतिक उलगुलान करेंगे.

संजय मेहता ने दाखिल किया नामांकन

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से जेबीकेएसएस समर्थित प्रत्याशी संजय मेहता ने मंगलवार को नामांकन दाखिल किया. इससे पहले संजय मेहता की नामांकन रैली मटवारी गांधी मैदान से निकली और हज़ारीबाग समाहरणालय स्थित निर्वाचन कार्यालय पहुंची. रैली में झारखंडी योद्धा जयराम महतो समेत हज़ारों की संख्या में झारखंडी क्रांतिकारी व समर्थक दिखे. मेहता ने कहा कि नामांकन के दौरान 40 डिग्री तापमान और चिलचिलाती धूप में हज़ारों समर्थकों ने यह संदेश दिया है कि हज़ारीबाग की जनता परिवर्तन के मूड में है. इस बार जनता उसे ही वोट करेगी जो झारखंडी मुद्दों को उठाता है.

स्थानीयता, नियोजन, पुनर्वास, विस्थापन और सामाजिक न्याय की बात करता है. अपने समर्थकों के बीच संजय मेहता ने नामांकन पश्चात हज़ारीबाग लोकसभा क्षेत्र के लिए विकास के नए कीर्तिमान गढ़ने की बात कही.

उन्होंने कहा कि समर्पित सेवा भाव से अपनी माटी का सेवा करना ही मेरा लक्ष्य है. जिस तरह तीन वर्षों से झारखंड बचाने के लिए जनता की आवाज बुलंद की है उसी तरह आगे भी झारखंडियत की आवाज बुलंद करता रहूंगा. वहीं जयराम महतो ने जनता से संजय मेहता का समर्थन करने की अपील की.

काला कारोबार पर वन विभाग की छापेमारी

35 टन अवैध कोयला बरामद

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग में हो रहे अवैध कोयला कारोबार को लेकर वन विभाग की टीम ने कार्रवाई की है. सोमवार को वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए बड़कागांव थाना क्षेत्र के रावतपारा जंगल में छापेमारी की. इस दौरान रावतपारा जंगल में संचालित अवैध कोयला खदान से खनन कर डंप कुल 35 टन यानी 17 ट्रैक्टर अवैध कोयला बरामद किया गया. मामला दर्ज करने को लेकर अवैध रूप से खदान चला रहे संचालक व उसमें सम्मिलित लोगों को चिह्नित किया जा रहा है.

15 दिन पहले भी हुई थी छापेमारी

15 दिन पहले भी वन विभाग की टीम ने इंदिरा कोयला खदान से खनन कर लुरुंगा जंगल में डंप किया हुआ 22 ट्रैक्टर व एक हाईवा अवैध कोयला बरामद किया था. 15 दिनों के अंदर अब तक कुल 39 ट्रैक्टर और एक हाईवा अवैध कोयला बरामद किया गया. गौरतलब है कि गिद्दी, चुरचू और बड़कागांव थाना क्षेत्र में अवैध कोयला का कारोबार रुक-रुककर जारी है, ताकि ऐसा लगे कि इस अवैध कारोबार में जिम्मेदार अफसरों की कोई सहभागिता नहीं है. पर यह सच नहीं है. इस बार तो कुछ अलग ही हुआ है. जिम्मेदारों ने एडवांस में अपनी कमाई वसूल ली है.

विभावि में साहित्य महोत्सव युफोरिया का हुआ आयोजन

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. रिजवान अहमद के मार्गदर्शन में साहित्य महोत्सव युफोरिया 2024 का आयोजन मंगलवार को किया गया. डॉ. रिजवान ने साहित्यिक उत्सव का उद्देश्य बताते हुए कहा कि एक साहित्य उत्सव में लेखक कवियों का जमावड़ा होता है परंतु यह विभागीय साहित्य उत्सव का उद्देश्य हमारे विधार्थियों में साहित्य के प्रति रूझान को बढ़ावा देना है उन्होंने बताया कि इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने वाला यह पहला विभाग है. इससे विधार्थियों में योग्यता अभिवृद्धि एवं बौद्धिक विकास होता है. इस कार्यक्रम में विभावि के कुलपति सह कमीशनर, उतरी छोटानागपुर मन कैथरीन किस्पोट्टा एवं रजिस्ट्रार डॉ. मो आलम मुख्य अतिथि रहे. इस दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिनमें झांकी, एकल गीत, कविता प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, समूह गीत शामिल रहे. मौके पर विभावि के सहायक प्रोफेसर नीरज डांगी, डॉ गंगानन्द सिंह, रिसर्च स्कॉलर्स रुस्तम अंसारी, फहिमा परवीन, श्रेया मणि, फ़िरदौस शहनाज़ आदि मौजूद थे.

खुशी क्लास व चौपाल में सभी ने लिया संकल्प, बोले- हम बनेंगे खुशी दूत

सकारात्मकता से मिलती है मंजिल

संवाददाता। मांडू (रामगढ़)

एसएस प्लस टू हाई स्कूल, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में मंगलवार को खुशी क्लास और मांडू चट्टी में खुशी चौपाल का आयोजन किया गया. लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची और खुशी क्लास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित खुशी क्लास को संबोधित करते हुए संस्थापक सह संचालक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि तनाव को अपने जिंदगी में आस-पास भी फटकने नहीं देना है. सकारात्मकता से खुशी जगती है और यही खुशी मंजिल तक ले जाती है. यूं कहें सकारात्मकता ही आपको सफलता दिलाएगी. चौहान ने सकारात्मकता के ताकत से संबंधित कहानी भी सुनाई.

कहा कि एक गांव में दो मित्र थे. गांव की पांच किमी की परिधि में तकरीबन 30 गांव थे. पढ़ाई के लिए एकमात्र प्राथमिक विद्यालय था. एक मित्र सोचता, यहां शिक्षा के लिए कुछ होना चाहिए. दूसरे मित्र ने सोचा, मुझे अपने गांव के लिए कुछ करना है. वह अपने खेतिहर जमीन का एक टुकड़ा बेच कर गांव में स्कूल बनाने लगा. उसका हौंसला देख ग्रामीणों ने भी मदद शुरू कर दी. 3 - 4 साल के अंदर उसका स्कूल पूरे एरिया में प्रसिद्ध हो गया. वहां दो हजार छात्र हो गए. उसकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो गई. पहला मित्र सोचता रहा, दूसरा मित्र बाजी मार ले गया. आप देखें, एक दोस्त सिर्फ सोचता रहा, दूसरों पर दोष मढ़ता रहा. यह असफलता, निराशा और नकारात्मकता का प्रतीक है, जबकि दूसरे दोस्त ने अपने बूते परिवर्तन की लहर बहा दी. यही विजेता की पहचान है.

विजेता बोलते हैं कि मुझे कुछ करना चाहिए : चौहान

चौहान ने कहा कि शिव खेरा की सुनें "विजेता बोलते हैं कि मुझे कुछ करना चाहिए, जबकि हारने वाले बोलते हैं कि कुछ होना चाहिए. साथ ही धीरूभाई अंबानी की भी सुन लें " बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे की सोचो क्योंकि विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है. अंत में चौहान ने छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों से आग्रह किया कि अगर उन्हें कहीं लगता है कि कोई तनाव में है, खुशी क्लास से संपर्क कर सकते हैं. नि:शुल्क उन्हें हरसंभव मदद पहुंचाई जाएगी. मुखिया अनिता देवी, मुखिया बैजनाथ राम, समाजसेवी छोटेलाल भुइंया के अलावा शिक्षक सुनील कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किये. कस्तूरबा स्कूल में वार्डन प्रकाशवती और रेणु जायसवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया. इधर, मांडू चट्टी के चौपाल में अमरेंद्र कुमार गुप्ता, दीपक कुमार, नेहरू लाल, रविंद्र कुमार आदि ग्रामीण मौजूद थे.

कांग्रेस के प्रत्याशी को समर्थन देने का निर्णय

हजारीबाग। जाने माने समाजसेवी व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह की अध्यक्षता में सदर प्रखंड के प्रमुख उप प्रमुख एवं सभी चुने हुए पंचायत समिति सदस्यों ने कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जेपी भाई पटेल को लोकसभा चुनाव में समर्थन देने का फैसला किया है. बैठक में सभी ने एकजुटता से कहा कि हजारीबाग में हमें एक ईमानदार और साफ छवि के व्यक्तित्व को लाने की आवश्यकता है जो जमीन से जुड़ा हो एवं जिसके लिए हजारीबाग के लोग अधिक महत्वपूर्ण हो न एक व्यापारी जिसने पद पर रहते हुए सिर्फ अपना व्यापार को बढ़ाया हो. इस दौरान राजद जिला अध्यक्ष चरका यादव, सदर प्रमुख वीना देवी प्रमुख, प्रतिनिधि गणेश मेहता, उप प्रमुख रविकांत सिंह, पंचायत समिति सदस्य रवि बृजेश सिंह, अशोक यादव, मोहम्मद मजहर, अनीता देवी, मुन्ना मेहता, डॉ प्रदीप, एडवोकेट सतीश, राजेंद्र, नीलिमा देवी, सुरेश प्रसाद, मुकेश कुमार, बसंत जी, ललू यादव, दिनेश यादव, राजकुमार, पंकज, रवि लकड़ा दिनेश यादव, शेरू खान इत्यादि उपस्थित थे.

संकट नल जल योजना से लोगों का उठा विश्वास, केंद्र व राज्य सरकार पर उठ रहे सवाल

पानी चोरी न हो इसके लिए अब कुएं में लगने लगा ताला

प्रमोद उपाध्याय/रंजना कुमारी

जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती जा रही है वैसे-वैसे लोगों का नल जल योजना से विश्वास उठता जा रहा है. लोगों ने तो अब नल जल का इंतजार करना भी छोड़ दिया है. इतना ही नहीं, सरकार के ऊपर से भी विश्वास उठता जा रहा है. वहीं ग्रामीण इलाकों में स्थित कुछ निजी कुओं पर मालिक इस बात से डर कर ताले लगा रहे हैं नल जल योजना से लोगों को पानी नहीं मिलेगा तो वे रात में उनके निजी कुओं से पानी चोरी कर लेंगे. ऐसे में वे कुओं को जंजीर से बांध दिया है. जिले के इचाक, पदमा, कटकमसांडी, कटकम दाग, बड़कागांव, केरेडारी

और सदर प्रखंड में पानी का भारी संकट उत्पन्न हो गया है. ग्रामीण पानी की व्यवस्था के लिये 4:00 बजे सुबह उठकर सरकारी स्कूल से पीने के लिए पानी लाते हैं और नहाने, कपड़ा साफ करने के लिए उन्हें आसपास के खदान में जमा पानी का इस्तेमाल करना पड़ता है. इचाक प्रखंड के तिलरा कवातू, भुशवा, नावाडीह, रहीया, कलवारा बांध, डुमरौन क्षेत्र में नल जल योजना के तहत कई जल मीनार बनाये गये थे, लेकिन आधे से अधिक जलमीनार बेकार पड़े हुये हैं. किसी में पानी नहीं तो किसी में नल फटा हुआ है. ऐसे में केंद्र व राज्य सरकार पर नाराजगी जाता रहे हैं.

क्या कहते हैं ग्रामीण

तिलरा के ग्रामीण काशी, अरुण राणा, भीम सिंह, सत्येंद्र सिंह, छात्रधारी राणा कारू ने बताया कि नल जल योजना के बारे में कहा गया था कि अब आम लोगों को भी शहर के लोगों के जैसा नल से पानी मिलेगा, लेकिन यह योजना केवल दिखावा थी. योजना केवल अधिकारी और ठेकेदार की अवैध कमाई के लिए बनाई गई थी. ठेकेदार ने अधिकारी को कमीशन देकर टेंडर ले लिया और जैसे तैसे थोड़ा बहुत काम करवा कर फरार हो गया. अब वह देखने के लिए भी तैयार नहीं है. कई मशीन खराब हैं. ठेकेदार को बताया जाता है, लेकिन वे बहाने बनाते रहते हैं.

क्या कहते हैं ठेकेदार

इस संबंध में इचाक प्रखंड के पश्चिम क्षेत्र के ठेकेदार से पूछा गया तो उसने कहा कि हमारी सभी नल जल योजना काम कर रही हैं. सभी के घरों में नल लगा दिया गया है और पानी भी दिया जा रहा है. वहीं इस संबंध में जल स्वच्छता विभाग के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर मनोज कुमार मुंडारी ने बताया कि यह मामला गंभीर है. आज ही इसकी जांच करवायी जाएगी.

कस्तूरबा विद्यालय का रिजल्ट शत-प्रतिशत

संवाददाता। बड़कागांव

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का इंटरमीडिएट का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा. कुल 49 छात्राओं ने परीक्षा दी थी, जिनमें 47 छात्राएं प्रथम श्रेणी एवं दो छात्राएं द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुई हैं. नेहा कुमारी ने 423 अंक लाकर टॉपर रही, जबकि द्वितीय टॉपर नेहा कुमारी 412 अंक प्राप्त किये. तृतीय टॉपर टिंकल कुमारी ने 401 अंक प्राप्त किये. वहीं किरण कुमारी ने 499 अंक, काजल कुमारी ने 397 अंक, प्रीति कुमारी ने 395 अंक, किरण कुमारी ने 394 अंक, चंचल कुमारी ने 390 अंक, प्रिया कुमारी ने 387 अंक एवं पुष्पांजलि कुमारी ने 383 अंक लाकर विद्यालय टॉप 10 में जगह बनाई है. सभी सफल छात्राओं को बीआरपी अभय कुमार, सीआरपी दीपक कुमार, विद्यालय के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष होरील महतो, वार्डेन लीलावती कुमारी, लेखापाल सोनी महतो, शिक्षिका निशि रानी, किरण, संगीता, रुबी, शिक्षक सीताराम महतो, चिंतामणि महतो सहित अन्य लोगों ने बधाई दी है।

परियोजना प्लस टू हाई स्कूल का शानदार प्रदर्शन

चरही। जैक द्वारा जारी इंटरमीडिएट के परीक्षा फल में चरही के परियोजना प्लस टू हाई स्कूल के प्रभारी प्राचार्य पारसनाथ महतो ने जानकारी देते हुए बताया कि साइंस में कुल 59 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए. इनमें 33 प्रथम श्रेणी, 5 द्वितीय श्रेणी और 21 फेल हुए. साहिद हुसैन ने 402, प्रीति कुमारी ने 398, मनताशा ने 395, जिया वत्स ने 393 और सुशिल कुमार ने 389 अंक प्राप्त किये. आर्ट्स में कुल 256 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें प्रथम 84, द्वितीय 138, तृतीय 4 और 29 फेल रहे. प्रथम शाहीन परवीन ने 434, शेखर ठाकुर ने 394, सितायत ने 373, हीना ने 368, कर्ण कुमार ने 365 अंक प्राप्त किये. वहीं कॉमर्स में कुल 9 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें प्रथम 6, द्वितीय 1, तृतीय 1 और 1 फेल हुए. शनि कुमार ने 388, गुलनाज परवीन ने 347, आशीष कुमार ने 334, भारती पटेल ने 325 और आकाश टुडू ने 323 अंक प्राप्त किये.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पिता भाव में चन्द्र है. समय बहुत ही उत्तम है. धर्म में मन लगेगा. पिता से लाभ होगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. निवेश शुभ रहेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. विवाह के लिए किए प्रयास सफल रहेंगे. संतान की चिंता रहेगी. शिक्षा में लाभ होगा.

वृषभ ससुराल से सहयोग मिलेगा. निवेश शुभ नहीं होगा. शुभ समाचार मिलेंगे. विवाद न करें. किसी की जमानत देने का जोखिम न लें. कोई गलत कार्य होने से भविष्य की चिंता रहेगी. पुरानी पीड़ा से ग्रस्त रहेंगे. धर्म में मन लगेगा.

मिथुन बेकार के कार्य और बहस से बचें. कार्य सोच-विचार कर ही करें. किसी से विवाद होगा. मिज़ाज खुशनुमा रहेगा. बेरोजगारी दूर होगी. विरोधी परास्त होंगे. जीवन आध्यात्म की तरफ मुड सकता है. बोलने से पहले विचार करें.

कर्क कर्म और व्यापार से लाभ होगा. समय रहते अपने कार्यों का विभाजन कर लें. जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी. विवाद से बचते हुए फालतू खर्च से बचें. अस्वस्थता के कारण मन खिन्न रहेगा. माता दुर्गा का पूजन करें.

सिंह रुका हुआ धन मिलने की संभावना के बीच यात्रा से लाभ होगा. अपनी आदतों को बदलें और प्रयास करें कि जो भी फैसला लें उस पर कायम रहें. सन्तान से मतभेद होगा. चीनी और सत्तू का दान करें. सूर्य को जल अर्पण करें.

कन्या व्यवसाय में नई योजना लागू होगी. कार्यस्थल में बदलाव संभव है. अनाज तिलहन के निवेश, नौकरी व यात्रा से लाभ होगा. अपनों से मन की बात कहने का अवसर मिलेगा. जल के साथ फल का दान करें.

तुला भाई के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. पराक्रम से कार्य बनेगा. सोचे कार्य समय पर होने से मन प्रफुल्लित रहेगा. रचनात्मक कार्यों में रुचि रहेगी. नौकरी में भागदौड़ रहेगी. घर-परिवार में चल रहे विवादों के कारण चिंतित रहेंगे. दूध का दान करें.

वृश्चिक आय अच्छा होगा. किया गया कार्य का लाभ मिलेगा. पराक्रम से कार्य सिद्ध होगा. नया वाहन, मशीनरी पर धन खर्च होगा. पारिवारिक कार्यक्रमों में भागदौड़ अधिक होगी. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. हनुमान जी का पूजन ध्यान करें.

धनु धन का आगमन होगा. समय अच्छा परिणाम देगा. कोई बड़ा कार्य होगा. परिणय कार्य की रुकावटें दूर होंगी. संतान सुख मिलेगा. अपने हुनर को दिखाने का अवसर मिलेगा. किसी की सुनी सुनाई बातों से दूर रहें.

मकर रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल होंगे. कोई छोटा निवेश शुभ रहेगा. दिनचर्या व्यस्त रहेगी. संपत्ति के कार्य लाभ देंगे. भोजन सोच विचार कर ही करें. पेट सम्बंधित रोग सम्भव है. प्रियजन को मन की बात बताने का अवसर मिलेगा.

कुंभ खर्च अधिक होगा. कार्य सोच विचार कर ही करें. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. यात्रा मनोनुकूल रहेंगी. परिवार में बुजुर्गो का साथ मिलेगा. काली वस्तु का दान करना चाहिए.

मीन आय के लिए दिन अच्छा है. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. खर्च अधिक होने से मन खिन्न होगा. निजी जीवन में तनाव रहेगा. नौकरी में परिश्रम अधिक होगा. कार्यस्थल पर विवाद से बचें. चोरी आदि से हानि हो सकती है. सावधानी बरतें.

गुड़गांव की युवती को न्याय की दरकार

गावां। हरियाणा स्थित गुड़गांव की एक युवती ने गावां थाना में आवेदन देकर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाई है. युवती का कहना है कि मैं हरियाणा के गुड़गांव शहर में रहकर जॉब करती थी. इस दौरान गावां थाना क्षेत्र के भेलवा गांव निवासी सचिन कुमार वर्मा, पिता राजकुमार प्रसाद वर्मा ने मुझे प्रेम जाल में फंसा कर मेरे साथ विवाह किया. लगभग आठ माह हमलोग एक साथ रहे. वर्तमान में मैं गर्भवती हूं. 15 दिन पूर्व वह मेरा जेवर व नगदी लेकर वहां से फरार हो गया. समाचार लिखे जाने तक उक्त युवती थाना गेट के पास बैठी थी. उसका कहना है कि जब तक मुझे न्याय नहीं मिलेगा, गावां थाना गेट पर धरने पर बैठी रहूंगी.

केशव मौर्य की लेस्लीगंज में चुनावी सभा कल

मेदनीनगर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 2 मई को लेस्लीगंज स्थित मध्य विद्यालय मैदान में चुनावी सभा करेंगे. उक्त जानकारी पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशि भूषण मेहता ने दी. विधायक डॉ मेहता ने बताया कि गुरुवार को दिन के 1:30 बजे से आयोजित सभा में उपमुख्यमंत्री श्री मौर्य चतरा संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के समर्थन में मतदाताओं से मतदान की अपील करेंगे. विधायक डॉ मेहता ने क्षेत्रवासियों से अधिकाधिक संख्या में चुनावी सभा में पहुंचकर केशव प्रसाद मौर्य द्वारा प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने की अपील की.

जापान से श्रद्धालुओं ने बाबा मंदिर में की पूजा

देवघर। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर धर्म और अध्यात्म की नगरी है. यहां देश-विदेश से श्रद्धालु बाबा मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं. जापान से आए 20 श्रद्धालुओं ने मंगलवार को बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की. इन लोगों ने संध्या पूजा में भी भाग लिया. जापान से आए श्रद्धालुओं के पुरोहित ने बताया कि यह टोली 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए निकली है. बाबा बैद्यनाथ धाम 12 ज्योतिर्लिंग में से एक है. इसे मनोकामना शिवलिंग भी कहा जाता है. टूर गाइड ने बताया कि 20 भक्तों की यह टोली दो दिन पहले दिल्ली से देवघर के लिए रवाना हुई थी.

हंटरगंज में भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के पक्ष में आयोजित जनसभा में मध्य प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव शामिल हुए

कांग्रेस पार्टी हिंदुत्व के प्रति नफरत फैला रही है : डॉ मोहन यादव

संवाददाता। चतरा

जिले के हंटरगंज में भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के पक्ष में आयोजित जनसभा में बतौर मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव शामिल हुए. इस मौके पर अपने संबोधन में डॉ मोहन ने कहा कि कांग्रेस देश में हिंदुत्व के प्रति नफरत फैलाने का प्रयास कर रही है. जिसे देश की जनता मुंहतोड़ जवाब दे रही है. उन्होंने कहा कि आज देश का बच्चा-बच्चा रामभक्ति में लीन है. सभी जानते हैं कि राम का जन्म कहां हुआ था और राम जन्मभूमि कहां है. डॉ मोहन ने लोगों से देश के बच्चों के भविष्य के लिए कमल को खिलाने की अपील की. उन्होंने भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की. यादव ने कहा कि देश के लोग अपना व अपने बच्चों का भविष्य नरेंद्र मोदी के हाथों में बेहतर होता देख रहे हैं. पूर्व की सरकार में देश में आतंकी घटनाएं होती थी. आतंकवादी भारत में आकर घटना का अंजाम देते थे. पूर्व पीएम मनमोहन सिंह यह कहकर निकल जाते थे कि पाकिस्तान मान ही नहीं रहा है. उन्होंने कहा कि जबसे 56 इंच सीनावाले व्यक्ति नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं, तब से आतंकवादी घटनाएं रुक गयी हैं. आतंकवादियों को घर में घुस कर मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है. यह सब पीएम नरेंद्र मोदी ने कर दिखाया है. 70 वर्षो से कोर्ट में लटका राम मंदिर का मामला पांच वर्षों में सुलझाकर पीएम नरेंद्र मोदी ने मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कर राष्ट्र को समर्पित कर दिया. उन्होंने कहा कि मोदी जो कहते हैं, उसे करके दिखाते हैं. कोविड के समय टीका लगाकर सैकड़ों लोगों की जान बचायी, लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी टीका को मोदी का टीका बताते रहे. उन्होंने कहा कि आम लोगों की मांग पर ही इस बार भाजपा द्वारा स्थानीय व्यक्ति को प्रत्याशी बनाया गया है. मौके पर लगभग 100 लोगों ने भाजपा का दामन थामा. प्रतिपक्ष नेता अमर कुमार बाउरी ने पार्टी प्रत्याशी को रिकॉर्ड मतों से विजय बनाने की अपील की. पार्टी प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने कहा कि जनता मौका दें, क्षेत्र का विकास करूंगा.

भाजपा प्रत्याशी

- आज देश का बच्चा-बच्चा राम की भक्ति में लीन हो चुका है
- लोग बच्चों का भविष्य मोदी के हाथों में बेहतर होता देख रहे हैं

मई दिवस विशेष : मजदूरों को तीन वक्त की रोटी के लिए सोचना पड़ता है

सुबह निकलते हैं घर से, फिर भी शाम को चूल्हा जलने की गारंटी नहीं

शुभम संदेश
मजदूर दिवस
खास

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर पूरे विश्व में लौह-इस्पात के लिए जाना जाता है. इसमें मूलतः मजदूरों की भूमिका महत्वपूर्ण है. बावजूद यहां ऐसे भी मजदूर हैं, जिन्हें तीन वक्त की रोटी के लिए भी सोचना पड़ता है. देखा जाये, तो यहां मजदूरों का तीन वर्ग है. इसमें बड़ी कंपनियों में काम करने वाले संगठित क्षेत्र और ठेका मजदूर शामिल हैं. इनके अलावा तीसरा वर्ग वह है, जिनकी हर दिन मंडी लगती है. इन मजदूरों को एक वक्त की रोटी के लिए भी सोचना पड़ता है. जिन्हें किसी दिन काम मिल भी जाता है, तो उन्हें मजदूरी को लेकर मोल-भाव का सामना करना पड़ता है.

जुगसलाई और मानगो में मजदूरों की मंडी : पूरे कोल्हान के तीनों जिलों व पड़ोसी राज्य ओड़िशा के रायरंगपुर व आसपास के क्षेत्रों से व्यापारी थोक खरीदारी के लिए जुगसलाई आते हैं. इसी तरह जुगसलाई के चौक बाजार में सुबह मजदूरों की भी मंडी लगती है. महिला-पुरुष मजदूर शहर से सटे ग्रामीण इलाकों से तो इस मंडी में आते ही हैं. इनके अलावा जिले (पूर्वी सिंहभूम) के हाता, हल्दीपोखर, हैसल, पोटका आदि क्षेत्रों में स्थित सुदूरवर्ती गांवों से साइकिल से करीब 25-30 किलोमीटर की दूरी तय कर दिहाड़ी मजदूरी की तलाश में आते हैं. सुबह करीब 7:00 बजे ही ये दिहाड़ी मजदूर टिफिन में पानी-भात, नमक-मिर्च लेकर पहुंच जाते हैं. इनकी आंखें मंडी में आनेवाले हर व्यक्ति को इस उम्मीद से देखती हैं कि शायद काम मिल जाये, तो आज शाम घर में चूल्हा जल जायेगा. इसी तरह मानगो चौक पर भी इसी तरह की मंडी लगती है, जहां गालूडीह, कांदरबेड़ा समेत अन्य क्षेत्रों से मजदूर आते हैं. इनकी भी कमोबेश यही स्थिति है.

किसी तरह परिवार पाल लेते हैं

मंडी में आये भजोहरि ने बताया कि चाहे कोई भी मौसम हो, वह सुबह करीब चार बजे घर से टिफिन लेकर अपनी साइकिल से निकल जाते हैं. भजोहरि ने खुद को पोटका निवासी बताया. उसने बताया कि सप्ताह में तीन-चार दिन भी काम मिल जाता है, तो किसी तरह परिवार पाल लेते हैं. चूंकि पति-पत्नी दोनों मजदूरी करते हैं. इसलिए किसी तरह घर चल जाता है. लेकिन कभी-कभी तो सप्ताह में दो दिन भी काम नहीं मिलता. कभी ऐसा भी होता है, उसकी पत्नी को काम मिल जाता है, तो उसे मंडी में इंतजार मात्र से ही संतोष कर लौट जाना पड़ता है. यहां कई लोग ऐसे भी आते हैं, तो तय पारिश्रमिक से कम पर काम लेना चाहते हैं. इस स्थिति में भी सुबह 9:00 या 10:00 बजे तक सही पारिश्रमिक देने वाले का इंतजार कर लौट जाना पड़ता है.

शोषण के शिकार

ठेका मजदूर हों या दिहाड़ी. जानकार बताते हैं कि विशेषकर इन दोनों वर्ग के मजदूर शोषण के शिकार हैं. ठेका मजदूरों को पीएफ, ईएसआई की सुविधा मिलती है, पारिश्रमिक भी समय पर मिल जाता है, लेकिन ऐसे कई ठेकेदार हैं, तो निर्धारित समय सीमा से अधिक काम करने के एवज में ओवर टाइम का वाजिब भुगतान नहीं करते. दूसरी ओर दिहाड़ी मजदूरों को न पीएफ की सुविधा मिलती है और न ही ईएसआई की. जबकि अधिकतर दिहाड़ी मजदूरों से काम लेनेवाले निर्माण क्षेत्र के ठेकेदार ही होते हैं.

सिमडेगा पहुंचे के. रवि कुमार चुनाव तैयारियों का लिया जायजा

संवाददाता। सिमडेगा

लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए झारखंड राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार मंगलवार को सिमडेगा पहुंचे. मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय कुमार सिंह ने पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने सिमडेगा शहरी क्षेत्र के राज्यकीयकृत मध्य विद्यालय ठाकुर टोली स्थित मतदान केंद्र संख्या 156,157,158 का जायजा लिया. बीएलओ से उनके क्षेत्र में मतदाताओं एवं मतदान के लिए किए जा रहे तैयारियों के बारे में पूछताछ की. के. रवि कुमार ने पिछले चुनाव में कम मतदान वाले मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. राज्यकीयकृत मध्य विद्यालय घोचो टोली सिमडेगा के मतदान केंद्र संख्या 141,142,143,144, स्थित मतदान केंद्रों पर पेयजलापूर्ति, शौचालय, मतदान की व्यवस्था आदि की जानकारी ली.

मौके पर जिला के वरीय अधिकारी रहे मौजूद

मतदाताओं को बांटे जाने वाले वोटर इंफॉर्मेशन स्लिप की अद्यतन स्थिति से वे अवगत हुए. इसके बाद मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका उच्च विद्यालय सिमडेगा के मतदान केंद्र संख्या 159,160,162, 163 का निरीक्षण किया. मतदान केन्द्र 162 के बीएलओ व सुपरवाइजर की लापरवाही के कारण उन पर कारवाई करने का निर्देश दिया गया. इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक सौरभ, अपर समाहर्ता ज्ञानेंद्र कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सुमंत तिर्की, उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार महतो, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पलटू महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियार खलखो सहित अन्य उपस्थित थे.

जिला जज दिवेश त्रिपाठी ने किया पदभार ग्रहण

बोकारो। बोकारो के नव नियुक्त जिला जज पोक्सो कोर्ट दिवेश कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया. त्रिपाठी 2019 बैच के न्यायिक पदाधिकारी हैं.

जिला जज में इनकी नियुक्ति 07 अगस्त 2019 को हुई थी. इसके पूर्व त्रिपाठी जामताड़ा झारखंड में जिला जज के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं. मंगलवार को बोकारो कोर्ट में दिवेश त्रिपाठी का इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स की ओर से एसोसिएशन के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि द्वारा गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया. इधर जिला जज तृतीय राजीव रंजन, जिला जज चतुर्थ योगेश कुमार सिंह एवं प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी मीनाक्षी वर्मा को गुलदस्ता देकर विदाई दी गई.

गिरीडीह से निर्दलीय प्रत्याशी डॉ उषा सिंह ने किया नामांकन

बोकारो। गिरीडीह लोकसभा क्षेत्र से बतौर निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मंगलवार को बोकारो मुख्यालय में डॉ उषा सिंह ने नामांकन दाखिल किया. नामांकन के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें सुशासन दल का समर्थन प्राप्त है. गिरीडीह लोकसभा सभा क्षेत्र में सीसीएल, बीसीसीएल तथा तीन थर्मल पावर प्लांट करने के बाद भी यहां के युवा पलायन को विवश हैं. युवा देश के विभिन्न प्रदेशों तथा विदेशों में जाकर रोजी रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरें खाते हैं. इधर घर में बूढ़े मां-बाप को पानी तक देने वाला कोई नहीं रहता. इसके बाद विदेश से हर बार युवाओं का शव ही वापस लौटता है. कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता बंद पड़े खादानों को पुनः चालू करवा कर यहां के युवाओं को यहीं रोजगार उपलब्ध कराना है. इसे मैं करुंगी. डॉ उषा ने कहा कि यहां के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर प्रदेशों पर निर्भर रहना पड़ता है. इसमें खर्च भी अधिक होता है और परिवार की चिंता भी बनी रहती है. कहा कि जनता के आशीर्वाद से लोकसभा सदस्य बनते ही, दो वर्ष के अंदर गिरीडीह लोकसभा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज तथा इंजीनियरिंग कॉलेज बनाने का काम करुंगी. क्षेत्र में स्वास्थ्य केंद्रों का बुरा हाल है.

कोल्हान में साइंस में पूर्वी सिंहभूम बेहतर कॉमर्स में पहले व आर्ट्स में दूसरे स्थान पर

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

झारखंड अधिविद्य परिषद ने मंगलवार को इंटरमीडिएट साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स बोर्ड परीक्षा के परिणामों की घोषणा कर दी. इस बार पूर्वी सिंहभूम समेत पूरे कोल्हान का ओवरऑल रिजल्ट बेहतर रहा है. कॉमर्स और आर्ट्स के जिला (पूर्वी सिंहभूम) टॉपर शहर स्थित स्कूल कॉलेजों से रहे हैं, जबकि साइंस टॉपर बहरागोड़ा मॉडल स्कूल के मिला है. वहीं आदिवासी प्लस टू हाई स्कूल सीतारामडेरा की छात्रा श्रुति कुमारी ने आर्ट्स में राज्य की टॉप टेन सूची में सातवें स्थान पर अपनी जगह बनायी है. तीनों संकाय के जिला टॉपर के मार्क्स के देखा जाये, तो साइंस टॉपर मॉडल स्कूल बहरागोड़ा के छात्र गोविंद दास जाना का रहा है. उन्होंने 462 अंक अर्जित किये हैं. आर्ट्स की जिला टॉपर आदिवासी प्लस टू हाई स्कूल सीतारामडेरा की छात्रा श्रुति कुमारी का कुल प्राप्तांक 454 है. इनके अलावा कॉमर्स टॉपर रहे जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज के छात्र राहुल अग्रवाल का कुल प्राप्तांक 448 है.

सरकारी स्कूलों का रहा बेहतर प्रदर्शन : रिजल्ट में टॉपर्स की संख्या को देखा जाये, तो इस बार साइंस और आर्ट्स में कई विद्यार्थी सरकारी प्लस टू स्कूलों से हैं. उदाहरण के लिए देखा जाये, तो आर्ट्स में ही श्रुति कुमारी आदिवासी प्लस टू हाई स्कूल, सीतारामडेरा, प्रतिमा नायक अष्टकोशी प्लस टू हाई स्कूल भालुकपटड़ा, पियूष कुमार गुप्ता करीम सिटी कॉलेज (अल्पसंख्यक सहायता प्राप्त), लक्ष्मी महतो आरके प्लस टू हाई स्कूल दिघिभुला, लालती कुमारी आदिवासी प्लस टू हाई स्कूल सीतारामडेरॉ, सोमा साव झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, बोड़ाम और कोका हेंब्रम अष्टकोशी प्लस टू हाई स्कूल भालुकपटड़ा, डुमरिया के छात्र हैं. इसके अलावा सरकारी कॉलेजों का भी बेहतर प्रदर्शन रहा है.

बंपर प्लेसमेंट — अर्का जैन यूनिवर्सिटी में एसोसिएट विश्लेषक पद के लिए चला कैंपस ड्राइव

हिताची की ग्लोबल लॉजिक टेक्नोलॉजीज ने 60 छात्रों को किया लॉक

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

वर्ष 2021 में किया था कंपनी का अधिग्रहण, दुनिया भर में 28 हजार से अधिक कर्मचारी

गम्हरिया स्थित अर्का जैन विश्वविद्यालय में गुड़गांव स्थित ग्लोबल लॉजिक टेक्नोलॉजी कंपनी की ओर से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव चलाया गया. इसमें यूनिवर्सिटी में विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत अंतिम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. विभिन्न चरणों की चयन प्रक्रिया के पश्चात कंपनी में विश्वविद्यालय के 60 छात्र-छात्राओं का अंतिम रूप से चयन हुआ, जो एक रिकॉर्ड होने के साथ ही विश्वविद्यालय परिवार समेत लौहनगरी के लिए गौरव का विषय है.

विश्वविद्यालय में एसोसिएट विश्लेषक पद के लिए कैंपस ड्राइव चलाया गया. इसमें विश्वविद्यालय के बीबीए, बीसीओएम, बीसीए, बीए-अंग्रेजी और बीएससी-बायो टेक्नोलॉजी के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. बताया गया कि चयनित छात्र-छात्राओं को 2.2 से 3 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज पर लॉक किया गया है, जिनका जॉब लोकेशन गुड़गांव होगा.

शिक्षकों व विद्यार्थियों की मेहनत व लगन का परिणाम : छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय मैनेजमेंट बोर्ड के अध्यक्ष डॉ एसएस रजी, निदेशक सह कुलसचिव डॉ अमित कुमार श्रीवास्तव, परिसर निदेशक सह डीएसडब्ल्यू डॉ अंगद तिवारी, संयुक्त कुलसचिव डॉ डी धंजल समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उन्हें बधाई देते हुए उनके भविष्य की कामना की है. इसे शिक्षक-शिक्षिकाओं, विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग समेत विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम बताया है.

बता दें कि ग्लोबल लॉजिक कंपनी डिजिटल उत्पाद इंजीनियरिंग सेवाओं में अग्रणी है. वर्ष 2021 में ग्लोबल लॉजिक का हिताची लिमिटेड ने अधिग्रहण किया था. सिलिकॉन वैली में ग्लोबल लॉजिक का मुख्यालय है. यह दुनिया भर में डिजाइन स्टूडियो और इंजीनियरिंग केंद्र संचालित करता है.
उल्लेखनीय है कि 15 देशों में कंपनी में 28,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं.

चयनित छात्र-छात्राएं : ऋषभ रमण शर्मा, संदीप दे, सचिन शर्मा, अनुष्का, प्रीति कुमारी श्यामल, दीप रचित, महिमा कुमारी, मनीषा कुमारी वर्णवाल, स्वाति श्रीवास्तव, अंजिल शर्मा, विशाल साह, नयन कुमार, अनुभव कुमार, सौरव प्रकाश, रिया कुमारी, अनामिका सिंह, सुधा पुनीत साई ईश्वर, अंकित कुमार, आदित्य पाथाडिया, अभिषेक कुमार शर्मा, सानिया गुप्ता, राहुल कुमार, रितिक्षा, सृष्टिका कुमारी, निशा कुमारी, रतन प्रसाद, पुष्पांजलि सिंह सरदार, अनुष्का साह, निकिता कुमारी, निखिल कुमार सिंह, विश्वरूप दास, साहिल केशरी, जसमीत कौर, मोमिता शेखर, राज शर्मा, कुमारी मेघा, रितिक विश्वकर्मा, कुमार शांतनु, मनीषा चौधरी, पायल कुमारी, जागृति दास, आयुष राज, नेहा कुमारी, अनिक पात्रा, अभिमन्यु कुमार सिंह, शिवम तिवारी, ईशाब्रमन, दीपशिखा, श्रेया यागिनी, आदित्य जॉन सुबर्नो, श्रुति कुमारी, विक्रांत सिंह, अदिति मैती, प्रियंका मंडल, जया दास, देवाशीष महतो, अभिषेक कुमार सिंह, अमन कुमार, सुखमति सरदार, आयुष कुमार.

पेज एक का शेष...

आपकी जिंदगी खतरे में...

आईसीएमआर ने अक्टूबर 2021 से मार्च 2023 के बीच 729 ऐसे मामलों का अध्ययन किया था, जिसमें 18 से 45 वर्ष की उम्र के लोगों की मौत हार्ट अटैक से हो गई थी. इन मामलों की तुलना इसी उम्र के 2000 से ज्यादा लोगों के मामलों से की गई, जिन्हें हार्ट अटैक आया था और वो जिंदा बच गए थे. अब एस्ट्रेजेनका के कबूलनामे के बाद आईसीएमआर की स्टडी की विश्वसनीयता भी सवालों के घेरे में आ गयी है.

इस बीच विपक्षी दलों ने कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया व इसके मालिक आदर पूनावाला द्वारा भाजपा को इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए 52 करोड़ रुपए का चंदा देने के मामले को उठाना शुरू कर दिया है. लोकसभा चुनाव के वक्त इस खुलासे की वजह से भाजपा के लिए दिक्कत यह है कि कोविड वैक्सीन बनाने की पूरी प्रक्रिया में केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं थी. ना ही इसके साइड इफेक्ट के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है. लेकिन यह भी सच है कि कोरोना काल में वाहवाही सरकार ने लूटी. होर्डिंग-पोस्टर में मोदी जी को धन्यवाद दिया. वैक्सीन के सर्टिफिकेट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लगी थी. अब इसके नुकसान सामने आ रहे हैं, तो इसे सरकार के साथ से जोड़ कर ही देखा जाने लगा है.

कोविड वैक्सीन से साइड इफेक्ट्स संभव...

एस्ट्राजेनेका ने हाईकोर्ट में वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स को लेकर माना है कि यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड के साथ मिलकर तैयार की गयी कोरोना वैक्सीन से साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं. साइड इफेक्ट्स थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम जैसे भी हो सकते हैं. लेकिन ये बहुत दुर्लभ हैं. हालांकि एस्ट्राजेनेका ने कोर्ट से यह भी कहा कि यह जान लेना भी जरूरी है कि कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाने की स्थिति में भी थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम हो सकता है. ऐसे में ये आरोप लगाना कि वैक्सीन लगवाने के बाद लोग इस सिंड्रोम से जूझ रहे हैं, सही नहीं है. वैक्सीन कोरोना से निपटने में बेहद कारगर है. किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले इन स्टडीज पर नजर डालना जरूरी है. कंपनी ने दलील दी कि वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स बेहद दुर्लभ हैं. कहा कि मरीज की सुरक्षा हमारी सर्वोपरि प्राथमिकता है. हमारी दवाएं उचित मानकों पर खरी उतरी हैं. हमने वैक्सीन सहित सभी दवाओं का सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया है.

क्लीनिकल ट्रायल की भी मानी बातः कंपनी ने कोर्ट के समक्ष यह भी माना है कि एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड वैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल और दुनियाभर में इसकी स्वीकार्यता से जानकारी सामने आयी है कि बड़े पैमाने पर टीकाकरण प्रोग्राम से लोगों को लाभ हुआ है, जो वैक्सीन के संभावित साइड इफेक्ट्स के जोखिम को कम करता है. ट्रायल के दौरान कुछ लोगों को नुकसान पहुंचने की बात भी सामने आई है. कंपनी ने दावा किया कि कोविड-19 महामारी के दौरान वैक्सीन की मदद से दुनियाभर में 60 लाख लोगों की जिंदगियां बचाई गयी हैं. एस्ट्राजेनेका का कहना था कि वैक्सीन लगने के बाद कई तरह की समस्याएं होने का दावा कर रहे लोगों की स्थिति से वे चिंतित हैं. लेकिन कंपनी अभी भी अपने इस दावे पर कायम है कि इसके दुष्प्रभाव अति से अति दुर्लभ मामलों में ही सामने आ सकते हैं.

श्रम दिवस का महत्व

प्रत्येक वर्ष विश्व के कई हिस्सों में एक मई को नए समाज के निर्माण में श्रमिकों के योगदान के रूप में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के तौर पर मनाया जाता है. इस अवसर पर श्रमिकों की आर्थिक और सामाजिक उपलब्धियों को स्वीकार करने, श्रम संघों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं. दरअसल, किसी भी समाज, देश, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है. किसी भी देश की आर्थिक गतिविधियों के सुचारु रूप से परिचालन में श्रमिक वर्ग का विशेष योगदान रहता है, या यूं कहें कि देश की आर्थिक उन्नति श्रमिक वर्ग के कंधों पर टिकी होती है. आज अंधे-आधुनिकीकरण के दौर में भी इस वर्ग का महत्व कम नहीं हुआ. उद्योग-धंधों, व्यापार-जगत, कृषि-उत्पादन और निर्माणात्मक क्रियाकलाप में मजदूर श्रम की भूमिका निःसंदेह सर्वाधिक रहती है, लेकिन पिछले कुछ सालों से श्रमिक वर्ग कई प्रकार की दुश्वारियां झेलने को विवश है. पिछले दो वर्षों में मजदूरों ने बीमारी के साथ-साथ भुखमरी की दोहरी मार झेली है.

> एनसीआरबी के आंकड़ों की मानें तो पिछले साल भारत में तकरीबन 1.53 लाख लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें से सबसे ज्यादा तकरीबन 37,000 दिहाड़ी लगाने वाले मजदूर थे. जान देने वालों में सबसे ज्यादा तमिलनाडु के मजदूर थे.

यह वाकई चिंताजनक है कि नेशनल क्राइम रिकाड्‌र्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की साल 2020 की 'एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड' रिपोर्ट से पता चलता है कि सबसे ज्यादा आत्महत्याएं दिहाड़ी मजदूरों ने कीं. एनसीआरबी के आंकड़ों की मानें तो पिछले साल भारत में तकरीबन 1.53 लाख लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें से सबसे ज्यादा तकरीबन 37,000 दिहाड़ी लगाने वाले मजदूर थे. जान देने वालों में सबसे ज्यादा तमिलनाडु के मजदूर थे. फिर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और गुजरात के मजदूरों की संख्या है. भारत में होने वाली खुदकुशियों में सबसे ज्यादा दिहाड़ीदार मजदूरों की, 19.2 फीसदी होती हैं. इसके बाद गृहिणियों द्वारा 16.5 फीसदी और किसानों द्वारा 8.7 फीसदी खुदकुशियां की जाती हैं. भारत में सर्वाधिक 4888 दिहाड़ीदार मजदूरों ने तमिलनाडु में खुदकुशी की. असल में ये आंकड़े बेहद डरावने हैं. इस ओर गंभीरता के साथ विचार-मंथन निहायत जरूरी है. उल्लेखनीय है कि हमारे देश में श्रमिक वर्ग की दो श्रेणियां प्रचलन में हैं. एक श्रेणी संगठनात्मक है, तो दूसरी असंगठनात्मक. जहां संगठित क्षेत्र के श्रमिक को न केवल पर्याप्त मजदूरी प्राप्त होती है, बल्कि उसकी सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाती है, उनको मासिक वेतन, महंगाई भत्ता, पेंशन और अन्य जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाती हैं, वहीं, असंगठित क्षेत्र की बात करें तो इसे कम मजदूरी पर काम करना पड़ता है, किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा भी नहीं दी जाती और इसका जीवन-यापन पूरी तरह से दैनिक मजदूरी पर आधारित होता है. ऐसे में असंगठित श्रमिक वर्ग अशक्त और दूसरों पर अधिक निर्भर होता है. विडंबना यह है कि देश में असंगठित श्रमिकों की तादाद बहुत ज्यादा है. इसे आंकड़ों में बताया जाए तो यह लगभग 90 फीसदी के इर्द-गिर्द होगी. दरअसल, आज देश की बड़ी आबादी दैनिक मजदूरी से जीवन का गुजारा करती है. मौजूदा वक्त में उद्योग-धंधों के

सुभाषित

चिन्तनीया हि विपदां आदावेव प्रतिक्रिया।
न कूपखननं युक्तं प्रदीप्त वाह्निना गृहे॥

जिस प्रकार घर में आग लग जाने पर कुआं खोदना आरम्भ करना युक्तिपूर्ण (सही) कार्य नहीं है, उसी प्रकार विपत्ति के आ जाने पर चिन्तित होना भी उपयुक्त कार्य नहीं है. किसी भी प्रकार की विपत्ति से निबटने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए और आवश्यक उपाय सोच लेना चाहिए.

जरा अलग हैं इस बार के चुनाव

दरअसल इस बार के चुनाव की खासियत यह है कि जनता चुनाव लड़ रही है, पार्टियां नहीं. आमतौर पर ऐसा कम ही होता है. यही वजह है कि तमाम विश्लेषक व चुनाव विशेषज्ञ स्पष्ट राय देने से कतरा रहे हैं. कुछ एक अपवाद जरूर हैं, लेकिन ज्यादातर लोग तटस्थ दिख रहे हैं. इस आलोक में वर्तमान लोकसभा के चुनाव परिणाम पर कयास लगाना मुश्किल है. कुछ अनिश्चित सा माहौल है. बहुत कुछ 1977 या 1989 वाले लोकसभा चुनाव जैसा.

• देश-काल

डॉ. प्रमोद पाठक

आइस समय देश में लोकसभा चुनाव का दौर चल रहा है. नई लोकसभा के गठन के लिए सात चरणों में होने वाले इस बार के चुनाव का पहला चरण हो भी चुका है और जल्द ही अगले चरण के लिए वोट डाला जायेगा. कई मायनों में इस बार के चुनाव थोड़े अलग हैं. देश के लिए भी, लोकतंत्र के भविष्य के लिए भी और जनतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से भी. एक तरफ सत्ताधारी पार्टी दावा कर रही है कि देश के भविष्य के लिए उसका फिर से चुना जाना जरूरी है. दूसरी तरफ विपक्ष का कहना है कि देश के ही भविष्य के लिए विपक्ष को सत्ता में आना जरूरी है. अब जनता के समक्ष एक बड़ी दुविधा है. आखिर किसका दावा सही है. जनता सोच तो रही है, मगर कुछ भी बोलने से कतरा रही है. यानी मतदाता मौन है और नेता बोल रहे हैं. खूब बोल रहे हैं. हर चुनाव की तरह इस बार भी जनमत सर्वेक्षण की दुकानें खुल गई हैं और अपना-अपना विचार लेकर सभी मार्केट में तैयार हैं. मगर एक चीज जो स्पष्ट दिख रहा है, वह यह कि यह सर्वेक्षण वाले लोग भी थोड़े भ्रम की स्थिति में प्रतीत हो रहे हैं. खास कर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का जो मुख्य धारा वाला वर्ग है, प्राइम टाइम वाला वह. वैसे तो वे लोग अपनी चिर-परिचित भूमिका में ही दिख रहे है, लेकिन इस बार उनका आत्मविश्वास थोड़ा डगमगाया हुआ लग रहा है. चिल्ला तो रहे हैं वे लोग, लेकिन उसमें शोर ज्यादा है और जोर कम. चैनल वाले भले ही अपनी कोशिश से बाज नहीं आ रहे, लेकिन लगता है, उन्हें अंदाजा है कि जनता की तर्कशक्ति पहले की अपेक्षा कुछ ज्यादा जागृत हो गई है. यानी लोग आपकी बात सुनेंगे तो जरूर, मगर करेंगे अपने मन की. तो कुल मिलाकर इस बार के चुनाव की पटकथा थोड़ी रोचक है. एक और भी खास बात है इस बार के चुनाव में. सोशल मीडिया का प्रसार इस बार थोड़ा संतुलित दिख रहा है. यानी एकतरफा नहीं है. न्यूज़ पोर्टल वाले भी बराबर-बराबर खेमे में बंटे हुए हैं. यानी सत्ता और विपक्ष दोनों ही का जोर दिखाई दे रहा है. प्रिंट मीडिया भी काफी संतुलित है कुछ एक अपवादों को छोड़कर. यानी मीडिया का हर वर्ग थोड़ा बहुत अपना काम कर रहा है. कम से कम चुनाव नहीं लड़ रहा. यह एक अच्छा संकेत है और शायद इस बात की तरफ इशारा कर रहा है कि चुनाव खुला हुआ है. ऐसे में भविष्यवाणी करना थोड़ा जोखिम भरा हो सकता है. थोड़ी बहुत विश्वसनीयता जो बची है, उस विश्वसनीयता का संकट भी खड़ा हो सकता है मीडिया के लिए. क्योंकि जनता का मूड स्पष्ट नहीं है और वह मुद्दों और गैर मुद्दों के बीच फर्क करने की स्थिति में दिख रही है. तो इसका एक मतलब तो स्पष्ट है कि अबकी बार 400 पार का नारा थोड़ा खोखला लग रहा है. इसका थोड़ा बहुत संकेत चुनाव के पहले चरण में भी मिल गया. नतीजे क्या होंगे, यह तो कहा नहीं जा सकता, लेकिन वर्तमान में जो स्थिति है, उसको देखकर लगता है कि किसी भी खेमे को बहुमत जुटाने में खासी मशक्कत करनी पड़ेगी. यह जरूर है कि भाजपा थोड़ा आगे दिख रही है, लेकिन जैसे-जैसे दिन निकल रहे हैं अपने तमाम बिखराव और विरोधाभास के बावजूद विपक्षी खेमे वाली गठबंधन का तालमेल बेहतर हो रहा है. दरअसल इस बार के चुनाव की खासियत यह है कि जनता चुनाव लड़ रही है, पार्टियां नहीं. आमतौर पर ऐसा कम ही होता है. यही वजह है कि तमाम विश्लेषक व चुनाव विशेषज्ञ स्पष्ट राय देने से कतरा रहे हैं. कुछ एक अपवाद जरूर हैं, लेकिन ज्यादातर लोग तटस्थ दिख रहे हैं. इस आलोक में वर्तमान लोकसभा के चुनाव परिणाम पर कयास लगाना मुश्किल है. कुछ अनिश्चित सा माहौल है. बहुत कुछ 1977 या 1989 वाले लोकसभा चुनाव जैसा. भले ही भाजपा अपनी चिर परिचित शैली में अत्याधिक आत्मविश्वास का प्रदर्शन तो कर रही है, लेकिन यदि गहराई से उस पर अवलोकन करें तो यह समझा जा सकता है, यह उनकी रणनीति का हिस्सा है, जो वह लगभग हर चुनाव में किया करते हैं. यदि वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो उस बार भाजपा का प्रचार तंत्र इस बात को साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा था कि अटल बिहारी के नेतृत्व में उनकी सरकार फिर से बनेगी. उस बार शाइनिंग इंडिया उनका मुहावरा था. इस बार विकसित भारत. इसी तरह 2009 के चुनाव में भी भाजपा के थिंक टैंक ने माहौल बनाया था. उन दोनों चुनाव में भी कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास कोई प्रधानमंत्री का चेहरा नहीं था. कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि इस बार का मुकाबला एकतरफा नहीं है. यानी ऊंट किस करवट बैठेगा यह कहना मुश्किल है. यह ठीक है की रेस में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग आगे दिख रही है. उनकी तैयारी भी मुकम्मल है और उनके पास साधन भी पर्याप्त हैं. टिकटों के बंटवारे में भी वे विपक्ष से काफी बेहतर स्थिति में हैं. मगर जीत की गारंटी के लिए केवल इतना ही काफी नहीं होगा. तो कुल मिला जुला कर इस बार के लोकसभा चुनाव दिलचस्प होने जा रहे हैं और इसका सबसे बड़ा कारण है जनता की गंभीरता. वह कहीं से भी अपना पत्ता नहीं खोल रही. और अब तो धीरे-धीरे विपक्षी गठबंधन भी आक्रामक रुख अख्तियार कर रहा है. हालांकि अभी तो तस्वीर धुंधली है, लेकिन धीरे-धीरे हर चरण के चुनाव के साथ थोड़ी धुन्ध छंटेगी. वैसे क्या होना है यह तो परिणाम आएंगे तभी पता चलेगा.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

मन से ही हार और जीत

'मन' को जीवन का केंद्रबिंदु कहना शायद अतिशयोक्ति नहीं होगी. मनुष्य की समस्त क्रियाओं, आचारों का आरंभ मन से ही होता है. मन सतत तरह-तरह के संकल्प, विकल्प, कल्पनाएं करता रहता है. मन की जिस ओर भी रूचि होती है, उसका रुझान उसी ओर बढता चला जाता है, परिणाम स्वरूप मनुष्य की सारी गतिविधियां उसी दिशा में अग्रसर होती हैं. जैसी कल्पना हो ठीक उसी के अनुरूप संकल्प बनते हैं और सारे प्रयत्न-पुरुषार्थ उसी दिशा में सक्रिय हो जाते है. अन्ततः उसी के अनुरूप परिणाम सामने आने लगते हैं. मन जिधर या जिस किसी में रस-रुचि लेने लगे, उसमें एकाग्रचित होकर श्रमशील हो जाता है. यहां तक कि उसे लौकिक लाभ या हानि का भी स्मरण नहीं रह जाता. प्रायः मनुष्य प्रिय लगने वाले विषय के लिए सब कुछ खो देने तो तत्पर हो जाता है. इतना ही नहीं, अपने मनोवांछित को पाने के लिए बड़े से बड़े कष्ट सहने को सदैव तैयार हो जाता है. मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए, आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो मानव व्यक्तित्व और उसके जीवन में एक चमत्कार का सर्जन हो सकता है. सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में सहज ही पहुंच सकता है. आवश्यकता 'मन' को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है. सारी कठिनाई मन के सहज प्रवाह पर नियंत्रण स्थापित करने की है. इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मानव बनता हुआ देवत्व के लक्षण तक सहजता से पहुंच सकता है. शरीर-स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के समान ही हमें मन के प्रति और भी अधिक सचेत, सावधान रहने की जरूरत है. दोयम चिंतन, दुर्विचारों और दुर्भावनाओं से मन मलिन और पतित हो जाता है. उस स्थिति में मन अपनी सभी विशेषताओं और श्रेष्ठताओं से च्युत हो जाता है. कहते हैं मन के प्रवाह को तो सहज ही बहने देना चाहिए. किन्तु मन के सहज बहाव पर भरोसा करना हमेशा जोखिम भरा होता है. क्योंकि प्रवाह के समान ही मन का पतन की तरफ लुढ़कना स्वभाविक है जबकि ऊंचाई की ओर उठना कठिन पुरूषार्थ भरा होता है. मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है. यदि सही दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़, गाली-गलौज और दुष्चरित्र के रूप में सामने आ सकती है. नदी के प्रवाह में बहता पत्थर सहजता से गोल स्वरूप तो पा लेता है, किन्तु उसकी मोहक मूर्ति बनाने के लिए अनुशासन युक्त कठिन श्रम की आवश्यकता होती है. ठीक उसी तरह मन को उत्कृष्ट दिशा देने के लिए विशेष कठोर प्रयत्न करने आवश्यक होते हैं.

वैश्विक साझेदारी से पर्यावरण संकट का समाधान

• पर्यावरण

अरुण मायरा

> अर्थ-व्यवस्था और न्याय-शास्त्र में जायदाद पर हक आदिकाल से एक अधिकार है. मानवाधिकार को मान्यता तो कहीं बहुत बाद में जाकर मिली, जिसकी प्राप्ति राजनीतिक आंदोलन-अधिकांशतः हिंसा के बाद हुई. उद्देश्य था दासता खत्म करना, उचित मजदूरी पाना और काम करने के लिए सुरक्षित माहौल बनवाना.

'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' (तिलोर) नामक पक्षी का वजूद बचाए रखने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से मुक्त रहने को मानव के मूलभूत अधिकार जितना दर्जा दिया गया है. इस निर्णय ने नीति-निर्माताओं एवं अक्षय ऊर्जा तंत्र विकसित करने वाले निर्माताओं को विस्मित किया है. उनका कहना है कि न्यायाधीश वैज्ञानिक विशेषज्ञों की सलाह को दरकिनार कर रहे हैं और इससे जलवायु परिवर्तन को दुरुस्त करने हेतु बनाए जाने वाले तंत्र की स्थापना में देरी होगी. अदालत ने माना है कि जलवायु परिवर्तन अनचाहे क्षेत्रों में भी न्यायशास्त्र की दखल करवा रहा है. जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से वजूद पर बने संकट को पूंजीवादी अर्थव्यवस्था और बेढंगे विज्ञान के मौजूदा आदर्शों द्वारा समझा और सुलझाया नहीं जा सकता. पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में, प्राकृतिक संपदा इसके मालिक की पूंजी है. राजा और जमींदार भूमि मालिक होते हैं और उनके इलाके की तमाम जलीय, वनीय और मत्स्य संपदा, पशु-पक्षी तक उनकी संपत्ति हैं. उनकी भूमि पर रह रहे और काम करने वाले नौकर या दासों द्वारा हुई उत्पादकता या पैदावार के मालिक भी वही हैं. जो मालिक अपनी मालिकाना भूमि पर घर बनाकर रहते हैं और लोगों से मेल-जोल रखते हैं, जहां उनके नौकर-चाकर पसीना बहाते हैं, वे अपनी निगरानी में वनों और फसलों को फलते-फूलते स्वयं देख सकते हैं. परंतु जो जमींदार अन्यत्र रहते हैं उन्हें कोई परवाह नहीं होती. उन्हें तो केवल मुनाफे से मतलब है, फिर चाहे भूमि सूखाग्रस्त हो या बाढ़ग्रस्त, न ही नौकरों की मुश्किलों से कोई सरोकार होता है. वस्तु मंडियों का उद्भव, जहां पर लाए गए पशु, खेतों में उगी फसलें, लकड़ी और खनिज इत्यादि को, व्यापारियों द्वारा तय भावों पर, मुद्रा के लेन-देन से, खरीदा-बेचा जाता है, यह ढंग प्राकृतिक पूंजी को वित्तीय पूंजी में तब्दील करता है. वित्तीय बाजारों ने पूंजीपतियों का नया वर्ग तैयार कर दिया, जिन्हें जमीनी हकीकतों की जानकारी देहात में न बसने वाले जमींदारों से भी कम होती है. वे दुनिया की स्थिति का आकलन तालिकाओं (चार्ट) या डाटा से करते हैं कि किस वस्तु या शेयर का भाव मंडियों और स्टॉक बाजारों में ऊपर चढ़ा या गिरा. जब देहात से निकलकर कोई बंदा कारखानों में बतौर मजदूर काम करने लगता है तो वहां उसका मेहनताना काम के घंटों और इस दौरान दिखाई कारगुजारी के मुताबिक मिलता है. कारखाने के मालिक के लिए उसका कौशल और श्रम भी एक खरीदने लायक वस्तु भर है. अर्थ-व्यवस्था और न्याय-शास्त्र में जायदाद पर हक आदिकाल से एक अधिकार है. मानवाधिकार को मान्यता तो कहीं बहुत बाद में जाकर मिली, जिसकी प्राप्ति राजनीतिक आंदोलन-अधिकांशतः हिंसा के बाद हुई. उद्देश्य था दासता खत्म करना, उचित मजदूरी पाना और काम करने के लिए सुरक्षित माहौल बनवाना. 'गिग वर्क' व्यवस्था श्रम को वस्तु में बदलने का 21वीं सदी का एक तरीका है, जिसमें केवल जरूरत पड़ने पर कामगार की सेवाएं लेना, जो काम हुआ उसी का मेहताना देना और अन्य किसी किस्म की कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं होती, यह व्यवस्था मालिकान को तो खूब रास आती है, लेकिन आम लोगों के लिए खराब है. गारेट हार्डिन की 'ट्रेजेडी ऑफ द कॉमन्स' नामक थ्योरी निजीकरण की विचारधारा को रेखांकित करती है. इस विचार या वाद में, जो सार्वजनिक संपत्ति साझी होती है, उसकी देखभाल की जिम्मेवारी कोई नहीं उठाता. अतएव, सार्वजनिक और साझी संपत्ति को निजी हाथों को सौंप दिया जाए, क्योंकि वे अधिक मुनाफा बनाने की चाह से प्रेरित होकर अपने-अपने हिस्से का प्रबंधन अच्छी तरह करेंगे. वैश्विक पर्यावरण, जो कि सबका साझा है, उसको पहुंचा नुकसान विश्व-स्तरीय उभयनिष्ठ संकट बन गया है. इसका हल संपत्ति का आगे निजीकरण करके नहीं निकल सकता. 'वैश्विक साझेदारी का वायदा' ध्येय की प्राप्ति को प्रबंधन के नए सिद्धांतों की जरूरत है. फ्रांसिस बैकॉन ने 17वीं सदी में यूरोपियन ज्ञानोदय के जन्म पर गर्व करते हुए कहा था कि अब विज्ञान मनुष्य को बेलगाम प्रकृति पर नियंत्रण पाने की ताकत प्रदान करेगा. भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव-विज्ञान में हुई नवीनतम खोजों ने मानव के पदार्थवादी फायदे हेतु पृथ्वी की संपदा का दोहन करने के ताकतवर औजार प्रदान किए, जिसके चलते तकनीकी रूप से विकसित राष्ट्रों के नागरिकों का उच्च जीवन स्तर बाकियों के लिए ईर्ष्या बना.

आसान नहीं भाजपा के लिए 400 पार की डगर

• सियासत

जगदीश रत्तनानी

> यह समझना मुश्किल है कि ऐसा कैसे संभव है जब तक कि सत्तारूढ़ गठबंधन पिछली बार मिली सीटों को बचाए रखते हुए नई सीटों पर जीत हासिल नहीं करता है, तब तक वह 400 पार के लक्ष्य को कैसे पा सकता है. उदाहरण के तौर पर पिछली बार पूरे दक्षिणी क्षेत्र या पूर्वी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में सत्तारूढ़ गठबंधन का प्रदर्शन अच्छा नहीं था.

40 दिनों और सात चरणों में चल रहे लोकसभा चुनाव के दौरान राष्ट्र के मूड को पढ़ना कभी आसान या सुरक्षित नहीं होता. इस प्रतिवाद के बावजूद यह अभी भी कहा जाना चाहिए कि भाजपा के खिलाफ एक माहौल बनने की शुरुआत है, जो आकार में हल्के से मध्यम शक्ति का हो सकता है और इस बात पर निर्भर करता है कि चुनाव विश्लेषण कौन कर रहा है. हालांकि, चुनाव के पहले चरण की समाप्ति के बाद इस स्तर पर यह कहना मुश्किल है कि यह भावना क्यों और कैसे पैदा हो सकती है या क्या यह नरेंद्र मोदी को तीसरा कार्यकाल देने के खिलाफ एक तगड़ा माहौल बनाने में सफल हो सकती है. अगर यह माहौल बनाना है तो भाजपा के भारी धन बल और चुनाव अभियान की पहुंच व प्रभाव के खिलाफ खड़ा होना होगा. चुनावी बॉण्ड योजना से भाजपा को मिले 8,250 करोड़ रुपये से मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा भारी खर्च स्पष्ट रूप से अभद्रता की सीमा पर है. चुनावी बॉण्ड योजना अब अवैध घोषित हो चुकी है. इसके बाजूद एकतरफा मिली यह धन शक्ति नुकसान भी पहुंचा सकती है, क्योंकि यह एक ओर अद्वितीय पहुंच को सक्षम बनाती है, तो वहीं दूसरी ओर यह भाजपा की भारी नकारात्मकताओं को उजागर करने का काम करती है. यह धन शक्ति एक दमदार, दबंग व अहंकारी व्यक्तित्व को वोट मांगने के समय मदद नहीं कर सकती. प्रधानमंत्री की यात्रा को छोड़ दें तो भाजपा ने अपने नेताओं के लिए सबसे अधिक निजी हेलीकॉप्टर बुक किए हैं. रायटर के अनुसार गूगल सर्च विज्ञापनों पर भाजपा ने कांग्रेस के मुकाबले चार-एक और फेसबुक विज्ञापनों पर तीन के मुकाबले एक खर्च किया है. वे इसे मनोवैज्ञानिक युद्ध के तौर पर इस्तेमाल कर मतदाताओं को अपनी सतही कहानी का प्रचार करने के लिए कहती है कि 2019 की तुलना में भाजपा 303 सीटों के अपने आंकड़े में सुधार करेगी. यह समझना मुश्किल है कि ऐसा कैसे संभव है जब तक कि सत्तारूढ़ गठबंधन पिछली बार मिली सीटों को बचाए रखते हुए नई सीटों पर जीत हासिल नहीं करता है, तब तक वह 400 पार के लक्ष्य को कैसे पा सकता है. उदाहरण के तौर पर पिछली बार पूरे दक्षिणी क्षेत्र या पूर्वी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में सत्तारूढ़ गठबंधन का प्रदर्शन अच्छा नहीं था. 2019 में दक्षिण भारत में नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) गठबंधन ने कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना के पांच राज्यों में 130 सीटों में से 30 सीटें जीतीं, लेकिन उनमें से 25 कर्नाटक से आई थीं. कर्नाटक में अब कांग्रेस की सरकार है, जो अपने प्रगतिशील कामों के लिए विख्यात है. कर्नाटक सरकार अपने चुनाव अभियान की ताकत को बढ़ाती है तो इस बात की बहुत कम संभावना है कि भाजपा 2019 में कर्नाटक में 28 लोकसभा सीटों में से 25 के अपने आंकड़े तक पहुंच पाएगी. तमिलनाडु में भाजपा अच्छा प्रदर्शन कर रही है. वहां पिछली बार पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी, लेकिन अब वह शहरी इलाकों में कड़ी टक्कर दे रही है. फिर भी वहां भाजपा के अभियान को द्रविड़ आंदोलन की वैचारिक चुनौती को देखते हुए राज्य में प्रतिसाद मिलने की संभावना नहीं है. वहां सभी क्षेत्रीय दलों की उत्पत्ति और विचारधारा का संबंध प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पेरियार के द्रविड़ आंदोलन से है. डीएमके विशेष रूप से बार-बार प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाने का आरोप लगाते हुए एक मजबूत अभियान चलाने में सक्षम रही है. संभावना है कि भाजपा को वहां एक भी सीट न मिले. इसी प्रकार, उत्तरी क्षेत्र में 2019 में भाजपा को अधिकतम सीटें मिलीं थीं. वहां बढ़ने की कोई गुंजाइश न होने तथा कहीं और से कोई नया आधार न होने के कारण भाजपा के लिए अपनी समग्र टैली में सुधार करना लगभग असंभव हो जाता है. वास्तव में बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में नई वास्तविकताओं को देखते हुए पार्टी अपने स्व-घोषित बेंचमार्क से काफी नीचे आ सकती है. भाजपा के आगे-पीछे चलने के कारण बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लोग 'पलटू राम' कहने लगे हैं. यह देखना दिलचस्प रहेगा कि एनडीए की जेडीयू-बीजेपी-एलजेपी तिकड़ी 2019 के लोकसभा चुनावों में जीती गई 40 सीटों में से 39 कैसे जीत पाती है. राष्ट्रीय जनता दल आरजेडी के तेजस्वी यादव एक जबरदस्त चुनाव अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं. वे नीतीश कुमार को अपना निशाना बनाए हुए हैं और व्यंग्यात्मक लहजे में 'माननीय' मुख्यमंत्री कहते हैं, लेकिन राजद के अंदरूनी लोगों का कहना है कि राजद ने मुख्यमंत्री पद का इस्तेमाल अपने संकीर्ण हितों के लिए किया है.

मीडिया में अन्यत्र

सुप्रीम कोर्ट और ईवीएम

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के जरिए डाले गये मतों की 'पेपर ट्रेल' के 100 फीसदी सत्यापन की मांग सुप्रीम कोर्ट द्वारा ठुकरा दिये जाने में कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है कि वर्तमान सत्यापन प्रणाली किसी लाइलाज खामी से ग्रसित है. पीठ के दो एकमत फैसलों ने उस विश्वास को दोहराया है जो न्यायपालिका ने चुनाव प्रक्रिया की ईमानदारी में अब तक बनाये रखा है, खासकर 'वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' या वीवीपैट लाये जाने के बाद. इस प्रक्रिया में, पीठ ने कागज के मतपत्रों (पेपर बैलेट) की ओर लौटने के विचार को भी खारिज कर दिया, क्योंकि इस तरह का कदम वास्तव में प्रतिगामी होगा और पेपर बैलेट से जुड़े जोखिमों के खात्मे से हुए फायदों को निष्फल बनायेगा. यह पहली बार नहीं है जब शीर्ष अदालत ने स्थापित प्रणाली में दखलअंदाजी करने से इनकार किया है - इससे पहले एक मामले में उसने 'पेपर ट्रेल' के 50 फीसदी सत्यापन और एक अन्य मामले में 100 फीसदी सत्यापन का आदेश देने से मना किया. सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका का इस्तेमाल वर्तमान प्रणाली में मौजूद प्रशासनिक और तकनीकी सुरक्षात्मक-उपायों की समीक्षा करने के लिए किया और ऐसा कुछ नहीं पाया, जो इसमें उसके विश्वास को कमजोर करता हो. अदालत द्वारा दिये गये दो निर्देश दूसरी गंभीर आशंकाओं से निपटने के लिए हैं. उसने नतीजों के एलान के बाद 45 दिनों तक 'सिंबल लोडिंग यूनिटों' को महफूज रखने को कहा है. उसने यह भी कहा है कि हारने वाले दो शीर्ष उम्मीदवार प्रति विधानसभा क्षेत्र पांच फीसदी ईवीएम के माइक्रो-कंट्रोलरों के सत्यापन की मांग कर सकते हैं,

ताकि अगर कोई छेड़छाड़ हुई हो तो वह पकड़ में आ सके. वर्ष 2013 के एक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि "स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के लिए 'पेपर ट्रेल' एक अनिवार्य जरूरत है". एक अन्य मामले में, उसने वीवीपैट सत्यापन के लिए मतदान केंद्रों की संख्या प्रति विधानसभा क्षेत्र या खंड में एक से बढ़ाकर पांच करने का पक्ष लिया. 'पेपर ऑडिट ट्रेल' इन आशंकाओं के जवाब में लायी गयी कि मतदाताओं के पास यह सुनिश्चित करने का कोई तरीका नहीं था कि उनका मत सही-सही दर्ज हुआ या नहीं. यह थोड़ा विडंबनापूर्ण है कि इस तरह के डर से निपटने के लिए जो सत्यापन प्रणाली लायी गयी, वह खुद विवाद का विषय बन गयी है कि 'पेपर ट्रेल' का किस हद तक सत्यापन किया जाए. (द हिंदू)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

दीन/दरिद्र/गरीब

मो सम दीन न दीन हित, तुम्ह समान रघुबीर, अस बिचारि रघुबंस मनि, हरहु बिषम भव भीर. गोस्वामी तुलसीदास ने इस दोहे में स्वयं को दीन कहा है और रघुवीर भगवान रामचंद्र को सबसे बड़ा दीनों की भलाई करनेवाला. भक्तिकाल के प्रायः सभी कवियों ने अपने इष्ट देव के समक्ष स्वयं को इसी प्रकार दीन बताया है. दीन संस्कृत मूल का तत्सम विशेषण शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार दीन का सामान्य अर्थ है, जिसे देखकर मन में दया उत्पन्न हो जाये, दयनीय, कारुणिक, दुःखी, निर्धन, गरीब, दरिद्र, दुःख, भय आदि के कारण विनीत, नम्र. स्पष्ट है कि दीन के पर्यायवाची शब्दों में दरिद्र और गरीब भी शामिल हैं, लेकिन दीन, दरिद्र और गरीब तीनों में सूक्ष्म अंतर हैं. हिंदी शब्द सागर के अनुसार दरिद्र का अर्थ है जिसके पास निर्वाह के लिए यथेष्ट धन न हो, निर्धन, कंगाल, भिक्षुक. दीन की तरह ही दरिद्र भी संस्कृत मूल का ही शब्द है, लेकिन गरीब अरबी मूल का. गरीब का अर्थ निर्धन या दीन होता है, लेकिन दरिद्र का अर्थ कंगाल यानी गरीबी की चरम दशा है. गरीब वैसे तो अरबी शब्द है, लेकिन इसमें फारसी का प्रत्यया खाना, नवाज, परवर लगने पर बड़े ही प्यारे शब्द बनते हैं. जैसे गरीबखाना यानी गरीब का घर, गरीबनवाज यानी गरीबों पर दया करनेवाला, गरीबपरवर यानी गरीब को पालनेवाला. दीन, दरिद्र और गरीब से बने भाववाचक संज्ञा हैं दीनता, दरिद्रता और गरीबी. गरीबी का अर्थ है आर्थिक अक्षमता, लेकिन दरिद्रता का अर्थ आर्थिक अक्षमता के साथ शारीरिक, मानसिक तथा चारित्रिक कमजोरी भी होता है. गरीबी का संबंध अर्थाभाव से है. आर्थिक विपन्नता की यह एक अवस्था विशेष है. दरिद्रता का संबंध संतोष से है, मनोभाव है. लालची प्रकृति के व्यक्ति की सांसारिक वस्तुओं के प्रति आकर्षण और उसकी प्राप्ति की कामना कभी शांत नहीं होती. इसकी प्रकृति परिवर्तन शील नहीं होती है. ये उच्च वर्ग के अधिकारी, उद्योगपति और धनाढ्य भी हो सकते हैं.

पेश है अखाड़े का मोहक खटराग

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेंद्र वर्मा

हिंदी में जिसे 'अखाड़ा' कहते हैं, बड़े ही अक्खड़ किस्म की चीज़ है. यह अखाडियों के जमघट का स्थान है. यहां पहलवान कसरत करते हैं और मल्ल-युद्ध के लिए ताल ठोंकते हैं. हमारे मुल्क के बड़े बड़े पहलवान इन अखाड़ों की ही देन हैं. एक ज़माना था अखाड़ों की बड़ी पूछ थी. आजकल बच्चे 'जिम' जाना ज्यादा पसंद करते हैं. आधुनिक चीज़ है. शुक्रिया करना चाहिए किसिम किसिम के सम्प्रदायों के उन तथाकथित साधुओं की मंडलियों का, जिन्होंने बसने के लिए अपने 'मठ' बना रखे हैं और जिन्हें वे 'अखाड़ा' कहते हैं. साधुओं के अखाड़ों में भी अब पैसे की ही तूती बोलती है. ज्ञान, तपस्या और त्याग आदि अपनी जगह हैं, हुआ करें, लेकिन धर्म के प्रचार के लिए दौलत चाहिए. जिसके पास दौलत है, पैसा है, वही सर्वश्रेष्ठ है. वही इन अखाड़ों, मंडलों का मंडलेश्वर बनने का हकदार है. ज्ञान, त्याग और तपस्या आदि गुण तो पैसे से भी खरीदे जा सकते हैं. 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' - एक 'सर्वे' के अनुसार आज भारत में ढाई सौ से ज्यादा महामण्डलेश्वर, सिर्फ करोड़पति ही नहीं, सौ-करोड़ी हैं. करोड़ों रुपए खर्च करने की ताकत रखने वाले और रसूखदार लोगों को तमाम अखाड़ों में दनादन महामंडलेश्वर की पदवी दी जा रही है. रास्ता बड़ा आसान है. आप कोई भी धंधा क्यों न करते हों बस अगर करोड़पति हैं तो अपना मुंडन कराइए, दूसरा जन्म लेने के लिए पिंडदान कीजिए, नाम बदलिए, गेरुए वस्त्र धारण कीजिए और आप अखाड़े के बाकायदा समारोह पूर्वक महामंडलेश्वर बनाए जा सकते हैं. धन-धन्य! जनता तो हमेशा ही कुश्ती का मज़ा लूटने के लिए तैयार रहती है. उन्हें भले ही अखाड़ा न कहा जाए, हमारे देश के राजनैतिक दल भी वस्तुतः अखाड़े ही हैं. इन अखाड़ों में नेता और उनके बफादार घोड़े तैयार किए जाते हैं. एक दल दूसरे दल को ललकारता है. प्रजातंत्र है इसलिए हाथा-पायी यहां वर्जित है, लेकिन संसद-क्षेत्रे कुश्तियां खूब होती हैं. कभी कभी दर्शकों को वहां सर्कस का मज़ा आने लगता है. खूब मनोरंजन होता है. हर अखाड़ा अपने अपने पहलवान को वहां भेजता है जो कम से कम मौखिक रूप से एक से एक बढकर दांव-पेंच लगाता है. असंसदीय भाषा को संसदीय बनाने का पूरा पूरा प्रयत्न होता है. कुर्सी, मेज़, माइक, फाइलें -जो भी मिल जाए उसका उपयोग हथियार के रूप में किया जाता है. किसी को भी देश की 'अनेकता में एकता' का अद्भुत नज़ारा वहां देखने को मिल सकता है. मौखिक कुश्ती यहां पूरी तरह से 'फ्री-स्टाइल' है. नियम बनाने वालों के लिए कोई नियम नहीं होता. वे तो विधायक हैं, सांसद हैं. उनका काम बस किसी तरह कानून बनाना भर है, वे खुद कानून से ऊपर होते हैं. वे गालियां बकते नहीं, उनके मुखारविंद से वे फूलों की तरह झड़ती हैं.

मंगलसूत्र सुहाग-स्नेह का प्रतीक या

पितृसत्तात्मक समाज के चोंचले!

जब मौसम चुनाव का आता है तो अक्सर नेताओं की जबान फिसलती है जिसका टार्गेट ज्यादातर आधी आबादी ही होती हैं. इस बार भी मंगलसूत्र को लेकर राजनीतिक गलियारों में धमासान छिड़ा है. जब चर्चा मंगलसूत्र और सिंदूर की चल पड़ी है तो ऐसे में एक पुराना सवाल फिर मन में उठता है कि सिंदूर और मंगलसूत्र क्या वाकई सुहाग और दाम्पत्य प्रेम के प्रतीक हैं या ये पितृसत्तात्मक समाज के थमाए चोंचले हैं. सवाल जब हमने महिलाओं से पूछा तो सामने आए ये विचार...

विमर्श

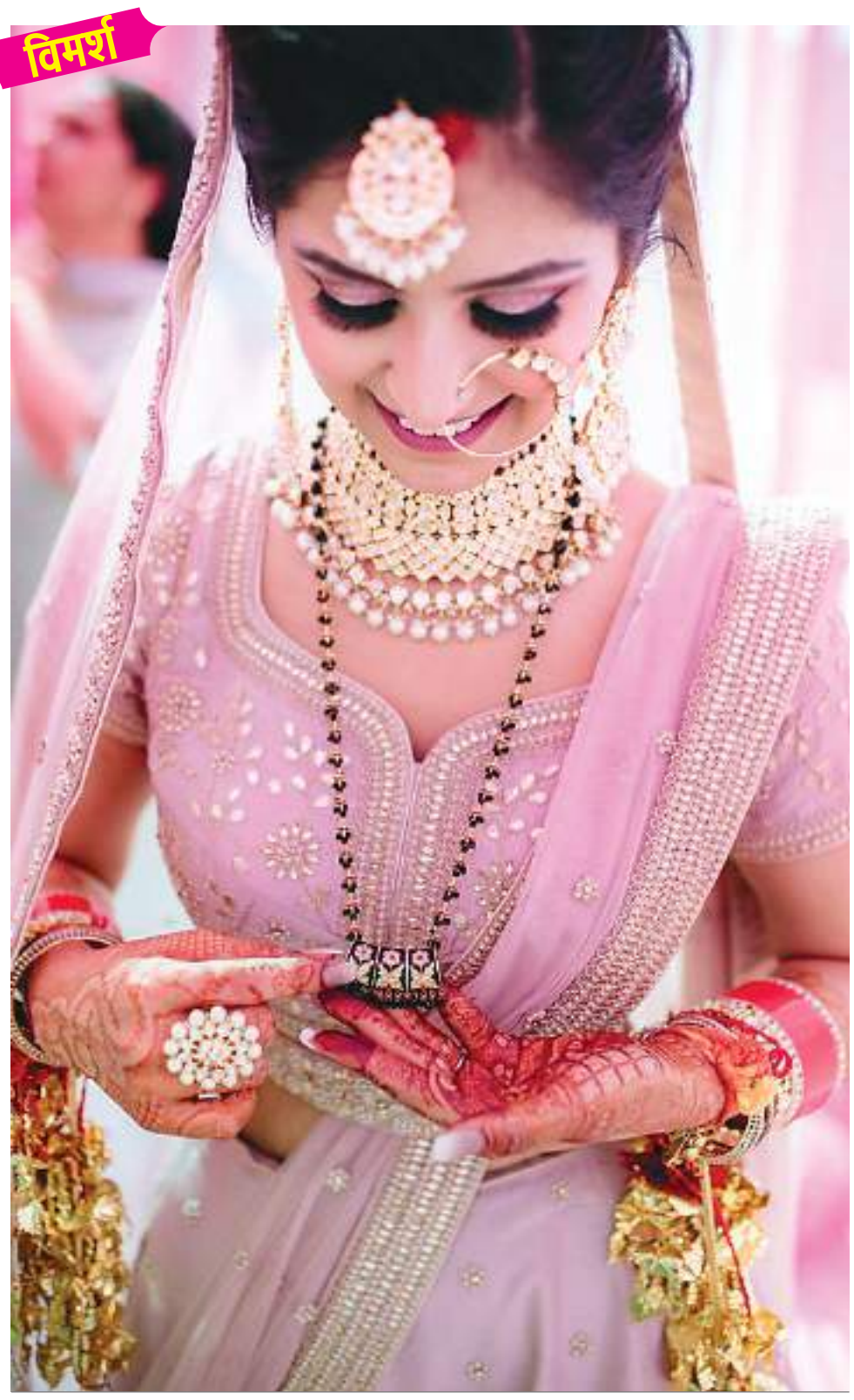

ये बंधन पितृसत्तात्मक समाज के

वीणा श्रीवास्तव

जहां मन के रिश्ते होते हैं वहां किसी बंधन की आवश्यकता नहीं होती. चूड़ी, सिंदूर, बिंदी, मांग टीका का कोई अर्थ नहीं अगर पति -पत्नी में प्रेम नहीं है. जहां तक सवाल हमारे वेदों और उपनिषदों का है तो वहां सप्तपदी और सिंदूर का वर्णन तो मिलता है लेकिन मंगलसूत्र का नहीं. इसका मतलब वैवाहिक कार्यक्रमों में मंगलसूत्र बाद में आया. हम अर्धनारीश्वर की आराधना करते हैं और स्त्री - पुरुष को समान मानते हैं तो यह स्त्री पर छोड़ देना चाहिए कि वह मंगलसूत्र पहनेगी या नहीं. प्रेम वहीं मजबूती से टिकता है जहां बंधन नहीं होते. पितृ सत्तात्मक सत्ता ने केवल बंधन ही दिये हैं. इंसान देवी की आराधना कर उससे मांगता है लेकिन घर, समाज की देवी को अपने आधीन रखता है, इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है और फिर कहने को भी क्या बचता है?

आखिर हर्ज क्या है?

कलावंती सिंह

सिंदूर और मंगलसूत्र पितृसत्तात्मक समाज के सिर्फ प्रतीक मात्र ही नहीं है बल्कि स्त्रियों द्वारा बहुत शौक से स्वीकार्य गए सुहाग चिन्ह हैं. जिस समय समाज में विवाह संस्था नहीं थी और पुरुष किसी भी जिम्मेवारी से मुक्त था उस वक्त स्त्रियों की अधिकारों की रक्षा के लिए विवाह संस्था का जन्म हुआ और इसलिए साथ में विवाहित स्त्रियों के लिए कुछ प्रतीक चिन्ह भी निर्धारित किए गए. मुझे नहीं लगता कि इससे स्त्रियों को कोई नुकसान हुआ है.

विवाहिताओं का अहम आभूषण

रानी सुमिता

मंगलसूत्र को भारतीय स्त्री का सुहाग चिन्ह माना जाता है. हालांकि हमारे वेदों में विवाह प्रक्रिया में सिंदूर और फेरों का वर्णन है परन्तु मंगल सूत्र का वैसा वर्णन नहीं. छठी सदी से यह चलन में आया. इसकी शुरुआत भी दक्षिण भारत से हुई. हिन्दी भाषी राज्यों में भी इसे धीरे धीरे अपना लिया गया. तो मेरे विचार से यह एक महत्वपूर्ण आभूषण है जो विवाहित स्त्री धारण करती हैं.

गुलामी का प्रतीक

प्रीता झा

आज के युग मे मंगलसूत्र पितृसत्तात्मक समाज के एक प्रतीक चिन्ह के रूप मे ज्यादा देखा जा सकता है. एक ऐसा आभूषण जो सिर्फ विवाहित स्त्रियां पहनती हैं. किसी की विवाहिता होने का सबूत जबकि ऐसे किसी सबूत की आवश्यकता पुरुष को नहीं पड़ती. इसे गुलामी का प्रतीक कहा जा सकता है जिसका कोई औचित्य इस युग में नहीं जान पड़ता. समानता की आकांक्षी स्त्रियों के लिए एक गैरजरुरी आभूषण.

सुहाग की निशानी

नन्दनी प्रनय

मंगलसूत्र को सुहाग की निशानी कहा जाता है. सबसे पहले मंगलसूत्र पहनना दक्षिण भारत से शुरू हुआ, हमारे यहां पुराने समय में शादी के समय लाल या पीले धागे में ढोलना पहनाया जाता था, परंतु लोग एक दूसरे को देख कर प्रेरित होते गए और मंगलसूत्र सभी के लिए सुहाग के श्रृंगार में शामिल हो गया.

पहनने से बढ़ता प्यार

माधवी उपाध्याय

मंगल सूत्र को मैं सुहाग चिन्ह मानती हूं जो वैवाहिक बंधन का मांगलिक स्वरूप और मुख्य आधार है. इसे गले में पहनने मात्र से एक अलग अनुभूति होती है तथा पति - पत्नी के मध्य प्रेम के बीज का प्रसफुटन होता है, जिसे हम शब्दों द्वारा व्यक्त नहीं कर सकते.

विवाहिता के लिए है महत्वपूर्ण

मंजू शरण मंजुल

हर धर्म में रीति रिवाजों से उसकी संस्कृति पोषित होती है. हमारे हिन्दू धर्म में पति पत्नी का रिश्ता जन्मों जन्म का साथ माना गया है. इस रिश्ते की पहचान के रूप मंगलसूत्र सदियों से मुख्य भूमिका अदा करता है. सुहाग के पहचान चिन्ह के रूप में इसे धारण करना अपनी संस्कृति के साथ होने जैसा है. इससे किसी की आयु बढ़े या न बढ़े इसका कोई विशेष महत्व नहीं है क्योंकि वह उसके कर्म और भाग्य पर निर्भर होती है.

बुरी नजर से बचाता है मंगलसूत्र

रचना दुबे

हिंदू धर्म में, शादी के बाद महिलाओं द्वारा मंगलसूत्र पहनना शुभ माना जाता है. यह सुहाग का प्रतीक है और कई लाभ प्रदान करता है. सकारात्मक ऊर्जा, शरीर में संतुलन और शांति लाता है. गुरु ग्रह का प्रभाव, सुख और समृद्धि बढ़ाता है. पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत करता है. रक्तचाप को संतुलित रखता है और चिंता-तनाव को कम करता है. पति की रक्षा करता है और दीर्घायु के लिए शुभ माना जाता है. बुरी नजर से रक्षा करता है. महिला और उसके परिवार को नकारात्मक ऊर्जा से बचाता है. ये सभी मान्यताएं धार्मिक और सांस्कृतिक विश्वासों पर आधारित हैं.

मंगलसूत्र का है ऐतिहासिक महत्व

जयमाला

शुरुआत इसकी तब हुई थी जब स्त्रियां घूंघट में रहती थीं. घोड़े पर सवार आक्रमणकारी राह चलती स्त्रियों को उठाकर कर अपने कैम्प में ले जाते थे. चूंकि, विवाहिता स्त्रियां कई रिश्तों से जुड़ जातीं हैं, इसलिए कुवांरी या विधवा स्त्रियां ऐसे व्यभिचारियों के निशाने पर होती थीं. तभी धीरे-धीरे इसकी शुरुआत सुहाग चिन्ह के रूप में या सुरक्षा कवच के रूप में हुई. कालांतर में वरपक्ष द्वारा दिया गया एक अनिवार्य सुहाग चिन्ह बन गया, जो स्त्री धन या विपत्ति में सबसे बड़ा संबल बन गया.

लैंगिक विभेद के प्रतीक

संचिता मुखोपाध्याय

मंगलसूत्र या सिंदूर पितृसत्तात्मक समाज के बंधन या लैंगिक विभेद के प्रतीक ही हैं, इनका वैवाहिक जीवन की मधुरता या आयु से कोई संबंध नहीं. अगर ऐसा होता तो पति-पत्नी दोनों के लिए होता, एक के हिस्से ही यह क्यों? बेशक कई बार पारंपरिक परिधानों में इसे धारण करना सुंदरता में इजाफा करता है. सिंदूर या मंगलसूत्र पहने या नहीं पहने यह महिला की व्यक्तिगत पसंद का मसला है और इसे इसी रूप में लेना चाहिए.

इच्छा हो तभी पहनें

कावेरी सिन्हा

पर पुरुष को नियंत्रित करने या फिर स्त्रियों की सुरक्षा के लिए भी मंगलसूत्र को भावनाओं, विश्वास व अधिकार से जोड़ना व नियमों से बांधना समाज की परिकल्पना कही जा सकती है. खुशी की बात है कि आज कम से कम शिक्षित भारतीय नारी को किसी भी बंधन में नहीं बांधा जा सकता. विवाह का प्रतीक मंगलसूत्र दांपत्य प्रेम, समर्पण व विश्वासपर आधारित होना चाहिए ना कि किसी पितृसत्ता का प्रतीक. इसे पहनना ना पहनाा महिला की खुद की इच्छा हो, ना कि थोपी हुई.

हमारी मसालेदानी में ये कैसा जहर!

पिछले दिनों देश के कुछ बड़े ब्रांड के मसाला पाउडर में इथिलीन ऑक्साइड की उपस्थिति और कुछ देशों में इसपर लगे बैन के बाद हम गृहणियों का ध्यान सहज ही अपनी रसोई पर जाता है कि आखिर हम क्या बना और क्या परोस रहे हैं. साथ ही मन में सवाल उठता है कि ये इथिलीन ऑक्साइड है क्या और इसके क्या दुष्प्रभाव हैं. आइए, इसपर करें आज चर्चा-

सेहत

▪ इथिलीन ऑक्साइड क्या है?

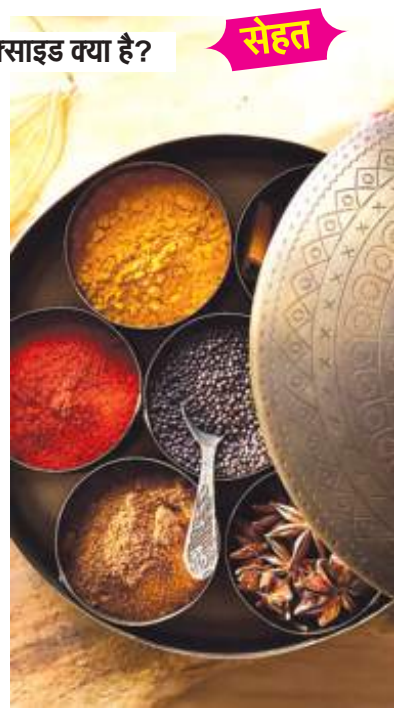

इथिलीन ऑक्साइड एक रंगहीन गैस है जिसका इस्तेमाल आमतौर पर कीटाणुओं को मारने के लिए किया जाता है. कुछ मसालों में यह स्वीकार्य सीमा से अधिक मात्रा में पाया गया. जाहिर है कि फूड स्टोरेज और परिवहन के दौरान फफूंदी और बैक्टीरिया को रोकने के लिए फूड प्रोसेसिंग के दौरान इसका गलत इस्तेमाल किया गया.

▪ क्या हैं इसके दुष्प्रभाव

इथिलीन ऑक्साइड एक जाना माना कार्सिनोजन (कैंसर के लिए जिम्मेदार पदार्थ) है और इसका सेवन सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है. यूरोपीय संघ में इथिलीन ऑक्साइड के लिए फूड में एक सख्त सीमा निर्धारित है. प्राप्त जानकारी के अनुसार इथिलीन ऑक्साइड स्तन कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है. यूएस नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के मुताबिक एथिलीन ऑक्साइड से लिंफोमा और ल्यूकेमिया के साथ पेट के कैंसर की भी आशंका है. इससे हमारे डीएनए, मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंच सकता है. यूएस नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट की मानें तो केवल सूंघने मात्र से इथिलीन ऑक्साइड हमारे शरीर में पहुंच सकता है. इससे डिप्रेशन या आंखों में जलन हो सकती है. लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से आंखों, त्वचा, नाक, गले और फेफड़ों में जलन हो सकती है. इतना ही नहीं, यदि कोई गर्भवती इसके संपर्क में आए तो यह उसके गर्भपात का कारण बन सकता है.

जब आईना पहली सी सूरत मांगे

ब्यूटी

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

उम्र से छोटा दिखने की ख्वाहिश भला किसे नहीं होती. अगर कंसीलर, कॉन्टूर और ब्लश का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो जिंदगी के पांच से पंद्रह साल तक की निशानी तो जरूर आइने से हटाई जा सकती हैं. जिंदगी की शाम में भी यौवन सी चमक दिख सकती है. बेशक यह असर तब तक ही नजर आएगा जब तक चेहरे पर मेकअप होगा और जब आप मेकअप रिमूव करेंगी तो वैसी ही दिखेंगी जैसी वाकई आप हैं. लेकिन खास मौकों के लिए उम्र के कुछ पन्ने चुरा लेना वाकई मायने रखता है. आइए, जाने कि यह कैसे संभव है.

उम्र का असर कम करने के लिए चेहरे की 6 जगह पर कंसीलर लगाएं. ये छह जगह हैं- मुंह के चारों ओर मैरियोनेट रेखाएं, होंठों के ऊपर और नीचे, आंख के अंदरूनी और बाहरी कोने के नीचे और भौंह के ठीक ऊपर. इसके बाद छोटे ब्लैंडर स्पंज का उपयोग करके उसे मिक्स कर दें.

अब कॉन्टूरिंग मेकअप टेक्नीक की मदद लें. इसके लिए चेहरे पर नेचुरल स्किन टोन से एक डार्क शेड कॉन्टूर करके एक इल्यूजन क्रिएट करना होगा. इससे चेहरे को आकार देने के लिए हल्के और गहरे रंग के शेड का उपयोग करते हैं. इसे गाल, जॉलाइन, हेयर लाइन के ख़ाली हिस्सों में और नाक के आजू-बाजू लगाकर अच्छी तरह ब्लैंड करना होता है. इसके बाद ब्लश की कुछ बूंदें लगाएं और इसे फिर से गाल के ठीक ऊपर ब्लैंड करें. यह छोटी सी कवायद चेहरे से उम्र की निशानियों को मिटा देगी. आइना उम्र के एक दो दशक पुरानी तस्वीरें दिखाएगा. यह अंतर बेशक आपको ढेरो कॉम्पीमेंट दिलाएगा और लोगों की नजर आपके चेहरे पर ठहर ठहर जाएगी.

मौसम के तीखे तेवर में कंफर्टेबल कूल ड्रेसेज आकर्षित करती हैं. ऐसे में कॉर्ड सेट्स समर इसेंशियल या गर्मी की जरुरत के तौर पर नजर आते हैं जिसे कैरी कर हम चालीस पार तापमान में भी स्टाइलिश नजर आ सकते हैं. हालांकि रील्स देखिए या रियल लाइफ के अनुभव से गुजरिए, कई बार कॉर्ड सेट नाइट सूट में तब्दील होते नजर आते हैं. जाहिर है, तब स्टाइल वाला कोई मामला नहीं रह जाता. आपने भी कई रील्स देखे होंगे जिसमें कॉर्ड सेट को नाइट सूट करार देकर जोक्स बनाए जाते हैं. फैशन डिजाइनर से जानते हैं कि कॉर्ड सेट कैसे करें कैरी कि कंफर्ट के बाद भी स्टाइल में कोई कसर नहीं रहे-

कॉर्ड सेट से कंप्लीट कंफर्ट

आराम में जबरदस्त स्टाइल में कसर नहीं

फैशन

कॉर्ड सेट बेहद आरामदायक और हवादार से होते हैं, बिल्कुल वैसी ड्रेस जिनकी हमें चिलचिलाती गर्मी के महीनों में शिद्दत से दरकार होती है. यही वजह है कि कॉर्ड हर जगह फैशन प्रेमियों के लिए समर ड्रेस बन गया है. चाहे सेलेब्रिटी के वार्डरोब्स हों या लोकल मार्केट के शोकेस, कॉर्ड ड्रेस हर जगह पूरी ठसक से मौजूद हैं. हर स्तर पर फैशन सीन में हलचल पैदा कर रहे हैं. गर्मियों में पहनने के लिए कॉर्ड सेट में ढेर सारे विकल्प भी नजर आते हैं. वाइब्रेंट कलर्स के मोनोटोन सेट और जो आकर्षक प्रिंट वाले होते हैं - जिनमें ज्यादातर आरामदायक शर्ट और पतलून होते हैं, सबसे अधिक पसंद किए जा रहे हैं. यहां तक कि कुर्ता कॉर्ड सेट भी अब वार्डरोब के मुख्य हिस्सा बन गए हैं. हालांकि, कॉर्ड सेट के साथ सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि अगर उन्हें अच्छी तरह से स्टाइल नहीं किया गया है तो उन्हें आसानी से लाउंजवियर (नाइट वियर) समझ लिया जाता है. फैशन डिजाइनर अनामिका सिंह भी कहती हैं- "कॉर्ड सेट और रात में पहनने वाले कपड़ों के बीच एक पतली रेखा होती है, और कभी-कभी लोग भ्रमित हो जाते हैं और इसे एक ही मान लेते हैं.

चूक यहां हो जाती

बकौल अनामिका सिंह, कोर्ड सेट का ढीला और बड़े आकार का फिट आमतौर पर लाउंजवियर/नाइट सूट का आभास देता है. फिर एसेसरीज की कमी या कैजुअल फुटवेयर रही सही कसर पूरी कर देते हैं और अच्छे से अच्छा कॉर्ड सूट नाइट वियर के रूप में नजर आने लगता है. जरूरी है कि हम कुछ खास बारिकियों पर ध्यान दें. देखें कि कॉर्ड सेट का फैब्रिक क्या है, इसपर वर्क क्या है. कॉर्ड सेट वेकल शर्ट और ट्राउजर का सेट नहीं हो. इसमें सेक्विन, पर्ल, सिल्क आदि का वर्क हो, इम्ब्रॉयड्री हो, लेसेज हों. इसके प्रिंट पर भी ध्यान देना जरूरी है. प्लेन कॉर्ड सेट लेने से बचें. करीना कपूर के लिए मनीष मल्होत्रा ने जो कॉर्ड सेट तैयार किया है, उसमें पूरा सेक्विन वर्क है. जाहिर है, यह गोल्डेन कॉर्ड सेट पूरी तरह पार्टीवियर है और इसे नाइट सूट समझने की गलती कोई नहीं कर सकता. इसका फैब्रिक शिफॉन, क्रेप, साटिन आदि जैसा रिच हो. इस समर सीजन में खादी के कॉर्ड सेट भी इन हैं. यह शरीर पर फिट हो और जरुरत से अधिक ढीला-ढाला नहीं हो. अनुष्का शर्मा से आलिया भट्ट तक सभी फैशनपरस्त इन्हीं बारिकियों पर ध्यान देकर स्टाइल से समझौता किए बिना आरामदायक रहने के लिए पार्टी से हॉलीडे वियर तक के रूप में कॉर्ड सेट कैरी करती नजर आती हैं.

फुटवियर हो ऐसा

आखिर कैसे करें कॉर्ड सेट कैरी जिससे वह नाइट सूट नहीं समझ लिया जाए, यह प्रश्न किसी फैशन डिजाइनर से पूछिए तो जवाब में काफी कुछ मिल जाएगा. वे सुझाव देते हैं कि इसके साथ फुटवियर चयन करते समय ध्यान रखें. अनामिका सिंह कहती हैं कि इसके साथ मोजड़ी, स्लीपर जैसे फ्लैट फुटवियर नहीं पहनें. दरअसल कॉर्ड सेट पहनने पर आपकी हाइट कुछ छोटी सी नजर आती है. इसलिए फुट वियर थोड़ा हील वाला ही कैरी करें. दिन में शॉपिंग या वर्कप्लेस पर इसे कैरी की हैं तो वेज, क्रोक्स सैंडिल आदि के साथ कैरी करें. अपने फैवरिट स्नीकर्स के साथ भी इसे दिन की समय कैरी कर सकती हैं. इवनिंग पार्टी आदि के लिए सेल्टोज या एंकल लेंग्थ बूट के साथ इसे कैरी कर सकती हैं.

ऐसेसरीज पर दें ध्यान

कोऑर्ड सेट से नाइटवियर टैग हटाने के लिए स्टेटमेंट बेल्ट चुनने का सुझाव फैशन डिजाइनर देती हैं. उनका कहना है कि हुप्स, पर्ल-ड्रॉप इयररिंग्स, स्टैक्ड कंगन और चांदी के आभूषण जैसे साधारण सामान कॉर्ड सेट के साथ अच्छे लगते हैं. एक स्टाइलिश बैग, घड़ी और सन ग्लासेस जैसे छोटे-छोटे डिटेल्स पर कॉर्ड सेट को स्टाइलिश बनाते हैं. इस बात का भी ध्यान रखें की आपके बाल बिखरे-बिखरे से नहीं हों, बल्कि अच्छी तरह संवारे हुए हों.

एक्सपर्ट व्यू

अनामिका सिंह
फैशन डिजाइनर

कॉर्ड सेट दरअसल शॉर्ट फॉर्म है कॉर्डिनेट सूट (अपर एंड लोअर) का. यह मुख्यतः कैजुअल ड्रेस है और ऑफिस, शॉपिंग, गेट टूगेडर, हॉलीडे आदि के लिए परफेक्ट डेली वियर है. इस पर नाइट वियर का टैग नहीं लगे, इसके लिए इसकी डिटेलिंग , मटैरियल, एसेसरीज, फुटवियर आदि का विशेष ध्यान रखना जरूरी है. शिफॉन, क्रेप, साटिन जैसे रिच मटैरियल के कॉर्ड सेट लें. उसे वर्क, इम्ब्रॉयड्री, लेसेज आदि से हाईलाइट करें. प्रिंट पर ध्यान दें. थोड़े हाई हील के साथ कैरी करें. सन ग्लासेज, बैग, ईयरिंग, वॉच जैसे एसेरीज पर भी फोकस करें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

केएल राहुल टीम से बाहर, संजू-पंत को मिला मौका

टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

एजेंसी। अहमदाबाद

इंतजार खत्म हुआ. टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय टीम का ऐलान मंगलवार को हो गया है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने काफी मंथन के बाद टीम का ऐलान किया. रोहित शर्मा की अगुआई में भारत आयरलैंड के खिलाफ प्रतियोगिता की शुरुआत करेगी. चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली नेशनल सेलेक्शन कमेटी ने हार्दिक पंड्या को बड़ी जिम्मेदारी दी है. वह टी20 वर्ल्ड कप में टीम की उपकप्तानी करेंगे. वहीं टीम में विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत और संजू सैमसन को जगह दी गई है. टीम में केएल राहुल को मौका नहीं मिला है.

उम्मीद के मुताबिक टीम इंडिया की कप्तानी रोहित शर्मा कर रहे हैं, जबकि आईपीएल में फॉर्म से जूझ रहे हार्दिक पंड्या उपकप्तान बनाये गये हैं. रोहित शर्मा के ओपनिंग पार्टनर यशस्वी जायसवाल होंगे. फिलहाल विराट कोहली तीसरे नंबर पर दिखाई देंगे. माना जा रहा था कि हार्दिक पंड्या को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं. सिलेक्टर्स ने उनपर विश्वास जताया है. दूसरी ओर, इस टीम में शुभमन गिल और केएल राहुल जैसे बड़े नाम शामिल नहीं हैं. टीम को देखा जाए तो संजू सैमसन, विराट कोहली दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जो रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के अलावा ओपनिंग कर सकते हैं. बता दें कि भारत अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 05 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा. इसके बाद 09 जून को उसी स्थान पर पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा. इसके बाद भारत क्रमशः 12 और 15 जून को यूएसए और कनाडा से खेलेगा.

टी20 वर्ल्ड कप के लिए हमारी टीम

रिजर्व

शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और आवेश खान

टी20 वर्ल्ड कप का पूरा कार्यक्रम

टी20 वर्ल्ड कप का ग्रुप

ग्रुप ए- भारत, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा,यूएसए
ग्रुप बी- इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, नामीबिया, स्कॉटलैंड, ओमान
ग्रुप सी- न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान, युगांडा, पापुआ न्यू गिनी
ग्रुप डी- साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स, नेपाल

टी20 वर्ल्ड कप के सभी 55 मैचों के शेड्यूल

1. शनिवार, 1 जून- यूएसए बनाम कनाडा, डलास
2. रविवार, 2 जून- वेस्टइंडीज बनाम पापुआ न्यू गिनी, गुयाना
3. रविवार, 2 जून- नामीबिया बनाम ओमान, बारबडोस
4. सोमवार, 3 जून- श्रीलंका बनाम साउथ अफ्रीका, न्यूयॉर्क
5. सोमवार, 3 जून- अफगानिस्तान बनाम युगांडा, गुयाना
6. मंगलवार, 4 जून- इंग्लैंड बनाम स्कॉटलैंड, बारबडोस
7. मंगलवार, 4 जून- नीदरलैंड्स बनाम नेपाल, डलास
8. बुधवार, 5 जून- भारत बनाम आयरलैंड, न्यूयॉर्क
9. बुधवार, 5 जून- पापुआ न्यू गिनी बनाम युगांडा, गुयाना
10. बुधवार, 5 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम ओमान, बारबडोस
11. गुरुवार, 6 जून- यूएसए बनाम पाकिस्तान, डलास
12. गुरुवार, 6 जून- नामीबिया बनाम स्कॉटलैंड, बारबडोस
13. शुक्रवार, 7 जून- कनाडा बनाम आयरलैंड, न्यूयॉर्क
14. शुक्रवार, 7 जून- न्यूजीलैंड बनाम अफगानिस्तान, गुयाना
15. शुक्रवार, 7 जून- श्रीलंका बनाम बांग्लादेश, डलास
16. शनिवार, 8 जून- नीदरलैंड्स बनाम साउथ अफ्रीका, न्यूयॉर्क
17. शनिवार, 8 जून - ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, बारबडोस
18. शनिवार, 8 जून- वेस्टइंडीज बनाम युगांडा, गुयाना
19. रविवार, 9 जून- भारत बनाम पाकिस्तान, न्यूयॉर्क
20. रविवार, 9 जून- ओमान बनाम स्कॉटलैंड, एंटीगा
21. सोमवार, 10 जून- साउथ अफ्रीका बनाम बांग्लादेश, न्यूयॉर्क
22. मंगलवार, 11 जून- पाकिस्तान बनाम कनाडा, न्यूयॉर्क
23. मंगलवार, 11 जून- श्रीलंका बनाम नेपाल, फ्लोरिडा
24. मंगलवार, 11 जून ऑस्ट्रेलिया बनाम नामीबिया, एंटीगा
25. बुधवार, 12 जून- यूएसए बनाम भारत, न्यूयॉर्क
26. बुधवार, 12 जून- वेस्टइंडीज बनाम न्यूजीलैंड, त्रिनिदाद
27. गुरुवार, 13 जून- इंग्लैंड बनाम ओमान, एंटीगा
28. गुरुवार, 13 जून- बांग्लादेश बनाम नीदरलैंड्स, सेंट विंसेंट
29. गुरुवार, 13 जून- अफगानिस्तान बनाम पापुआ न्यू गिनी, त्रिनिदाद
30. शुक्रवार, 14 जून- यूएसए बनाम आयरलैंड, फ्लोरिडा
31. शुक्रवार, 14 जून- साउथ अफ्रीका बनाम नेपाल, सेंट विंसेंट
32. शुक्रवार, 14 जून- न्यूजीलैंड बनाम युगांडा, त्रिनिदाद
33. शनिवार, 15 जून- भारत बनाम कनाडा, फ्लोरिडा
34. शनिवार, 15 जून- नामीबिया बनाम इंग्लैंड, एंटीगा
35. शनिवार, 15 जून- ऑस्ट्रेलिया बनाम स्कॉटलैंड, सेंट लूसिया
36. रविवार, 16 जून- पाकिस्तान बनाम आयरलैंड, फ्लोरिडा
37. रविवार, 16 जून- बांग्लादेश बनाम नेपाल, सेंट विंसेंट
38. रविवार, 16 जून- श्रीलंका बनाम नीदरलैंड्स, सेंट लूसिया
39. सोमवार, 17 जून- न्यूजीलैंड बनाम पापुआ न्यू गिनी, त्रिनिदाद
40. सोमवार, 17 जून- वेस्टइंडीज बनाम अफगानिस्तान, सेंट लूसिया
41. बुधवार, 19 जून- ए2 बनाम डी1, एंटीगा
42. बुधवार, 19 जून- बी1 बनाम सी2, सेंट लूसिया
43. गुरुवार, 20 जून- सी1 बनाम ए1, बारबाडोस
44. गुरुवार, 20 जून- बी 2 बनाम डी2, एंटीगा
45. शुक्रवार, 21 जून- बी1 बनाम डी1, सेंट लूसिया
46. शुक्रवार, 21 जून- ए2 बनाम सी 2, बारबाडोस
47. शनिवार, 22 जून- ए1 बनाम डी2, एंटीगा
48. शनिवार, 22 जून- सी1 बनाम बी2, सेंट विंसेंट
49. रविवार, 23 जून- ए2 बनाम बी1, बारबडोस
50. रविवार, 23 जून- सी 2 बनाम डी1, एंटीगा
51. सोमवार, 24 जून- बी 2 बनाम ए1, सेंट लूसिया
52. सोमवार, 24 जून- सी1 बनाम डी2, सेंट विंसेंट
53. बुधवार, 26 जून- सेमी 1, गुयाना
54. गुरुवार, 27 जून- सेमी 2, त्रिनिदाद
55. शनिवार, 29 जून- फाइनल, बारबडोस

उबेर कप बैडमिंटन: भारतीय महिला टीम को चीन ने 5-0 से हराया

एजेंसी। चेंगदू (चीन)

युवा सनसनी अनमोल खरब को टखने में चोट के कारण आंखों में आंसुओं के साथ कोर्ट से हटना पड़ा, जबकि भारत की कमजोर महिला टीम को मंगलवार को यहां उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में चीन ने 5-0 से रौंद दिया. कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके भारत ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा. भारत पहले ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बिना खेल रहा है जिन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया. चीन के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि भारतीय खिलाड़ी पांच मैचों में एक भी गेम नहीं जीत सके. भारत की मुसीबत उस समय और बढ़ गई, जब 17 साल की अनमोल को दूसरे एकल मुकाबले के दौरान टखना मुड़ने के कारण मैच के बीच से हटना पड़ा.ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चेन यूफेई ने 83वें नंबर की इशारानी बरुआ के खिलाफ महिला एकल में 21-12 21-10 की आसान जीत के साथ चीन को 1-0 की बढ़त दिलाई.

इशारानी ने मैच के बाद कहा, मैं अपने खेल को लेकर थोड़ी निराश हूं क्योंकि मैंने काफी गलतियां कीं. मैंने सोचा था कि मैं उसके खिलाफ अच्छा खेलूंगी, लेकिन यह उसके लिए आसान जीत रही. वह काफी तेज खेल रही थी और मुझे भी अपनी गति में इजाफा करना पड़ा.

इंग्लैंड की विश्व कप टीम में आर्चर लौटे बटलर करेंगे अगुआई

लंदन। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को मंगलवार को यहां टी20 विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम में जगह मिली, जिससे उनके 14 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का रास्ता साफ हो गया है. आर्चर ने इंग्लैंड की ओर से पिछला मुकाबला मार्च 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान खेला था. यह 29 वर्षीय तेज गेंदबाज उस श्रृंखला में तीन मैच में चार विकेट के साथ इंग्लैंड का सबसे सफल गेंदबाज रहा था. इसके बाद से आर्चर हालांकि दाईं कोहनी में स्ट्रेस फ्रेक्चर के दोबारा उभरने के कारण टीम से बाहर हैं. ईसीबी ने कहा, जोफ्रा आर्चर चोट से उबर गए हैं और उन्हें टीम में शामिल किया गया है. गत चैंपियन इंग्लैंड की अगुआई जोस बटलर करेंगे. उन्हीं के नेतृत्व में इंग्लैंड ने 2022 में ऑस्ट्रेलिया में खिताब जीता था.

इंग्लैंड टीम: बटलर (कप्तान), मोईन अली, जोफ्रा आर्चर, बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, डकेट, हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, रीस टॉपले और मार्क वुड.

मुंबई का खेमा बंटा हुआ, वे एक टीम के रूप में प्रदर्शन नहीं कर रहे: क्लार्क

एजेंसी। नयी दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट जीतना व्यक्तिगत प्रतिभा के बजाय एकजुट होकर टीम के रूप में प्रदर्शन करने पर निर्भर करता है. उनका मानना है कि मुंबई इंडियंस का खेमा समूहों में बंटा हुआ है, जिससे खिलाड़ियों के एकजुट होकर प्रदर्शन करने में बाधा आ रही है. सत्र से पूर्व कप्तानी में अचानक बदलाव करते हुए रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को कमान सौंपे जाने से पांच बार की चैंपियन टीम में निराशा है. प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए टीम को अपने बाकी बचे सभी पांच मैच जीतने होंगे. क्लार्क ने स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव पर कहा, हां, मुझे नहीं पता (वे प्ले ऑफ में पहुंचेंगे या नहीं). उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम बाहर से जो देख रहे हैं, उससे कहीं अधिक चल रहा है और इतने सारे अच्छे खिलाड़ी होने के बावजूद आपको प्रदर्शन में इस तरह निरंतरता की कमी नहीं हो सकती. ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा, मुझे लगता है कि उस ड्रेसिंग रूम के अंदर अलग-अलग समूह हैं और कुछ चीज काम नहीं कर रही है. वे एकजुट नहीं हो पा रहे, वे एक टीम के रूप में नहीं खेल रहे हैं. रोहित, सूर्यकुमार यादव, पंड्या, टिम डेविड और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी मैच विजेताओं की मौजूदगी के बावजूद मुंबई इंडियन्स की टीम को जीत हासिल करने के लिए जूझना पड़ रहा है और टीम अपने नौ में से छह मैच गंवा चुकी है. टीम की तीन जीत का श्रेय तेज गेंदबाज बुमराह और बड़े हिट लगाने वाले रोमारियो शेफर्ड की व्यक्तिगत प्रतिभा को दिया जा सकता है.

पंजाब किंग्स के खिलाफ चेन्नई की नजरें जीत पर

मेजबान टीम पर पिछला प्रदर्शन दोहराने का रहेगा भारी दबाव

एजेंसी। चेन्नई

प्रदर्शन में निरंतरता की कमी से जूझ रही चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम बुधवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी, तो उसकी नजरें खेल के सभी विभागों में एकजुट प्रदर्शन करने पर टिकी होंगी. सुपरकिंग्स के नौ मैच में 10 अंक हैं जो लखनऊ सुपर जाइंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के समान हैं और गत चैंपियन टीम निश्चित रूप से जीत के साथ इन टीमों से आगे निकलने की कोशिश करेगी. गत चैंपियन सुपरकिंग्स की चिंता हालांकि बढ़ गई है क्योंकि पंजाब किंग्स की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 262 रन के टी20 क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के बाद इस मुकाबले में उतर रही है. पंजाब किंग्स के नौ मैच में छह अंक हैं. चेपक हालांकि सुपरकिंग्स का गढ़ है जहां गेंदबाजों को पिच से मदद मिलती है और मेजबान टीम ने पिछले मैच में सनराइजर्स पर 78 रन की आसान जीत दर्ज की. चेन्नई में उस रात ओस नहीं पड़ी थी और बल्लेबाजों द्वारा 200 से अधिक का स्कोर खड़ा करने के बाद सुपरकिंग्स के गेंदबाजों ने अपनी सटीक और विविधता से भरी गेंदबाजी से सनराइजर्स की मजबूत बल्लेबाजी इकाई को ध्वस्त कर दिया. चेन्नई को पंजाब के खिलाफ यह प्रदर्शन दोहराना होगा और सभी की निगाहें कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर होंगी जो फॉर्म में वापसी कर चुके हैं. गायकवाड़ ने अपनी पिछली दो पारियों में 108 और 98 रन बनाए हैं और न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने भी हैदराबाद के खिलाफ 32 गेंद में 52 रन बना कर सही समय पर लय हासिल कर ली है.हालांकि सुपरकिंग्स के बल्लेबाजी क्रम में असली तूफान शिवम दुबे हैं, जिन्होंने इंपेक्ट प्लेयर के रूप में आते हुए विपक्षी गेंदबाजों को धराशायी किया है.

स्पिन के खिलाफ अच्छा खेलने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज दुबे ने मौजूदा सत्र में अब तेज गेंदबाजों के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन करके अपनी बल्लेबाजी में एक और आयाम जोड़ दिया है. दुबे ने अब तक 350 रन बनाए हैं, जो गायकवाड़ के 447 रन के बाद सुपरकिंग्स के लिए दूसरे सर्वाधिक रन हैं. उन्होंने ये रन 172.41 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं और इस मामले में टीम में महेंद्र सिंह धौनी (259.45) के बाद दूसरे स्थान पर हैं. हालांकि सुपरकिंग्स की सलामी जोड़ी अस्थिर बनी हुई है. गायकवाड़ ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन अब बाहर किए गए रचिन रविंद्र और अजिंक्य रहाणे दोनों अपने कप्तान का साथ नहीं निभा पाए हैं. सलामी बल्लेबाज के रूप में रहाणे ने पिछली चार पारियों में 05, 36, 01 और 09 रन बनाए जो उनके अनुभव और कौशल के अनुरूप नहीं हैं.हालांकि पूरी संभावना है कि टीम उन्हें और मौके देगी. बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने भी कहा था कि यह 35 वर्षीय बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने के करीब है. दूसरी ओर पंजाब किंग्स की टीम रिकॉर्ड लक्ष्य हासिल करने के बाद लय को जारी रखते हुए अंक तालिका में मौजूदा आठवें स्थान से आगे बढ़ने को बेताब होगी. इसके लिए टीम को बल्लेबाजों से एक बार फिर से एकजुट प्रदर्शन की उम्मीद है. जिम्मेदारी एक बार फिर नाइट राइडर्स के खिलाफ शतक जड़ने वाले जॉनी बेयरस्टो, शशांक सिंह और प्रभसिमरन सिंह के कंधों पर होगी.टीम हालांकि विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा से अधिक प्रभावशाली प्रदर्शन चाहेगी.

टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपरकिंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धौनी, अरावेल्ली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हांगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, निशांत सिंधू, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्तफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महीश तीक्षणा और समीर रिज्वी.

पंजाब किंग्स : शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व ताइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कागिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु.

समय: मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा

ये आईपीएल अलग है — इंपेक्ट प्लेयर की अवधारणा को टीमों ने अब समझ लिया है

मानसिक रूप से चुनौती स्वीकार करने की जरूरत: चक्रवर्ती

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि टीमों ने आईपीएल के मौजूदा सत्र में इंपेक्ट प्लेयर की अवधारणा को बेहतर ढंग से समझा है और अब गेंदबाजों को खेल में प्रभाव डालने के लिए बल्लेबाजों के अति आक्रामक रवैये का मुकाबला करने के तरीके खोजने होंगे.

चक्रवर्ती ने सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 16 रन देकर तीन विकेट लिए और नाइट राइडर्स की सात विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई. चक्रवर्ती ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, इंपेक्ट प्लेयर नियम पिछले साल भी था. टीमें अब समझ गई हैं कि इंपेक्ट प्लेयर नियम का बेहतर उपयोग कैसे किया जाए. वे जानते हैं कि उनके पास अतिरिक्त बल्लेबाज है और वे पहली गेंद से ही प्रहार करना चाहते हैं. यह इसी तरह चल रहा है.

मानना होगा कि ये आईपीएल अलग

उन्होंने कहा, गेंदबाज कितना भी रोएं, यह ऐसा ही है. हमें स्वीकार करना होगा कि यह आईपीएल अलग है और मानसिक रूप से इस चुनौती को स्वीकार करना होगा. आप कुछ भी नहीं बदल सकते.

चक्रवर्ती ने कहा कि ईडन गार्डन्स की पिच से दिल्ली के खिलाफ गेंदबाजों को अच्छी मदद मिली. उन्होंने कहा, इससे पूर्व पिछले दो मैचों में हमने लक्ष्य का उतना अच्छा बचाव नहीं किया था क्योंकि दूसरी पारी में विकेट बहुत सपाट हो गया था. लेकिन इस पिच से थोड़ा अधिक टर्न मिल रहा था. चक्रवर्ती ने कहा, यही अंतर था. लेंथ मूल रूप से सभी मैचों में समान थी. यह बस विकेट का बर्ताव था.

अगले सभी मैच जीतने होंगे: होप्स

बेंगलुरु (12 मई) की यात्रा करने से पहले दिल्ली का अगला मुकाबला सात मई को घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स से होगा. लीग में उनका आखिरी मैच 14 मई को घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ है. होप्स ने कहा, अब हमारे पास एक सप्ताह का ब्रेक है. हमारा भाग्य अब भी हमारे हाथों में है, आप यह कह सकते हैं. उन्होंने कहा, अगर हम तीनों मैच जीत सकते हैं और 16 अंक हासिल कर सकते हैं तो यह पर्याप्त होना चाहिए. लेकिन हमारे पास अभी एक सप्ताह का ब्रेक है जहां हम फिर से बदलाव कर सकते हैं और देख सकते हैं कि क्या हमें किसी भी चीज के बारे में थोड़ा अलग सोचने की ज़रूरत है.

ब्रीफ खबरें

लूट की दो बाइक के साथ दो लुटेरे गिरफ्तार

अररिया । जिले की सिमराहा ओपी थाना पुलिस ने हाइवे से हथियार का भय दिखाकर कर लूटी गई दो बाइक के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया. एसपी अमित रंजन के निर्देश पर फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा और सिमराहा ओपी थानाध्यक्ष रूबी कुमारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई की. गिरफ्तार आरोपितों में सिमराहा ओपी तहां क्षेत्र के औराही पूरब के रहने वाले अमित कुमार यादव पिता सुशील यादव और निशांत कुमार राज पिता अशोक यादव है.

बेतिया में किन्नर ने की युवक से शादी

बेतिया । बेतिया में मंगलवार को एक अनोखी शादी देखने को मिली है, जहां एक ट्रांसजेंडर ने युवक से ब्याह रचाया है. ट्रांसजेंडर ने अपने प्रेमी के साथ मंदिर में सात फेरे लिए हैं. दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था और दोनों छुप-छुपकर मिला करते थे. बेतिया के सरिसवा गढ़ी माई मंदिर में हुई इस शादी के सैकड़ों लोग गवाह बने. बेतिया के मझौलिया प्रखंड के सरिसवा गढ़ी माई मंदिर परिसर में हुई ये शादी चर्चा का विषय बनी हुई है. इस शादी को देखने सैकड़ों लोग पहुंच गए, जब मंदिर परिसर में एक किन्नर ने युवक के साथ शादी की रस्म अदा की.

बंद होंगे पटना के कई होटल व रेस्टोरेंट

पटना । पाल होटल अग्निकांड में 7 लोगों की मौत के बाद आखिरकार पटना जिला प्रशासन एक्शन में आया है. अब शहर के कई होटल एवं रेस्टोरेंट पर सीलिंग की तलवार लटक रही है. अग्निशमन विभाग की टीम ने पटना के 305 होटल एवं रेस्टोरेंट की सोमवार को जांच की. ज्यादातर होटलों में आग से बचाव के उपाय नहीं पाए गए. सभी जगहों पर अनियमितता और कमियां मिली हैं. अधिकतर होटल एवं रेस्टोरेंट आग लगने पर दमकल के भरोसे ही हैं. अग्निशमन विभाग ऐसे होटलों की पहचान कर रहा है, जहां सबसे अधिक अगलगी का अंदेशा है.

मुंगेर से पीरपैंती के खिदमतपुर जा रही थी बारात

भागलपुर में सड़क हादसा छह लोगों की मौत, तीन घायल

संवाददता ।पटना

भागलपुर जिले के कहलगांव मुख्य मार्ग एनएच-80 पर सोमवार देर रात घोघा थाना क्षेत्र के आमापुर के पास सड़क दुर्घटना में स्कॉर्पियो सवार छह बारातियों की मौत हो गई. हादसे तीन लोग घायल हो गए. तीनों की हालत गंभीर है. घायलों को भागलपुर के मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने एनएच-80 का निर्माण कर रही एजेंसी की जेसीबी और अन्य संसाधनों से मलबा हटाकर लोगों को बाहर निकाला. इनमें छह की मौत हो

चुकी थी. बाकी तीन लोग घायल मिले. घायलों ने स्थानीय लोगों को जो सूचना दी, उसके अनुसार बारात मुंगेर के हवेली खड़गपुर से पीरपैंती के खिदमतपुर जा रही थी. पुलिस के मुताबिक तीन स्कॉर्पियो से बाराती भागलपुर से कहलगांव की ओर जा रहे थे. विपरीत दिशा से गिट्टी लदा हाइवा आ रहा था.

इसी दौरान हाइवा अनियंत्रित होकर स्कॉर्पियो पर पलट गया. बीच में चल रही स्कॉर्पियो पूरी तरह से हाइवा की जद में आ गई. मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं. घायल कैलाश ने बताया कि लगभग एक घंटे तक वो लोग मलबे में दबे रहे. पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गयी है.

पानी का टैंकर पलटने से बच्चे की मौत, बवाल

भागलपुर । कबीरपुर मोहल्ले में मंगलवार को नगर निगम का पानी से भरा टैंकर पलट गया. इस घटना में एक 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई. घटना के बाद मृतक के परिजन और ग्रामीणों ने जमकर बवाल काटा. लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया. बताया जा रहा है कि नगर निगम के पानी के टैंकर में पानी भरा हुआ था. बच्चे एक तरफ खेल रहे थे. वहीं दूसरी तरफ से तेज रफ्तार से पानी की टैंकर आ रही थी. तभी यह हादसा हो गया.

रामा सिंह ने राजद से दिया इस्तीफा

संवाददता ।पटना

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सभी पार्टियों में नेताओं के दल बदल जारी है. इस बीच वैशाली के पूर्व सांसद बाहुबली नेता रामकिशोर सिंह उर्फ रामा सिंह ने राजद से मंगलवार को इस्तीफा दे दिया है. इसका उन्होंने औपचारिक ऐलान मीडिया के सामने कर दिया है. रामा सिंह वैशाली लोकसभा क्षेत्र या शिवहर लोकसभा क्षेत्र के लिए महागठबंधन से टिकट की मांग कर रहे थे, लेकिन राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने उन्हें दोनों जगह में कहीं भी सिंबल नहीं दिया. वैशाली से मुन्ना शुक्ला को और शिवहर से रितु जायसवाल को टिकट

दे दिया है. वहीं, राजद नेता रामा सिंह बुधवार को एलजेपी (आर) में शामिल हो सकते हैं.

मुख्य वजह यह रहा कि लोकसभा चुनाव अधिसूचना के पहले रामा सिंह पार्टी गाइडलाइन से हटकर लगातार वह अपनी ताकत दिखाने के प्रयास में थे. कई बार उन्होंने मिलर स्कूल मैदान में और अन्य जिलों में जा जाकर अपनी ताकत और राजपूत एकता का प्रदर्शन भी किया था, लेकिन उसका कोई फायदा नहीं हुआ. अंत में रामा सिंह ने अब पार्टी की सदस्यता से को खत्म करने का निर्णय लिया.

हालांकि, राम सिंह की पत्नी वीणा देवी राजद में बनी हुई हैं और वह राजद के सिंबल पर महनार विधानसभा से विधायक हैं. रामा सिंह के इस्तीफा के बाद कयास लग रहा है कि वह वैशाली लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ सकते हैं या शिवहर लोकसभा में क्षेत्र भी दांव खेल सकते हैं. क्योंकि शिवहर में एनडीए प्रत्याशी बाहुबली आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद चुनाव मैदान में हैं.

जहानाबाद में पुलिस का जवान ही निकला लुटेरा

जहानाबाद । पटना-गया रेल खंड के बेला स्टेशन पर यात्री से लूट की कोशिश और फायरिंग मामले में जीआरपी पुलिस ने बिहार पुलिस के एक सिपाही को गिरफ्तार किया है. घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने इस कांड में शामिल मुख्य अभियुक्त को काफी जद्दोजहद के बाद गिरफ्तार कर लिया है. पकड़ा गया आरोपी बिहार पुलिस का जवान सिंटू कुमार उर्फ संटू कुमार बताया जाता है. आरोपी रोहतास जिले के डिहरी पुलिस लाइन में पदस्थापित है. पुलिस ने तीन थानों की मदद से उसे मखदुमपुर थाना क्षेत्र के मोगलबिगहा गांव से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है. दरअसल, जीआरपी थाने की पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि कांड का मुख्य आरोपी अपनी फुआ के घर छुपा हुआ है. जिसके बाद जीआरपी थाने की पुलिस ने मखदुमपुर और उमता धरनई थाने की मदद से घटना में शामिल मुख्य आरोपी को धर दबोचा.

सीवान लोकसभा क्षेत्र

शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब ने किया नामांकन

संवाददाता ।पटना

शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब मंगलवार को सीवान लोकसभा सीट से अपना नामांकन किया. उनके साथ

जो उनके समर्थक उनका नामांकन कराने के लिए आए थे वे पीला और भगवा गमछा लिए दिखे. इसको लेकर सीवान में सियासी हलचलें बढ़ गई है. कई प्रकार की चर्चाओं के बीच हिना शहाब सीवान लोक सभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में अपना नामांकन भरा. सीवान में उनके सामने एनडीए प्रत्याशी विजय लक्ष्मी कुशवाहा हैं तो वहीं महागठबंधन से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी मैदान में उतरे हैं. इसको लेकर यहां चुनाव त्रिकोणीय होने की संभावना है. चुनावी राजनीति में हिना शहाब का यह कदम एक नया मोड़ माना जा रहा है. उनके पति शहाबुद्दीन राजद के बाहुबली नेता थे. राजद के टिकट पर वे कई बार चुनाव जीते भी थे. लेकिन, हिना शहाब यहां से राजद के टिकट से दो बार चुनाव लड़ी. वे दोनों बार चुनाव हार गई थी. इस दफा उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है. राजद की ओर से उनको मनाने का बहुत प्रयास किया गया. लेकिन उन्होंने उनकी एक नहीं सुनी और निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया. कुछ लोगों का कहना है कि हिना शहाब अपने पति की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाना चाहती हैं.

भाजपा उम्मीदवार संजय ने किया नामांकन

चौथी बार मैदान में उतरे, दोनों डिप्टी सीएम थे साथ में, चिराग भी थे मौजूद

नामांकन के पूर्व बेतिया काली धाम मंदिर से रोड शो निकाला

संवाददाता ।पूर्वी चंपारण

पश्चिम चंपारण लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार डॉ संजय जायसवाल ने मंगलवार को नामांकन किया. जायसवाल चौथी बार चुनाव लड़ रहे हैं. उन्होंने जिला निर्वाचन पदाधिकारी दिनेश कुमार राय के समक्ष नामांकन किया. नामांकन के दौरान उनके साथ में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और जदयू के तमाम नेता भी मौजूद रहे. नामांकन के पूर्व बेतिया काली धाम मंदिर से रोड शो निकाला गया. इस दौरान समर्थकों की काफी भीड़ रही. रोड शो के दौरान रथनुमा गाड़ी पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, चिराग पासवान, डॉक्टर संजय जायसवाल लोगों का अभिवादन करते हुए जिला मुख्यालय पहुंचे. इस दौरान लोगो ने हर चौक चौराहे पर रोड शो का स्वागत कर फूलों की बारिश की.

देश में दूसरे स्थान पर पहुंची बिहार के श्रमिकों की संख्या

पटना । केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, ई-श्रम पोर्टल पर बिहार के दो करोड़ 86 लाख श्रमिकों का निबंधन हो चुका है. देश में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की संख्या के मामले में बिहार दूसरे स्थान पर आ गया है. श्रम संसाधन विभाग के मुताबिक ई-श्रम पोर्टल से निबंधित श्रमिकों को सरकार ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी है ताकि सरकार द्वारा असंगठित श्रमिकों की पहचान और आधार कार्ड की तर्ज पर उनके काम के अनुसार रिकॉर्ड भी तैयार किया जा रहा है. केंद्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर बिहार में कृषि क्षेत्र से सर्वाधिक एक करोड़ 52 लाख 23 हजार श्रमिकों ने निबंधन कराया है. जबकि घरेलू कार्य करने वाले 42 लाख 10 हजार श्रमिकों ने निबंधन कराया है. छोटे-बड़े उद्योग क्षेत्र में कार्य करने वाले करीब 17 लाख श्रमिकों का निबंधन पोर्टल पर हुआ है.

कारोबार

सौर परियोजनाओं के ठेके मिले केपीआई को

नयी दिल्ली । केपीआई ग्रीन एनर्जी को कुल 74.30 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए नए ठेके मिले हैं. कंपनी ने कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि केपीआई ग्रीन को सौर ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए कुल 74.30 मेगावाट के नए ठेके मिले हैं. केपीआई ग्रीन एनर्जी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियां सन ड्रॉप्स एनर्जिया प्राइवेट लिमिटेड और केपार्क सनबीट प्राइवेट लिमिटेड ठेकों की शर्तों के अनुसार परियोजनाओं को पूरा करेंगी.

स्टार हेल्थ इंश्योरेंस का शुद्ध लाभ 40% बढ़ा

नयी दिल्ली । स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 40 प्रतिशत बढ़कर 142 करोड़ रुपये हो गया. कंपनी का पिछले साल इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 102 करोड़ रुपये रहा था. स्टार हेल्थ ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का सकल लिखित प्रीमियम बढ़कर 4,968 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 4,199 करोड़ रुपये था. पिछले साल की इसी तिमाही के 3,993 करोड़ रुपए की तुलना में बढ़कर 4,570 करोड़ रुपए हो गया.

होम फाइनेंस मामले में 1.6 करोड़ का जुर्माना

नयी दिल्ली । राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण ने रिलायंस होम फाइनेंस में पेशेवर और ऑडिट से जुड़ी गड़बड़ियों के लिए एक ऑडिट कंपनी और दो ऑडिटरों पर कुल 1.6 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है. एनएफआरए ने एक बयान में कहा कि ऑडिट कंपनी धीरज एंड धीरज पर वित्त वर्ष 2018-19 के ऑडिट कार्यों में गड़बड़ी के लिए एक करोड़ रुपये, पीयूष पाटनी पर 50 लाख रुपये और पवन कुमार गुप्ता पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है. पाटनी और गुप्ता दोनों ही मुंबई स्थित ऑडिट कंपनी धीरज एंड धीरज के भागीदार हैं. इसके अलावा वित्तीय रिपोर्टिंग नियामक ने इस पर रोक लगा दी है.

टाटा ग्रुप ने टेमासेक की पूरी 10% हिस्सेदारी 100 मिलियन डॉलर में खरीद ली है

टाटा संस ने टाटा प्ले में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई

भाषा ।नयी दिल्ली

देश की प्रमुख कंपनी टाटा ग्रुप का विस्तार जारी है. एक बाद एक कर टाटा किसी कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर स्थिति मजबूत करती जा रही है. इसी क्रम में टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने टाटा प्ले (पूर्व में टाटा स्काई) में अपनी हिस्सेदारी 70% तक बढ़ा ली है. टाटा संस ने टाटा प्ले में सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक की पूरी 10% हिस्सेदारी करीब 100 मिलियन डॉलर (करीब 835 करोड़ रुपये) में खरीद ली है. इसके साथ ही टाटा प्ले से सिंगापुर की कंपनी पूरी तरह बाहर हो गई है. इसके लिए डायरेक्ट-टू-होम (डीटूएच) फर्म की वैल्यूएशन एक अरब डॉलर आंकी गई. नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाले टाटा ग्रुप के लिए यह कंपनी काफी अहम है. इसकी वजह यह है कि मीडिया एवं एंटरटेनमेंट सेक्टर में यह उसकी एकमात्र कंपनी है. 21 मिलियन ग्राहकों के साथ टाटा प्ले देश की सबसे बड़ी डीटीएच कंपनी है.

बताया जाता है कि कंपनी ने अपनी शेयरहोल्डिंग में बदलाव के बारे में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को सूचित कर दिया है. डीटीएच

नियमों के तहत, लाइसेंस धारकों को शेयरधारिता या साझेदारी या प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पैटर्न में बदलाव के बारे में मंत्रालय को सूचित करना आवश्यक है. एक सीनियर मीडिया एग्जीक्यूटिव ने बताया कि टाटा संस ने टाटा प्ले में टेमासेक की हिस्सेदारी खरीद ली है. डीटीएच कंपनी ने शेयरहोल्डिंग में बदलाव के बारे में सरकार को बता दिया है. हालांकि टाटा संस, टेमासेक और टाटा प्ले ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया. टेमासेक के बाहर निकलने के बाद अब टाटा प्ले में टाटा संस की 70 फीसदी और वॉल्ट डिज्नी 30 फीसदी हिस्सेदारी हो गई है. वॉल्ट डिज्नी भी इससे बाहर निकलने के विकल्पों पर विचार कर रही है. टाटा संस के पास पहले कंपनी में 60% हिस्सेदारी थी, जबकि डिज्नी के पास 30% हिस्सेदारी थी. माना जा रहा है कि टाटा संस ने डिज्नी से भी उसकी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत की है. डिज्नी टाटा प्ले से बाहर निकलना चाहता है क्योंकि डीटीएच उसके लिए नॉन-कोर बिजनस है. डिज्नी ने रूपर्ट मर्डोक प्रमोटेड कंपनी 21एसटी सेंचुरी फॉक्स के भारत में एसेट्स को खरीदा था. इसके साथ ही उसे टाटा प्ले में 30% हिस्सेदारी भी मिली थी.

फरवरी में, डिज्नी ने अपने स्टार इंडिया बिजनस का रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी वायकॉम 18 के साथ मर्ज करने पर सहमति जताई थी. इससे 8.5 अरब डॉलर की मीडिया कंपनी बनेगी. टेमासेक ने अपनी सहयोगी कंपनी बेट्री इन्वेस्टमेंट्स मॉरीशस के माध्यम से 2007 में टाटा प्ले में 10% हिस्सेदारी हासिल की थी. सिंगापुर की यह कंपनी कई साल से आईपीओ के जरिए टाटा प्ले से बाहर निकलने पर विचार कर रही है. वॉल्ट डिज्नी भी आईपीओ के दौरान कंपनी में अपनी हिस्सेदारी कम करने की फिराक में है. लेकिन कठिन बाजार परिस्थितियों और डीटीएच क्षेत्र की चुनौतियों के कारण कंपनी ने इस आईपीओ को टाल दिया था. सेबी ने मई 2023 में टाटा प्ले के प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गम को मंजूरी दे दी. नवंबर 2022 में, टाटा प्ले बाजार नियामक के साथ गोपनीय कागजात दाखिल करने वाली भारत की पहली कंपनी बन गई.

टाटा ग्रुप

- टाटा प्ले से सिंगापुर की कंपनी पूरी तरह बाहर हो गई
- टाटा प्ले में वॉल्ट डिज्नी की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है

विशेष स्क्रीनिंग

मुंबईः बॉलीवुड कलाकार सोनाली बेंद्रे, जयदीप अहलावत, श्रिया पिलगांवकर और सुचित्रा पिल्लई मुंबई में आगामी जी5 सीरीज द ब्रोकन न्यूज एस2 की विशेष स्क्रीनिंग के दौरान तस्वीरों के लिए पोज देते हुए.

स्टरलाइट को 2,500 करोड़ के ठेके मिले

नयी दिल्ली । स्टरलाइट पावर को वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 2,500 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले. स्टरलाइट पावर ने एक बयान में कहा कि इसके साथ ही वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को कुल 7,000 करोड़ रुपये के ठेके मिले. वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में यह 35 प्रतिशत की वृद्धि है. स्टरलाइट पावर ने वित्त वर्ष 2024 में अपने वैश्विक उत्पाद व सेवा कारोबार इकाई के लिए चौथी तिमाही में 2,500 करोड़ के नए ठेके हासिल किए हैं.

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का मुनाफा 10 गुना बढ़ा

एजेंसी ।सियोल

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का जनवरी-मार्च तिमाही में परिचालन लाभ 10 गुना होकर 6600 अरब वॉन (4.8 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा. यह पिछले साल की समान अवधि में 640 अरब वॉन (46.5 करोड़ डॉलर) था. कंपनी ने मंगलवार को बताया कि मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों और प्रमुख गैलेक्सी एस24 स्मार्टफोन की मजबूत बिक्री के दम पर कंपनी का राजस्व करीब 13 प्रतिशत बढ़कर 71900 अरब वॉन (52 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गया. एआई चिप की बढ़ती मांग को देखते हुए सैमसंग ने कहा कि उसने इस महीने अपने नवीनतम एचबीएम चिप (जिन्हें 8-लेयर एचबीएम3ई कहा जाता है) का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू कर दिया है. दूसरी तिमाही में चिप के 12-लेयर संस्करण का उत्पादन शुरू करने की योजना है. सैमसंग ने एक बयान में कहा, 2024 की दूसरी छमाही में व्यापक आर्थिक रुझानों और भू-राजनीतिक मुद्दों से संबंधित निरंतर अस्थिरता के बावजूद सकारात्मक होने की उम्मीद है.

मांग बढ़ी

डब्ल्यूजीसी ने मंगलवार को अपनी वैश्विक रिपोर्ट जारी किया

ऊंची कीमतों के बावजूद सोने की मांग 3% बढ़ा

- आने वाले महीनों में यदि कीमतें स्थिर रहती हैं, तो कुछ मूल्य-संवेदनशील खरीदार बाजार में फिर से प्रवेश कर सकते हैं

एजेंसी ।नयी दिल्ली

उच्च कीमतों के बावजूद जनवरी-मार्च में वैश्विक सोने की मांग मामूली रूप से तीन प्रतिशत बढ़कर 1,238 टन हो गई. यह 2016 के बाद से सबसे मजबूत तिमाही रही. विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने मंगलवार को अपनी वैश्विक रिपोर्ट गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स क्यू1 2024 जारी की.

इसके अनुसार, सोने की कुल वैश्विक मांग (ओवर द काउंटर खरीद सहित) सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 1,238 टन हो गई. ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) लेनदेन दो पक्षों के बीच सीधे होते हैं, जबकि एक्सचेंज ट्रेडिंग एक्सचेंज के जरिए होती है. जनवरी-मार्च में ओटीसी के अलावा मांग 2023 की इसी अवधि की तुलना में पांच प्रतिशत घटकर 1,102 टन रह गई. विश्व स्वर्ण परिषद में वरिष्ठ बाजार विश्लेषक लुईस स्ट्रीट ने कहा, मार्च के बाद से सोने की कीमत सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है. उन्होंने कहा, हालिया उछाल के पीछे कई कारक हैं, जिनमें भू-राजनीतिक जोखिम में वृद्धि और चल रही व्यापक आर्थिक अनिश्चितता शामिल है.

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंकों की ओर से निरंतर तथा दृढ़ मांग, मजबूत ओटीसी निवेश और डेरिवेटिव बाजार में बढ़ी हुई शुद्ध खरीद ने सोने की कीमत को बढ़ाने में योगदान दिया है. स्ट्रीट ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से, भारत और चीन सहित दुनिया के पूर्वी बाजार में तब्दीली तब आती है जब कीमतें नीचे जा रही होती हैं, जबकि पश्चिमी बाजार में तब्दीली तब आती है जब कीमतें ऊपर जा रही होती हैं. उन्होंने कहा, पहली बार हमने पूर्ण उलटफेर देखी है. पहली तिमाही में भारतीय और चीनी बाजारों में सोने की कीमतों में वृद्धि पर तब्दीली आई है. स्ट्रीट ने 2024 की संभावनाओं पर कहा कि इस साल सोने के हालिया प्रदर्शन के आधार पर वर्ष की शुरुआत में लगाए गए अनुमान की तुलना में अधिक मजबूत रिटर्न मिलने की संभावना है.

उन्होंने कहा, आने वाले महीनों में यदि कीमतें स्थिर रहती हैं, तो कुछ मूल्य-संवेदनशील खरीदार बाजार में फिर से प्रवेश कर सकते हैं. निवेशक सुरक्षित निवेश के लिए सोने की ओर देखना जारी रखेंगे जहां वे ब्याज दरों में कटौती और चुनाव परिणामों के बारे में स्पष्टता चाहेंगे.

आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया ने सीएफओ किया नियुक्त

एजेंसी ।नयी दिल्ली

आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया ने अजीम सैयद को कंपनी का मुख्य

वित्तीय अधिकारी और मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है. कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वह एक मई 2024 से कार्यभार संभालेंगे. अपनी नई भूमिका में वह भारत, पश्चिम एशिया और अफ्रीका क्षेत्र में वित्तीय प्रदर्शन को बढ़ाने और परिचालन दक्षता को सक्षम करने के लिए कार्यकारी दल के साथ मिलकर काम करेंगे. आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रमोद सागर ने कहा, हम अजीम का मुख्य वित्तीय अधिकारी और मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी के रूप में हमारे नेतृत्व दल में स्वागत करते हैं.

उनका विशाल अनुभव तथा विशेषज्ञता हमारी वित्तीय रणनीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. क्षेत्र में बाजार अग्रणी के रूप में कंपनी की स्थिति को और मजबूत करेगी. विएना स्थित आरएचआई मैग्नेसिटा की अनुषंगी कंपनी आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया लिमिटेड इस्पात, सीमेंट, अलौह धातुओं और कांच सहित प्रमुख उद्योगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उच्च श्रेणी के रिफ्रैक्टरी उत्पादों की आपूर्तिकर्ता है.

ब्रीफ खबरें

पाकिस्तान को 1.1 अरब डॉलर मिलेगा ऋण

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को राहत पैकेज के तहत 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर की तत्काल मदद को मंजूरी दे दी है. आईएमएफ ने कहा कि देश को अपनी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है. इस संबंध में निर्णय अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड ने लिया. उसने आईएमएफ की अतिरिक्त व्यवस्था (एसबीए) द्वारा समर्थित पाकिस्तान के आर्थिक सुधार कार्यक्रम की दूसरी तथा अंतिम समीक्षा पूरी करने के बाद यह फैसला किया.

फिर फटा माउंट रुआंग ज्वालामुखी

मानादो (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया का माउंट रुआंग ज्वालामुखी दो सप्ताह के भीतर दूसरी बार मंगलवार को फिर से फट गया, जिससे करीब दो किलोमीटर दूर तक आसमान में गुबार फैल गया और एक हवाई अड्डे को बंद करना पड़ा. ज्वालामुखी फटने की वजह से उसका मलबा आस-पास के गांवों में फैल गया. इंडोनेशियाई भूवैज्ञानिक सेवा ने ज्वालामुखी फटने का संकेत मिलने के बाद सुलावेसी द्वीप पर चेतावनी जारी की थी और आस-पास के गांवों में रहने वाले लोगों और पर्वतारोहियों से ज्वालामुखी से कम से कम छह किलोमीटर दूर रहने का आग्रह किया था.

वारंट लेकर पहुंचे पुलिस पर फायरिंग

चार्लोट। नॉर्थ कैरोलाइना में एक वांछित अपराधी के लिए वारंट तामील कराने पहुंचे पुलिस अधिकारियों पर गोलीबारी की गयी, जिसमें चार अधिकारियों की मौत हो गयी तथा चार अन्य घायल हो गये. पुलिस अधिकारी आग्नेयास्त्र रखने के आरोप में वांछित एक अपराधी के लिए वारंट तामील कराने गये थे. पुलिस प्रमुख जॉनी जेनिंग्स के अनुसार अमेरिका की मार्शल टास्क फोर्स के अधिकारी जब वारंट लेकर संदिग्ध के घर पहुंचे तो उन पर गोलीबारी की गयी, जिसमें चार पुलिस घायल हो गये.

वैज्ञानिक ने लैब से निकाले जाने के बाद दिया धरना

शंघाई। चीन में कोविड-19 के वायरस का अनुक्रम प्रकाशित करने वाले प्रथम वैज्ञानिक को अपनी प्रयोगशाला से बाहर निकाले जाने के बाद धरने पर बैठना पड़ा है. विषाणु विज्ञानी झांग योंगझेन ने सोमवार को एक ऑनलाइन पोस्ट में लिखा कि उन्हें तथा उनकी टीम को अचानक पता चला कि उन्हें उनकी प्रयोगशाला से बाहर निकाला जा रहा है. झांग ने सबसे पहले जनवरी 2020 की शुरुआत में कोविड-19 के वायरस का अनुक्रम प्रकाशित किया था. यह कदम दिखाता है कि चीन की सरकार किस तरह वैज्ञानिकों पर लगातार दबाव बना रही है.

पीएम किशिदा ने पद छोड़ने से किया इनकार

तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने मंगलवार को कहा कि गत रविवार को हुए उपचुनाव में उनकी सत्तारूढ़ पार्टी की बड़ी हार की वजह राजनीतिक भ्रष्टाचार का एक मामला है और वह इसकी जिम्मेदारी लेने के लिए पद नहीं छोड़ेंगे या पार्टी पदाधिकारियों को नहीं बदलेंगे. किशिदा ने कहा कि इसके बजाय वह भ्रष्टाचार निरोधक उपायों और राजनीतिक सुधारों पर ध्यान देंगे. उन्होंने कहा, मैं इन परिणामों को गंभीरता से लेता हूं और मेरा विश्वास है कि सत्तारूढ़ पार्टी का अध्यक्ष होने के नाते हमें चुनौतियों से निपटना चाहिए और परिणाम हासिल करने चाहिए.

मस्जिद में घुसकर छह को मारी गोली, मौत

इस्लामाबाद। पश्चिमी अफगानिस्तान में एक बंदूकधारी ने एक मस्जिद में घुसकर गोलीबारी शुरू कर दी जिससे वहां नमाज पढ़ रहे छह लोगों की मौत हो गई. तालिबान के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. स्थानीय मीडिया ने खबर दी है और अफगानिस्तान के एक पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि इस मस्जिद को इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि यह अल्पसंख्यक शिया समुदाय की है. तालिबान शासित गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने बताया कि यह हमला सोमवार रात को हेरात प्रांत के गुज़रा जिले में हुआ है.

भाजपा अगर लोस चुनाव जीती तो भारत 15 साल पीछे चला जाएगा : डिंपल यादव

साक्षात्कार

एजेंसी। मैनपुरी (उप्र)

सपा की स्थानीय सांसद डिंपल यादव ने दावा किया है कि भाजपा अगर लोकसभा चुनाव में जीत जाती है तो भारत 15 साल पीछे चला जाएगा. उन्होंने भाजपा पर बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया. डिंपल यादव ने मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद रिक्त हुई उनकी परंपरागत सीट मैनपुरी से उपचुनाव जीता था और अब उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए फिर से चुनावी मुकाबले में हैं. डिंपल ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा, लोग भाजपा की बंटवारे की राजनीति को समझ गए हैं. लोग इस बार बदलाव के लिए वोट करने जा रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वोट बैंक की राजनीति के लिए समाज के विभिन्न वर्गों के बीच मतभेद पैदा करती है.

समाज का हर वर्ग तंग आ गया है भाजपा से

डिंपल ने कहा, लोग बदलाव चाहते हैं, वे इस बार बदलाव के लिए मतदान कर रहे हैं. भाजपा की 'दबाव की राजनीति' के कारण समाज का हर वर्ग तंग आ गया है. लोगों को हर स्तर पर उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि जहां केंद्र की भाजपा सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग (आईटी) जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है, वहीं उत्तर प्रदेश में जिला स्तर पर प्रशासन लोगों को परेशान कर रहा है. सपा सांसद ने कहा, महंगाई चरम पर है और सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक नहीं पहुंच रहा है. लोगों से केवल वादे किए गए लेकिन जमीन पर कुछ भी नहीं दिया गया. उन्होंने कहा, लोग देख रहे हैं कि वे (भाजपा) देश को कहां ले जा रहे हैं और हर कोई जानता है कि वैश्विक रैंकिंग में कुपोषण और भुखमरी के मामले में भारत की स्थिति क्या है, अगर वे (भाजपा) जीतते हैं, तो देश 15 साल पीछे चला जाएगा.

भविष्य को बचाने के लिए संविधान खतरे में है

उन्होंने कहा, यह चुनाव देश के भविष्य को बचाने के लिए है क्योंकि संविधान खतरे में है. साड़ी पहने हुए और सिर को पल्लू से ढके हुए डिंपल यादव ने भाजपा नेताओं की मंगलसूत्र संबंधी टिप्पणी पर पार्टी पर हमला बोला. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आरोपों का जिक्र करते हुए कहा, यह उनके पास एकमात्र 'हथियार' है. लोगों के भविष्य से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे भाजपा के लिए कोई मायने नहीं रखते. भाजपा के '400 पार' के नारे पर उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में भी कह रहे हैं कि वे सभी 80 सीटें जीतेंगे. वे लोग (भाजपा) झूठ बोलने में माहिर हैं. लेकिन लोग उनके झूठ को समझ रहे हैं और उन्हें करारा जवाब देंगे. उन्होंने विपक्षी दलों पर वंशवादी राजनीति को बढ़ावा देने के भाजपा के आरोप पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, वे अपनी पार्टी में सबसे भ्रष्ट लोगों का स्वागत करते हैं. भाजपा एक 'ड्राई क्लीनिंग' मशीन है जो राजनीतिक लाभ के लिए सब कुछ करती है.

मैं हर दिन नौ बैठकें करती हूं

डिंपल यादव ने कहा, इस बार लोग भाजपा सरकार को बदलने के लिए मतदान कर रहे हैं. डिंपल का मुकाबला मैनपुरी में भाजपा उम्मीदवार जयवीर सिंह से होगा. अपने प्रचार अभियान और लोगों से मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में डिंपल ने कहा, मैं एक दिन में आठ से नौ बैठकों में भाग लेती हूं. बूथ और सेक्टर स्तर के कार्यकर्ताओं के अलावा, स्थानीय लोग भी मौजूद होते हैं और 'इंडिया' गठबंधन के लिए प्रतिक्रिया बहुत अच्छी है.

दुनियाभर में इस दिन को मनाने के पीछे एक बेहद खास उद्देश्य है

मजदूरों के बीच एकता और जागरूकता फैलाने का दिन

- इस दिन को पहली बार 1889 को मनाया गया था
- श्रमिकों में जागरूकता फैलाने की कोशिश की जाती है

शुभम संदेश नेटवर्क

हर साल 01 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है. इस दिन को मई दिवस, कामगार दिवस, श्रम दिवस और श्रमिक दिवस जैसे नामों से भी जाना जाता है. दुनियाभर में इस दिन को मनाने के पीछे एक बेहद खास उद्देश्य है. इसी कारण इस दिन को हर साल मनाया जाता है. इस दिन को मनाने का उद्देश्य है श्रमिकों को उनके योगदान के लिए सराहना देना और लोग इनकी परिस्थिति और समस्याओं के प्रति जागरूक और संवेदनशील बनाने की कोशिश करना. ये दिन असल में मजदूरों के अधिकारों, सामाजिक न्याय और कामकाजी परिस्थितियों पर बात करने, दिक्कतों को जानने और इन स्थितियों में सुधार करने से जुड़ा हुआ है. ये असल में मजदूरों के प्रति, उनके अधिकारों के प्रति आम लोगों और खुद मजदूरों में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है. दरअसल, इस दिन की शुरुआत भी ऐसे ही हुई थी, जब साल 1886 में मजदूरों ने लगातार 15-15 घंटे काम करने से मना कर दिया था.

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस का इतिहास

अभी से लगभग 135 साल पहले अमेरिका में श्रमिकों की हालत बेहद खराब थी. उन्हें एक दिन में लगभग 15 घंटे काम करना पड़ता था. साथ ही, काम की जगह पर सफाई भी नहीं होती थी और न वे जगहें हवादार होती थीं. इन्हीं बदतर परिस्थितियों से परेशान होकर मजदूरों ने हड़ताल करने का फैसला किया और 01 मई 1886 को कई श्रमिक अमेरिका की सड़कों पर उतर गए. उनकी मांग थी कि काम के घंटों को 15 घंटे से घटा कर 8 घंटे किया जाए और काम की जगह में भी सुधार किए जाएं. हालांकि, पुलिस को जब लगा कि स्थिति काबू से बाहर जा रही है, तो उन्होंने गोलियां चला दीं, जिसमें 100 से भी ज्यादा लोग घायल हुए थे और कई श्रमिकों की जान भी चली गई थी. इसी दिन को याद करते हुए 1889 को अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन की दूसरी बैठक में 01 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाने का प्रस्ताव दिया गया. साथ ही, इस दिन को अवकाश की तरह मनाए जाने और श्रमिकों से 8 घंटे से ज्यादा काम न करनवाले के फैसले को भी पारित किया गया.

कई संस्थानों में आज के दिन होती है छुट्टी

1 मई को भारत में भी कई कंपनी और संस्थाओं में छुट्टी होती है. हालांकि, ये हर राज्य में नहीं होता. जैसे कि 1 मई को तमिलनाडु, बंगाल, असम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मणिपुर, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, झारखंड और बिहार में छुट्टी होती है. ये दिन भारत में सबसे पहले द लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान ने चेन्नई में मनाया था.

क्या है इस साल की थीम

हर साल अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस की एक खास थीम चुनी जाती है. इस साल की थीम है इंश्योरिंग वर्कप्लेस सेफ्टी एंड हेल्थ एमिडस्ट क्लाइमेट चेंज (जलवायु परिवर्तन के बीच काम की जगह पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करना). इस थीम के जरिए श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को महत्व देने पर जोर दिया जाएगा.

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाने का उद्देश्य

इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य देश के निर्माण में श्रमिकों के योगदान को याद करना और सम्मानित करना है. इस दिन श्रमिकों के संघर्षों को याद किया जाता है और उनके काम की सराहना की जाती है. साथ ही, इस दिन को मनाने के पीछे का एक उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करना और इसके प्रति उन्हें जागरूक करना भी है.

भारत में अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाने की शुरुआत

भारत में मजदूर दिवस को मनाने की शुरुआत 1923 में सबसे पहले चेन्नई में हुई थी, जिसे वामपंथियों ने शुरू किया था. इसके बाद देश के कई मजदूर संगठनों ने इस दिन को मनाने की शुरुआत की. भारत में यह दिन हर साल 01 मई को मनाया जाता है. इस दिन पब्लिक हॉलीडे भी होता है.

झूठ फैला रही है कांग्रेस पार्टी

भाजपा संविधान बदल देगी और आरक्षण समाप्त कर देगी : शाह

एजेंसी। गुवाहाटी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस झूठ फैला रही है कि भाजपा तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आई तो उसका इरादा संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त करने का है. शाह ने दावा किया कि जनता के आशीर्वाद और समर्थन से भाजपा लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट जीतने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है. उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, कांग्रेस इस तरह के झूठ फैला रही है कि भाजपा संविधान बदल देगी और आरक्षण समाप्त कर देगी. हम मतदाताओं को अल्पसंख्यक या बहुसंख्यक के रूप में नहीं देखते. भाजपा असम में 14 लोकसभा सीट में से 12 पर जीत दर्ज करेगी. गृह मंत्री ने कांग्रेस पर शुरुआत से ही तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और दावा किया कि विपक्षी पार्टी अपने बचे-खुचे थोड़े समर्थन आधार को बचाना चाहती है. शाह ने कहा, भाजपा धर्म के आधार पर आरक्षण में विश्वास नहीं रखती. हम देशभर में समान नागरिक संहिता लागू करने और यह सुनिश्चित करने के पक्ष में हैं कि सभी धर्मों के लोगों के लिए एक कानून हो. वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि किसी धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर कानून होना सही नहीं है और यह संविधान की भावना के विरुद्ध है.

एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने नए नौसेना प्रमुख का प्रभार संभाला

नयी दिल्ली। संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को देश के 26वें नौसेना अध्यक्ष का प्रभार संभाल लिया. उन्होंने आर हरि कुमार के सेवानिवृत्त होने पर नौसेना प्रमुख का कार्यभार संभाला है. रीवा के सैनिक स्कूल के भूतपूर्व छात्र एडमिरल त्रिपाठी इससे पहले नौसेना के उप प्रमुख का पद संभाल रहे थे. एडमिरल त्रिपाठी का 15 मई 1964 को जन्म हुआ था और एक जुलाई 1985 में वह भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे. संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ वाइस एडमिरल त्रिपाठी का करीब 30 वर्ष का लंबा और विशिष्ट करियर रहा है. एडमिरल त्रिपाठी ने भारतीय नौसैन्य जहाज विनाश, किर्च और त्रिशूल की कमान भी संभाली है.

सुरक्षाबलों ने 3 महिलाओं समेत 10 नक्सलियों को किया ढेर

एजेंसी। नारायणपुर (छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर और कांकेर जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत 10 नक्सलियों को मार गिराया है. राज्य के गृह विभाग का कामकाज संभाल रहे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों से आग्रह किया है कि वे समर्पण करें एवं सरकार उनसे बातचीत के लिए तैयार है. शर्मा ने बताया कि जिलों के टेकमेटा और काकूर गांवों के मध्य जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत नौ नक्सलियों को मार गिराया है. उन्होंने बताया कि सोमवार रात को नारायणपुर और कांकेर जिलों के सीमावर्ती अबूझमाड़ क्षेत्र में 'डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड' (डीआरजी) और विशेष कार्य बल (एसटीएफ़) के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना किया गया था. उपमुख्यमंत्री ने बताया कि अभियान के दौरान आज सुबह लगभग छह बजे जब सुरक्षाबल के जवान टेकमेटा और काकूर गांवों के मध्य जंगल में थे तब नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसपर सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की. उन्होंने बताया कि कुछ देर बाद सुरक्षाबलों ने जब घटनास्थल की तलाशी ली तब वहां तीन महिलाओं समेत नौ नक्सलियों के शव बरामद किये गये. उनके अनुसार सुरक्षाबल के सभी जवान सुरक्षित हैं. शर्मा ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान के दौरान नक्सली डेरे से एक ए के 47 राइफल समेत कई हथियार, गोला बारूद और दैनिक उपयोग का सामान जब्त किया गया है. उपमुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश में इस सफलता के लिए सुरक्षाबलों को बधाई दी है. शर्मा ने कहा है, 'मैं नक्सलियों से और भटक चुके लोगों से एक बार फिर आग्रह करता हूं कि विष्णु देव जी की सरकार बातचीत के माध्यम से इस मसले का हल चाहती है.

बेंगलुरु : एनएसयूआई के सदस्यों ने मंगलवार को बेंगलुरु में कथित यौन शोषण मामले में शामिल होने के विरोध में जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना का पोस्टर जलाया.

देवेंद्र यादव बने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को देवेंद्र यादव को अपनी दिल्ली इकाई का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया. अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफा देने के बाद यादव की नियुक्ति की गई है. पूर्व विधायक यादव मौजूदा समय में पंजाब के प्रभारी भी हैं. कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, खरगे ने देवेंद्र यादव को तत्काल प्रभाव से दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया और वह पार्टी के पंजाब प्रभारी की जिम्मेदारी भी निभाते रहेंगे.

ट्रक और बस में टक्कर, चार यात्रियों की मौत, 34 घायल

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के नासिक जिले में मंगलवार को एक सरकारी बस और ट्रक के बीच हुई भिड़ंत में एक किशोर व एक महिला सहित चार यात्रियों की मौत हो गई जबकि 34 अन्य घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि घायलों में नौ लोगों की हालत गंभीर है. उन्होंने बताया कि यह घटना सुबह करीब 9.45 बजे मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जिले के चंदवाड शहर के अहेर वस्ती के पास हुई. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस पड़ोसी जलगांव जिले के भुसावल से नासिक शहर की ओर जा रही थी, तभी ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश में यह हादसा हुआ. उन्होंने बताया कि बस में करीब 45 यात्री सवार थे, जिसमें से चार लोगों की मौत हो गई जबकि 34 अन्य घायल हो गए. इनमें से नौ की हालत गंभीर बताई जा रही है. पुलिस ने कहा कि चंदवाड सरकारी अस्पताल और अन्य निजी अस्पतालों में घायलों का इलाज कराया जा रहा है. उन्होंने बताया कि चार मृतकों में से दो पुरुष हैं, जबकि एक 14 वर्षीय लड़का और एक महिला है.

'सेक्स स्कैंडल' का मामला

जदएस ने प्रज्वल रेवन्ना को पार्टी से निलंबित किया

बेंगलुरु। जनता दल सेक्युलर (जदएस) ने कथित ''सेक्स स्कैंडल'' में संलिप्तता के लिए हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना को मंगलवार को पार्टी से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया. हुब्बल्ली में पार्टी की कोर समिति ने राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा से रेवन्ना के निलंबन की सिफारिश की थी, जिसके चंद मिनटों बाद ही हासन के सांसद को निलंबित कर दिया गया. देवेगौड़ा, रेवन्ना के दादा हैं. निलंबन आदेश में कहा गया है, हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं के कथित उत्पीड़न के वीडियो सोशल मीडिया और मीडिया में व्यापक रूप से प्रसारित हो रहे हैं.

राजनाथ सिंह ने कांग्रेस को डूबता हुआ जहाज बताया, कहा-

सूरत और इंदौर की घटना भाजपा के प्रति जनता का अगाध स्नेह दर्शाता है

एजेंसी। इंदौर

सूरत और इंदौर के चुनावी घटनाक्रमों का हवाला देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कांग्रेस को डूबता जहाज बताया और कहा कि ये वाकये भाजपा के प्रति जनता का अगाध स्नेह दर्शाते हैं. सिंह खंडवा लोकसभा सीट के निवर्तमान सांसद और भाजपा उम्मीदवार ज्ञानेश्वर पाटिल के समर्थन में मांधाता में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे. सिंह ने कहा, इस बार लोकसभा चुनाव में करिश्मा हो गया. सूरत से भाजपा का प्रत्याशी निर्विरोध जीत गया और इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी ने पर्चा वापस लेकर भाजपा को समर्थन दे दिया. यह भाजपा के प्रति जनता के अगाध स्नेह को दर्शाता है जो लगातार बढ़ता जा रहा है. उन्होंने कहा, लेकिन कांग्रेस के नेता कहते हैं कि ऐसी घटनाएं लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं. आजाद भारत में कांग्रेस के प्रत्याशी 20 बार निर्विरोध चुने गए हैं. मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि क्या तब लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा नहीं हुआ था? सिंह ने कहा कि कांग्रेस वह डूबता जहाज है जिसमें छेद हो चुका है और इस जहाज को डूबने से दुनिया की कोई भी ताकत रोक नहीं सकती.

इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए सोमवार को अपना नामांकन वापस ले लिया और भाजपा में शामिल हो गए. इससे पहले, भाजपा ने लोकसभा चुनाव में गुजरात की सूरत सीट से 22 अप्रैल को अपनी पहली जीत दर्ज की, जब कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभानी का नामांकन गड़बड़ियों के कारण खारिज कर दिया गया.

पतंजलि विज्ञापन मामला

न्यायालय ने लाइसेंसिंग प्राधिकरण को डांटा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड से जुड़े भ्रामक विज्ञापनों के मामले में कार्रवाई न करने के लिए उत्तराखंड राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण को मंगलवार को फटकार लगायी. प्राधिकरण द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण पर असंतोष जताते हुए न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा कि ऐसा लगता है कि लाइसेंसिंग प्राधिकरण शीर्ष न्यायालय का 10 अप्रैल का आदेश मिलने के बाद ही कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए सक्रिय हुआ. पीठ ने कहा, अगर आप सहानुभूति और अनुकंपा चाहते हैं तो अदालत के प्रति ईमानदार रहें. न्यायालय ने कहा कि उसकी मुख्य चिंता यह है कि क्या लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई की.

वोटिंग की ऐसी व्यवस्था की है जिससे मुस्लिम वोट न दे पायें : ममता बनर्जी

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि वोटिंग की ऐसी व्यवस्था की गयी है जिससे मुस्लिम वोट ना दे पायें. वे मुर्शिदाबाद में चुनावी रैली को संबोधित कर रही थी. रैली में ममता बनर्जी ने हज यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप अपना वोट देकर हज जाइये.

उन्होंने कहा कि जिलों में ऐसी व्यवस्था करने की कोशिश की जा रही है कि मुस्लिम वोट ना दे पायें. केंद्र सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है. ममता ने यह आरोप भी लगाया कि केंद्रीय सुरक्षा बल भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं. ममता ने एक तरह से चेताते हुए कहा कि मैं उनसे कहूंगी कि आपलोगों की नौकरी लंबी है. आप को काफी समय तक काम करना है. यह भी कहा कि मैं सेंट्रल फोर्सेज की बहुत इज्जत करती हूं, पर आपलोग ऐसा काम मत करें कि बाद में आपको समस्या हो.

केंद्र पर लगाया आरोप

रोज सुबह नींद से उठते हैं, तो प्रचार मंत्री का चेहरा दिखता है

ममता ने तंज कसा कि रोज सुबह नींद से उठकर प्रचार मंत्री का चेहरा देखियेगा. हर समय उनका ही चेहरा नजर आता है. कहा कि नींद में भी उनका चेहरा देख आतंक हो रहा है. नींद में आंखें देख आतंकित हो रही हूं. कब एक बम फोड़ देंगे. ना जाने कब खाने आ जाये. कब काट खायें. ये तो इनकी हालत है. लोग डरे हुए हैं. ममता का इशारा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)